

'वो सारे सिनेमाघर तो ले नहीं सकते,' रामायणम और सुनील शेट्टी की ब्लॉकबस्टर के क्लैश पर डायरेक्टर की दो टूक

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 30
न्यूनतम - 19

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 300 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर गुरूवार 29 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 19 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

हरदीप सिंह पुरी एमपी से जाएंगे राज्यसभा

● एल.मुरुगन के इस्तीफे के बाद बीजेपी ने बनाया उम्मीदवार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की एक सीट के लिए उपचुनाव होने हैं। यह सीट केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। बीजेपी ने इस सीट के लिए नाम की घोषणा कर दी है। बीजेपी की ओर से केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया गया है। दरअसल, एल मुरुगन



का कार्यकाल 2030 तक बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के बाद एमपी से राज्यसभा की एक सीट खाली हो गई थी। राज्यसभा सीट खाली होने के बाद अटकलें थीं कि इस बार पार्टी राज्य के ही किसी नेता को मौका देगी। लेकिन फिर से बाहरी को मौका दिया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को मध्य प्रदेश से उम्मीदवार बनाया है। हरदीप सिंह पुरी अभी मोदी सरकार में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों और पेट्रोलियम मंत्री हैं। वह भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं। साथ ही संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि रहे हैं। पुरी 2014 में बीजेपी में शामिल हुए थे। अभी वह यूपी से राज्यसभा के सांसद हैं। मध्य प्रदेश में राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन की शुरुआत हो गई है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख पांच नवंबर को है। 12 नवंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन परिणाम भी आ जाएंगे। वोटिंग की स्थिति तब बनेगी जब इनके खिलाफ कोई अन्य उम्मीदवार मैदान में आएगा। यह सीट बीजेपी की है। ऐसे में हरदीप सिंह पुरी का निर्विरोध जीतना तय है।

लोकतंत्र बचाने के लिए सड़क पर उतरे भाजपा नेता

● पटना में खुद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संभाला मोर्चा

पटना (एजेंसी)। पटना में भाजपा की ओर से बुधवार को 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत पदयात्रा निकाली जा रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। पदयात्रा शुरू होने से पहले वह मंच से पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे हैं। कार्यक्रम



के लिए गांधी मैदान स्थित कारगिल चौक पर कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया है। पदयात्रा कारगिल चौक से शुरू होकर मौर्या होटल के पास स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा तक जाएगी। भाजपा ने इस आयोजन के जरिए लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर जनता के बीच अपना पक्ष रखने की तैयारी की है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री दिलीप जायसवाल ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों में विपक्ष की ओर से देश में अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश की गई है।

आतंकी साजिश थी यहूदी प्रार्थनास्थल के पास आगजनी

● केरलम का मामला,हैंडलर के इशारे पर लगाई गई थी आग ● हैंडलर को बड़े टारगेट के लिए खुद को साबित करना था

कोच्चि (एजेंसी)। केरलम के कोच्चि में ऐतिहासिक यहूदी सिनागॉग (प्रार्थनास्थल) के सामने 12 अक्टूबर को हुई आगजनी को पुलिस ने बड़े आतंकी साजिश का हिस्सा बताया है। पुलिस के मुताबिक, 32 साल के आरोपी एबिन पॉल ने यह आग लगाई थी। कोच्चि के पुलिस कमिश्नर कलिराज महेश कुमार ने कहा कि 12 अक्टूबर की सुबह किया गया हमला एक टेस्ट केस था। आरोपी को पहले कोच्चि में खुद को साबित करने के लिए कहा गया था। इसी के चलते पॉल ने पेट्रोल डालकर आग लगाने के बाद अपने मोबाइल पर घटना का वीडियो भी बनाया था।



परिवार ने कहा- डिप्रेशन का मरीज है पॉल

पॉल एर्नाकुलम जिले में कोलेनचेरी के पास पुथेनक्रूज़ के पास वदयाम्पडी का रहने वाला है। वह एक डिजाइन ग्रेजुएट है। पॉल के परिवार ने मुताबिक, वह डिप्रेशन का इलाज करवा रहा था और घर से डिजाइन का काम भी करता था। पॉल अभी ज्यूडिशियल कस्टडी में है। पुलिस ने उसके मोबाइल फोन से फोरेंसिक रिजल्ट्स निकाले हैं, जिससे बैन आतंकवादी संगठन के हैंडलर के बारे में और डिटेल्स पता चली हैं। कमिश्नर ने कहा- फिलहाल हम और जानकारी नहीं दे सकते हैं, क्योंकि बड़े आतंकी साजिश से जुड़ी जानकारियों की जांच की जा रही है।

क्रिप्टोकरेंसी से भुगतान, टेलीग्राम पर आ रहे थे 'बॉस' के निर्देश

कमिश्नर कुमार ने आगे बताया कि आरोपी को एक हैंडलर निर्देश दे रहा था और उसे क्रिप्टोकरेंसी के जरिए भुगतान किया जाता था। आरोपी को टेलीग्राम पर 'बॉस' नाम से दर्ज संपर्क से निर्देश मिलते थे। आरोपी ने पूछताछ में 'विक्रम' नाम के व्यक्ति का जिक्र किया है। पुलिस दोनों की पहचान की पुष्टि कर रही है। आरोपी के पुणे में पढ़ाई और बैकग्राउंड से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल हो रही है। पुलिस जनवरी और मार्च में हुई 3 अन्य आगजनी की घटनाओं से भी जोड़कर जांच कर रही है।

भारत और अमेरिका के बीच बड़ा रक्षा समझौता

● राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा मंत्री ने की बातचीत

मनीला (एजेंसी)। अमेरिका और भारत के बीच 10 वर्षों के लिए जो डिफेंस प्लान पिछले साल तैयार किया गया था उसकी समीक्षा की गई है। फिलीपींस के मनीला में भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बीच मुलाकात हुई है। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के बीच 10 सालों के लिए डिफेंस फ्रेमवर्क में आए डेवलपमेंट की समीक्षा की है। इस दौरान दोनों देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने, सैन्य तकनीक और हथियारों के संयुक्त उत्पादन को लेकर बात की गई है। फिलीपींस के सेबू में दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। इस दौरान दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा और नये क्षेत्रीय सुरक्षा



चुनौतियों को लेकर चर्चा की है। आपको बता दें कि इससे पहले पिछले साल दोनों देशों के बीच इस डिफेंस फ्रेमवर्क पर दस्तखत किए गये थे। इसका मकसद दोनों देशों को अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है। यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप पर पिछले साल 31 अक्टूबर को राजनाथ सिंह व हेगसेथ ने दस्तखत किए थे।

बैलेट पेपर से हुए चुनाव, कांग्रेस कितनी सीटें जीती!

● एमएलसी चुनाव नतीजों पर पीएम मोदी ने कांग्रेस पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनाव का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर सवाल उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि चार बड़े राज्यों में एमएलसी की 28 सीटों पर चुनाव हुए और मतदान बैलेट पेपर यानी मतपत्रों के जरिए कराया गया। इसके बाद उन्होंने पूछा कि कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं। पीएम मोदी की इस पोस्ट में चुनाव के तरीके और कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर सवाल किया गया है। इन चार राज्यों के चुनाव में अलग-अलग दलों के बीच मुकाबला हुआ है। उपलब्ध नतीजों और रुझानों में भाजपा और उसके सहयोगी दलों का प्रदर्शन भी सामने आया है।



बीजेपी काशी हारी,यूपी की 5 सीटें जीती- चार राज्यों की 28 एमएलसी सीटों के नतीजों में बिहार में बड़ा उलटफेर हुआ है। यहां भाजपा के पांच बार के एमएलसी नवल किशोर यादव समेत चार सिटिंग एमएलसी चुनाव हार गए। जन सुराज ने दरभंगा शिक्षक सीट जीतकर विधान परिषद में खाता खोला। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने 5 सीटों पर कब्जा किया, जबकि वाराणसी शिक्षक सीट सपा के खाते में गई।

भाजपा 30 साल बाद पटना टीचर सीट हारी, आरजेडी जीती

बिहार विधान परिषद की 8 सीटों में से 4 शिक्षक निर्वाचन सीट का रिजल्ट आ चुका है। पटना शिक्षक सीट पर 30 साल बाद बीजेपी की हार हुई है। नवल किशोर को राजद के डॉ. संजीव ने 1057 वोटों से मात दी है। वहीं तिरहुत शिक्षक सीट से बीजेपी के नरेन्द्र सिंह 600 वोटों से जीते। सारण शिक्षक सीट से बीजेपी के बागी और निर्दलीय राहुल राज ने 1815 वोट से जीत दर्ज की है। दरभंगा में जनसुराज के सुरेश प्रसाद राय ने जीत दर्ज की है। तिरहुत स्नातक सीट से वंशीधर लगातार आगे चल रहे हैं।

कर्नाटक- कांग्रेस हारी विपक्ष ने चारों सीटें जीतीं

कर्नाटक में एमएलसी की चार सीटों पर कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। विपक्षी जनता दल (सेक्युलर) यानी जेडीएस ने कांग्रेस से एक सीट छीन ली, जबकि उसकी सहयोगी भाजपा ने अपनी तीनों सीटें बरकरार रखीं। बेंगलुरु शिक्षक सीट पर भाजपा के समर्थन से चुनाव लड़ रहे जेडीएस उम्मीदवार एपी रंगनाथ ने कांग्रेस के मौजूदा एमएलसी पुट्टन्ना को 908 वोटों से हराया। पुट्टन्ना को 9,902 वोट मिले, जबकि रंगनाथ को 10,810 वोट मिले। उत्तर-पूर्व शिक्षक सीट पर भाजपा के मौजूदा एमएलसी शशिल जी. नामोशी ने कांग्रेस उम्मीदवार शरणप्पा मत्तूर को हराया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नामोशी ने इस सीट पर लगातार पांचवीं बार जीत दर्ज की है। नामोशी को 15,596 वोट मिले, जबकि मत्तूर को 12,299 वोट मिले।

नसीरुद्दीन ने मोदी सरकार को बताया 'नाजायज हुकूमत'

● वीडियो में कहा- हूं मैं दिमागी नक्सल, टुकड़े-टुकड़े गैंग का सदस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने एक बार फिर से छात्रों के लिए आवाज उठाई है और सरकार से सवाल किया है। दिल्ली में यूनिवर्सिटी के कुछ छात्रों ने भूख हड़ताल से एक आंदोलन शुरू किया, जो अब फैलता जा रहा है। एक्टर ने इससे पहले, कोलकाता के छात्रों के लिए भी आवाज उठाई थी। अब, वो फिर से बोल पड़े हैं। नसीरुद्दीन शाह ने सरकार से कहा कि वो खुद को दिमागी नक्सल मानते हैं, तो क्या। वो कहते हैं, मैं फख्र के साथ कहता हूं, मैं दिमागी नक्सल हूं।



नसीरुद्दीन शाह छात्रों के लिए खड़े

उन्होंने आगे कहा, टुकड़े-टुकड़े गैंग अगर इस मुल्क में कोई है, तो वो ये नाजायज हुकूमत है और मैं इस हुकूमत से एक सवाल पूछना चाहता हूं। और क्या-क्या करोगे तुम। हमारे मुल्क के नौजवानों की हिम्मत को तोड़ने के लिए शिक्षा संस्थानों को बर्बाद करने के लिए और हमारे लोकतंत्र को खतरे में डालने के लिए, कितना करोगे। तुम और तुमने अपने इर्द-गिर्द जो बेवकूफ, बेईमानों की पलटन इकट्ठी की है, कहां तक जाओगे। उन्होंने आगे कहा, पहले जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, फिर सत्यजीत रे फिल्म इंस्टीट्यूट और अब जामिया मिलिया...क्या-क्या करोगे।

केंद्रीय कर्मचारियों को मोदी सरकार का दीवाली गिफ्ट

डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी को कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स का महंगाई भत्ते (डीए) व महंगाई राहत को लेकर इंतजार खत्म हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को डीए और डीआर में 3 फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। ऐसे में केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को सरकार की ओर से दीवाली से पहले ही बड़ा गिफ्ट मिल गया है। देश के 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनर्स को इसका फायदा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। डीए में 3 फीसदी बढ़ोतरी के साथ अब यह 60 फीसदी से बढ़कर 63 फीसदी हो गया है। सरकार ने डीए और डीआर में बढ़ोतरी के लिए 7वें वेतन



6वें और 5वें वेतन आयोग वालों को भी राहत

सरकार ने 6वें और 5वें वेतन आयोग के वेतनमान के तहत आने वाले कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में भी बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। ये बढ़ोतरी भी 1 जुलाई 2026 से लागू होंगी। महंगाई भत्ते के अलावा कैबिनेट ने कई अन्य योजनाओं को भी मंजूरी दी है। कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग योजना- इसके लिए 10,000 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

आयोग की सिफारिशों के आधार पर तय फॉर्मूले को अपनाया है। इस बढ़ोतरी पर करीब 10,016 करोड़ रुपये खर्च होंगे। डीए और डीआर की बढ़ी हुई दर 1 जुलाई 2026 से लागू होगी। ऐसे में कर्मचारियों को जुलाई से अक्टूबर तक के एरियर का भुगतान मिलेगा। अगर किसी कर्मचारी की बेसिक 18,000 रुपये है तो उसे 60 फीसदी के हिसाब से 10,800 रुपये महंगाई भत्ता (डीए) मिल रहा था।

'अर्नब' तूफान ने आंध्र ओडिशा में ढाया 'कहर'

● 3 लोगों की मौत, 57 हजार लोग किए गए शिफ्ट

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान 'अर्नब' मंगलवार देर रात 3.30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। यहां 125 से 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। आंध्र प्रदेश में 3 मौतें हुई हैं। राज्य के 31 घरों को नुकसान पहुंचा। 57 हजार लोगों को शिफ्ट किया गया है। तूफान के कारण 50 ट्रेनें और विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम एयरपोर्ट पर 21 फ्लाइट्स रद्द की गईं। ओडिशा में भारी बारिश के चलते 16 जिलों में स्कूल बंद हैं। यहां 30



हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 4,000 साइक्लोन शेल्टर बनाए गए हैं। विशाखापट्टनम में रात 27 अक्टूबर की सुबह 8.30 बजे से 28 अक्टूबर की सुबह 3 बजे तक, यानी करीब 18 घंटे में 200 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। यह जुलाई में होने वाली औसत बारिश के डेढ़ गुना से ज्यादा है। यहां जुलाई में औसतन 133 मिमी बारिश होती है।

लोन की किस्त नहीं चुकाई, एजेंट्स ने किसान को उठाया

● 3 दिन बाद फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में लाश मिली, 5 लोग गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नांदेड जिले में 40 साल के किसान चंद्रकांत शिंदे का शव मिला है। शव निजी फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में मिला। परिवार और ग्रामीणों का आरोप है कि लोन की किस्त नहीं चुकाने पर रिकवरी एजेंट्स ने चंद्रकांत को किडनैप किया था। तीन दिन बाद उनका शव मिला। चंद्रकांत शिंदे नांदेड जिले के मुदखेड़ तहसील के मलकोठा गांव के रहने वाले थे। पत्नी की शिकायत के अनुसार 22 अक्टूबर की शाम को दो अज्ञात लोगों ने उन्हें जबरन एक मोटरसाइकिल पर बैठाया और



फाइनेंस कंपनी ऑफिस ले गए। पुलिस ने अभी यह नहीं बताया है कि मामला आत्महत्या का है या हत्या का। नांदेड एसपी के मुताबिक पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें फाइनेंस ऑपरेशन चलाने वाला मुख्य आरोपी असलम भी शामिल है। मामले की जांच के लिए 9 सदस्यों की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई।

किसान आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र पहले नंबर पर

किसान आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले नंबर पर है। डेटा के मुताबिक 2023 में पूरे भारत में खेती-किसानी से जुड़े कुल 10,786 आत्महत्या के मामले सामने आए थे। इसमें से अकेले महाराष्ट्र में 4,151 केस थे। इनमें 4690 किसान थे और 6096 खेत मजदूर थे। आंकड़ो के कारण के आधार पर डेटा नहीं देता।

सूखा प्रभावित गांवों में कर्ज की परेशानी

यह घटना नांदेड जिले के कुछ हिस्सों में किसानों की आर्थिक परेशानी के बीच हुई है। जिले के कई गांवों में सूखे जैसी स्थिति बताई जा रही है। डीएम से पूछा गया कि क्या सूखा प्रभावित इलाकों में किसानों से लोन वसूली को लेकर फाइनेंस कंपनियों के लिए कोई खास गाइडलाइन जारी की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई आधिकारिक गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। हालांकि, जिला कलेक्टर के साथ बैठक की गई है। डीएम ने कहा, अगर कहीं गैरकानूनी तरीके से लोन वसूली हो रही है, तो नागरिक सामने आएं। उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने जयकुमार उर्फ भैया भगवान गायकवाड़ (22), शेख आमिर शेख साहेब हुसैन (25), इमरान खान शाहबाज खान (40) और शेख मुदस्सिर शेख खादीर (24) को गिरफ्तार किया है।

यूपी में जल्द बनेगा 90 किमी लंबा नया लिंक एक्सप्रेसवे वे

● भूमि अधिग्रहण शुरू, गंगा और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे को जोड़ेगा

फतेहगढ़ (एजेंसी)। गंगा एक्सप्रेस-वे व आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए जिले में बनने वाले लिंक एक्सप्रेस-वे का निर्माण जल्द शुरू होगा। प्रदेश सरकार की कैबिनेट की बैठक में निर्माण एजेंसी चयन के



बाद तीन वर्ष में कार्य पूरा कराने का निर्णय लिया गया है। निर्माण एजेंसी पांच वर्ष तक एक्सप्रेस-वे का अनुरक्षण करेगी। जिले में करीब 90 किलोमीटर लिंक एक्सप्रेस-वे का निर्माण होना है। इसे हरदोई जनपद के सवायजपुर के पास गंगा एक्सप्रेसवे व दूसरी ओर इटावा में कुदरेल के पास आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। इससे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के लिए कनेक्टिविटी रूट भी मिलेगा। जिले में बनने वाले लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए प्रशासन ने जमीन अधिग्रहित करने को विशेष कैंप लगवाकर करीब 90 प्रतिशत जमीन का बैनामा करा लिया है।

अनमोल वचन

आज सुहागिन महिलाओं का विशेष पर्व है। पति-पत्नी के लिये इस पर्व के विशेष अर्थ हैं। यदि पति-पत्नी में वास्तव में सच्चा प्रेम है, तो यह पर्व प्रतिवर्ष आपके रिश्तों में दृढ़ता लाता है। इस दिन जहाँ पत्नि पूर्ण समर्पण के साथ अपने पति के लिये व्रत रखती हैं, तो वहीं पति को पत्नियों की चिंता रहती है और हो भी क्यों न? पत्नियाँ जीवन भर पति और पति परिवार की अवैतनिक देख-भाल करती हैं और इस विशेष दिन तो वह निर्जल व्रत रखती हैं। यही सच्चाई जब मन से स्वीकार की जाती है तो पति-पत्नी के मध्य प्यार बढ़ाती है। प्रत्येक करवा चौथ के विशेष दिन को और विशिष्ट बनाने के लिये पति-पत्नी एक-दूसरे से कुछ वायदे कर सकते हैं। उन वायदों को निभाने से उनका आपसी रिश्ता दिन-प्रतिदिन दृढ़ और प्यार भरा होता जायेगा। प्यार के साथ ही रिश्ते निभाने के लिये जो सबसे जरूरी चीज है, वह है सम्मान। करवा चौथ पर पति-पत्नी एक-दूसरे को वचन दे सकते हैं कि क्रोध में भी वे मर्यादित भाषा की सीमा नहीं लांघेंगे। ऐसा कोई काम कभी नहीं करेंगे जिससे एक-दूसरे के सम्मान को ठेस पहुँचे। घर की कोई समस्या हो, रिश्तेदारी के सम्बन्धों में आना-जाना, किसी आयोजन में भागदारी अथवा संस्थाओं को दान सम्बन्धी कार्यों में एक-दूसरे से परामर्श करें। पत्नि के परामर्श की उपेक्षा न करें। पति का भी कर्तव्य है कि वह ऐसी कोई सलाह न दे जिसके कारण परिवार के सम्मान को ठेस पहुँच सकती हो। इन बातों पर ध्यान रखने से ही करवा चौथ का उद्देश्य पूरा होगा।

आज सुहागिनें रखेंगी करवा चौथ का व्रत, बाजारों में उमड़ी भीड़ से गुलजार हुआ मुजफ्फरनगर

भगत सिंह रोड, नावल्टी चौक, हनुमान चौक, नई मंडी और बिंदल बाजार में खरीदारी की रौनक, मेहंदी से लेकर साज-श्रृंगार तक की तैयारियां पूरी करने में जुटीं महिलाएं

मुजफ्फरनगर। सुहागिन महिलाओं का प्रमुख पर्व करवा चौथ आज मनाया जाएगा। पर्व को लेकर शहर के बाजारों में रौनक छाई हुई है। महिलाएं व्रत और पूजा की तैयारियों के साथ साज-श्रृंगार का सामान खरीदने में जुटी हैं। भगत सिंह रोड, नावल्टी चौक, हनुमान चौक, नई मंडी की गौशाला रोड और बिंदल बाजार सहित शहर के प्रमुख बाजारों में महिलाओं की आवाजाही बढ़ने से दुकानों पर चहल-पहल दिखाई दे रही है। कहीं महिलाएं अपनी पसंद की साड़ी और सूट खरीदती नजर आईं, तो कहीं चूड़ियों, बिंदी, आभूषणों और मेकअप के सामान की खरीदारी होती रही। करवा चौथ को लेकर महिलाओं में खास उत्साह है। व्रत की तैयारियों के साथ पारंपरिक परिधान पहनने, हाथों पर मेहंदी रचाने और मनपसंद तरीके से सजने-संवरने की तैयारियां भी पूरी की जा रही हैं। त्योहार के मद्देनजर दुकानदारों ने भी अपनी दुकानों पर विभिन्न रंगों और डिजाइनों के कपड़े, चूड़ियां तथा श्रृंगार से जुड़ा सामान सजाया है।



बाजारों में खरीदारी के लिए पहुंचीं महिलाएं

करवा चौथ पर महिलाओं के लिए कपड़ों और श्रृंगार की खरीदारी खास महत्व रखती है। इसी के चलते शहर के प्रमुख बाजारों में साड़ियों, सूट, चूड़ियों, बिंदी, आभूषणों और सौंदर्य प्रसाधनों की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही दिखाई दी। महिलाएं अपनी पसंद और बजट के अनुसार सामान खरीदती नजर आईं। भगत सिंह रोड, नावल्टी चौक और हनुमान चौक पर खरीदारी का माहौल दिखाई दिया, वहीं नई मंडी की गौशाला रोड और बिंदल बाजार में भी महिलाएं पर्व से जुड़ी तैयारियों में जुटी रहीं। कई महिलाएं परिवार के सदस्यों और सहेलियों के साथ बाजार पहुंचीं और पूजा से लेकर पहनावे तक की तैयारियों के लिए जरूरी सामान खरीदा। त्योहार को देखते हुए दुकानदारों को भी ग्राहकों से अच्छे कारोबार की उम्मीद है। बाजारों में दिखाई दे रही चहल-पहल से शहर में करवा चौथ का माहौल बनने लगा है।

करवा चौथ की तैयारियों में मेहंदी का विशेष स्थान है। हाथों पर सुंदर डिजाइन बनवाने के लिए महिलाएं मेहंदी कलाकारों के पास पहुंच रही हैं। पारंपरिक बेल-बूटों से लेकर बारीक और आकर्षक डिजाइनों तक की मांग दिखाई दे रही है। महिलाएं अपनी पसंद के अनुरूप हाथों पर मेहंदी लगवा रही हैं, ताकि पर्व के दिन उनका श्रृंगार पूरा हो सके। मेहंदी कलाकारों के यहां महिलाओं की बढ़ती आवाजाही से उनकी व्यस्तता भी बढ़ी है। कई महिलाएं परिवार की अन्य महिलाओं और सहेलियों के साथ मेहंदी लगवाने पहुंच रही हैं। करवा चौथ की परंपराओं में मेहंदी को शुभ माना जाता है, इसलिए व्रत की तैयारियों के साथ इसे भी विशेष महत्व दिया जा रहा है। ब्यूटी पार्लरों में भी बढ़ी व्यस्तता करवा चौथ पर सजने-संवरने की तैयारियों का असर शहर के ब्यूटी पार्लरों में भी दिखाई दे रहा है। महिलाएं मेकअप, बालों की सजावट और अन्य सौंदर्य सेवाओं के लिए पार्लरों का रुख कर रही हैं। पर्व के लिए पारंपरिक परिधान और मनपसंद श्रृंगार के साथ तैयार होने की चाह के चलते पार्लर संचालकों की व्यस्तता बढ़ी हुई है।

महिलाएं अपने पहनावे के अनुरूप श्रृंगार की योजना बना रही हैं। कोई साड़ी के साथ पारंपरिक रूप अपनाने की तैयारी कर रही है, तो कोई सूट और आभूषणों के साथ अपने लुक को खास बनाने में जुटी है। मेहंदी, चूड़ियां और अन्य श्रृंगार सामग्री के साथ महिलाएं व्रत की तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं।

पूजा सामग्री की खरीदारी पर भी जोर

करवा चौथ के अवसर पर व्रत और पूजा से जुड़ी सामग्री की खरीदारी भी महत्वपूर्ण रहती है। महिलाएं पूजा के लिए जरूरी सामान जुटाने के साथ अपने परिधान और श्रृंगार की तैयारियां पूरी कर रही हैं। बाजारों में त्योहार से जुड़ी खरीदारी के चलते दुकानों पर ग्राहकों की चहल-पहल बनी हुई है। व्रत की तैयारी करने वाली महिलाएं अपनी पारिवारिक परंपराओं के अनुसार पूजा की व्यवस्था कर रही हैं। दिनभर व्रत रखने के बाद शाम को पूजा और चंद्रमा के दर्शन से जुड़ी रस्में निभाई जाएंगी। इस पर्व पर महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करती हैं। कारोबारियों को अच्छे व्यापार की उम्मीद

करवा चौथ के मौके पर कपड़ों, चूड़ियों, आभूषणों, मेहंदी और सौंदर्य प्रसाधनों से जुड़े कारोबार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ जाती है। शहर के प्रमुख बाजारों में दिखाई दे रही रौनक से कारोबारियों को भी पर्व के दौरान अच्छे व्यापार की उम्मीद है। हालांकि वास्तविक बिक्री का आकलन कारोबार के आंकड़ों से ही हो सकेगा, लेकिन बाजारों में बढ़ती चहल-पहल ने त्योहार का उत्सवी माहौल बना दिया है। आज करवा चौथ के पर्व पर सुहागिन महिलाएं व्रत रखकर पूजा-अर्चना करेंगी और चंद्रमा के दर्शन के बाद व्रत खोलेंगी। बाजारों में खरीदारी, मेहंदी और साज-श्रृंगार की तैयारियों के बीच मुजफ्फरनगर में पर्व को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है।

मुजफ्फरनगर की पार्श्वनाथ कॉलोनी में कारोबारी की तलाश में कस्टम विभाग की दबिश: करीब 40 करोड़ की कथित टैक्स चोरी की जांच, टीम ने थमाया कानूनी नोटिस

भूटान बॉर्डर से दो महीने में 215 ट्रकों के जरिए भारत पहुंची फेरो सिलिकॉन की खेप, घर पर नहीं मिले कारोबारी राजीव जैन



मुजफ्फरनगर। भूटान बॉर्डर के रास्ते भारत में फेरो सिलिकॉन के आयात से जुड़े कथित टैक्स चोरी के मामले की जांच की आंच अब मुजफ्फरनगर तक पहुंच गई है। पश्चिम बंगाल कस्टम विभाग की टीम ने बुधवार दोपहर शहर के कारोबारी राजीव जैन की तलाश में दबिश दी। टीम स्थानीय पुलिस को साथ लेकर भारत माता मंदिर के पास पार्श्वनाथ कॉलोनी स्थित उनके आवास पर पहुंची, लेकिन कारोबारी घर पर नहीं मिले। इसके बाद कस्टम विभाग की टीम ने उन्हें कानूनी नोटिस थमा दिया। विभाग की जांच में सितंबर और अक्टूबर के दौरान भूटान बॉर्डर से फेरो सिलिकॉन से लदे 215 ट्रकों के भारत में प्रवेश तथा करीब 30 से 40 करोड़ रुपये की कथित टैक्स चोरी का मामला सामने आने की बात कही गई है।

दो ट्रकों को पकड़ने से शुरू हुई जांच

कस्टम विभाग की ओर से दिए गए नोटिस के मुताबिक, मामले की शुरूआत 25 अक्टूबर को भारत-भूटान बॉर्डर पर फेरो सिलिकॉन से लदे दो ट्रकों को पकड़े जाने के बाद हुई। दोनों ट्रकों के जरिए भूटान से भारत में माल आयात किया जा रहा था। जांच के दौरान कथित अनियमितताएं सामने आने पर कस्टम विभाग ने दोनों ट्रकों को सीज कर दिया। इसके बाद विभाग ने आयात से संबंधित दस्तावेजों, कारोबारी लेनदेन और माल की आवाजाही की पड़ताल शुरू की। इसी जांच के क्रम में आयात के बड़े नेटवर्क और कथित टैक्स चोरी से जुड़े तथ्य सामने आने का दावा किया गया है। 215 ट्रकों के आयात की पड़ताल

जांच के अनुसार, करीब दो महीने के भीतर फेरो सिलिकॉन से लदे 215 ट्रक भूटान बॉर्डर पार कर भारत में दाखिल हुए। नोटिस में 8 सितंबर, 16 सितंबर, 19 सितंबर, 7 अक्टूबर और 25 अक्टूबर की तारीखों का उल्लेख किया गया है। इन तारीखों से संबंधित ट्रकों और आयात की प्रक्रिया की जांच की जा रही है। इतनी बड़ी मात्रा में माल के आयात के दौरान कर संबंधी गड़बड़ियों की आशंका जताई गई है। कस्टम विभाग के अनुसार, मामले में करीब 30 से 40 करोड़ रुपये तक की कथित टैक्स चोरी की जांच की जा रही है। हालांकि, जांच पूरी होने और संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही कथित कर चोरी की वास्तविक राशि और उसकी जिम्मेदारी स्पष्ट हो सकेगी। नोटिस के मुताबिक, मुजफ्फरनगर निवासी कारोबारी राजीव जैन की फर्म ह्यश्री वैंकटेश्वर इंटरप्राइजेजह्न के नाम पर फेरो सिलिकॉन का आयात किया गया था। इसी सिलसिले में पश्चिम बंगाल कस्टम विभाग की टीम कारोबारी की तलाश में मुजफ्फरनगर पहुंची। टीम ने शहर कोतवाली और खालापार थाना पुलिस को साथ लेकर उनके आवास पर दबिश दी। कारोबारी के नहीं मिलने पर टीम ने उन्हें कानूनी नोटिस दिया। नोटिस के माध्यम से विभाग ने मामले में उनकी भूमिका और आयात से संबंधित तथ्यों की जांच आगे बढ़ाई है। फिलहाल कारोबारी की ओर से आरोपों पर कोई पक्ष सामने नहीं आया है। इसलिए मामले में उनकी भूमिका को लेकर अंतिम निष्कर्ष निकालना अभी जल्दबाजी होगी।

फेरो सिलिकॉन लौह और सिलिकॉन से बना एक मिश्रधातु पदार्थ है, जिसका इस्तेमाल इस्पात और ढलाई उद्योग में किया जाता है। इसका उपयोग स्टील निर्माण के दौरान ऑक्सीजन हटाने तथा लोहे और इस्पात के गुणों में सुधार के लिए किया जाता है। कई औद्योगिक प्रक्रियाओं में इससे तैयार उत्पादों की मजबूती और गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद मिलती है। इस कारण फेरो सिलिकॉन की मांग इस्पात निर्माण और धातु प्रसंस्करण से जुड़े उद्योगों में बनी रहती है। इसके अंतरराष्ट्रीय आयात में माल की सही श्रेणी, मूल्यांकन, मूल देश, सीमा शुल्क और अन्य लागू करों से संबंधित दस्तावेज महत्वपूर्ण होते हैं। इन्हीं पहलुओं में कथित गड़बड़ी की आशंका के मद्देनजर कस्टम विभाग आयात से जुड़े रिकॉर्ड की जांच कर रहा है। 215 ट्रकों के जरिए हुए आयात और करोड़ों रुपये की कथित कर चोरी का मामला सामने आने के बाद जांच का दायरा बढ़ने की संभावना है। विभाग को आयात से संबंधित दस्तावेजों, फर्म के रिकॉर्ड, माल की आपूर्ति और कर भुगतान के विवरण का मिलान करना होगा। यह भी जांच का विषय है कि माल के आयात में किन-किन फर्मों और कारोबारियों की भूमिका रही तथा कथित अनियमितताओं के लिए कौन जिम्मेदार है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह स्पष्ट नहीं है कि कथित टैक्स चोरी की पूरी राशि किस प्रक्रिया से बनी और जांच के बाद कितनी राशि की पुष्टि होगी। पश्चिम बंगाल से आई कस्टम विभाग की टीम की मुजफ्फरनगर में दबिश के बाद स्थानीय कारोबारी जगत में मामले को लेकर चर्चा शुरू हो

मोरना में ननिहाल आए मासूम की ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचलकर मौत: गांव खेड़ी फिरोजाबाद में पसरा मातम

ग्रामीणों के आक्रोश के बाद हरकत में आई पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लिया

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव खेड़ी फिरोजाबाद में बुधवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से छह वर्षीय मासूम बालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद जहाँ परिजनों में चीख-पुकार और कोहराम मच गया, वहीं ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी भोपा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है। घर के बाहर खेलते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, बागपत जिले के थाना बड़ौत क्षेत्र के गांव इब्राहीमपुर माजरा निवासी सुलेमान का छह वर्षीय पुत्र शायान पाँच दिन पूर्व गांव खेड़ी फिरोजाबाद स्थित अपने नाना हसन अली के घर आया हुआ था। बुधवार शाम को शायान घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान कमहेड़ा गांव की ओर से आ रही एक तेजरफ़्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मासूम को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि गंभीर रूप से घायल शायान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

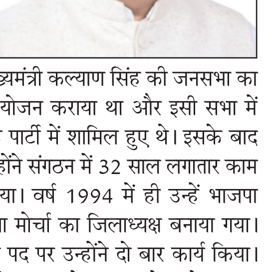
मासूम शायान की मौत की खबर फैलते ही परिवार में मातम छा गया। आक्रोशित परिजन और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर एकत्र हो गए। देर शाम तक परिजनों के इंतजार में बालक का शव सड़क पर ही रखा रहा। सुलेमान के परिवार में उनकी पत्नी तैयबा, साढ़े तीन वर्ष की पुत्री सना और डेढ़ माह का मासूम पुत्र सानिब हैं। इस हृदयविदारक घटना से नाना हसन अली, मामा मौसम अली, नवाब और महताब सहित पूरा परिवार गहरे सदमे में है। पुलिस ने चालक को लिया हिरासत में

घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी भोपा राधा रमण सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे और स्थिति को संभाला। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि दुर्घटना करने वाले ट्रैक्टर को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है तथा आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।



भाजपा में लगातार बढता जा रहा है रामकुमार सहरावत का वजूद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनने पर समर्थकों में खुशी की लहर

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा के साथ ही मुजफ्फरनगर के चार नेताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारी मिली है। जिले के नेताओं को प्रदेश स्तर पर स्थान मिलने से भाजपा कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रामकुमार सहरावत और पूर्व चेयरमैन डॉ. सुभाष चंद शर्मा को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों के जरिए जिले के अनुभवी नेताओं को प्रदेश संगठन में प्रतिनिधित्व मिला है। इनमें रामकुमार सहरावत का नाम विशेष रूप से चर्चा में है। बुढ़ाना क्षेत्र के गांव गढ़ी सखावत निवासी सहरावत लंबे समय से भाजपा संगठन में सक्रिय हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में युवा मोर्चा से लेकर जिला और क्षेत्रीय स्तर तक विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई हैं। रामकुमार सहरावत ने 20 जनवरी 1994 को भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। उन्होंने इस दिन बुढ़ाना क्षेत्र में पूर्व



मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की जनसभा का आयोजन कराया था और इसी सभा में वह पार्टी में शामिल हुए थे। इसके बाद उन्होंने संगठन में 32 साल लगातार काम किया। वर्ष 1994 में ही उन्हें भाजपा युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया गया। इस पद पर उन्होंने दो बार कार्य किया। वर्ष 1996 में भाजपा ने उन्हें बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया। इसके बाद वर्ष 1998 में उन्हें जिला कमेटी में महामंत्री की जिम्मेदारी मिली। संगठन में उनकी सक्रियता को देखते हुए वर्ष 2000 में उन्हें जिलाध्यक्ष बनाया गया। इस प्रकार शुरूआती वर्षों में ही उन्होंने पार्टी संगठन में अपनी मजबूत पहचान बनाई। रामकुमार सहरावत को वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दोबारा बुढ़ाना सीट से चुनाव लड़ने का अवसर दिया। हालांकि, इस चुनाव में उन्हें सफलता नहीं मिली, लेकिन पार्टी में उनकी भूमिका बनी रही। इसी वर्ष उन्हें फिर से जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें कैराना संसदीय क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया। इस चुनाव में उन्होंने संगठन के स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भाजपा प्रत्याशी बाबू हुकुम सिंह की जीत में उनके संगठनात्मक प्रयासों को भी अहम माना गया। वर्ष 2017 में रामकुमार सहरावत को भाजपा किसान मोर्चा का क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद उन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र में निदेशक की जिम्मेदारी मिली। वर्ष 2023 में वह भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष भी रहे। करीब तीन दशक से भाजपा में सक्रिय सहरावत ने विभिन्न पदों पर रहते हुए संगठनात्मक कार्यों में भागीदारी की है। अब प्रदेश कार्यसमिति में उनकी नियुक्ति को पार्टी में उनके लंबे राजनीतिक अनुभव और योगदान के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। संगठन के अलग-अलग स्तरों पर काम करने का अनुभव अब उनके लिए प्रदेश कार्यसमिति में उपयोगी साबित हो सकता है।

जटमुझेड़ा में कैफे की दीवार तोड़कर चोरी, सिगरेट-रजनीगंधा के डिब्बे और 5,400 रुपये समेट ले गए चोर

भोपा निवासी कैफे संचालक ने नई मंडी कोतवाली में दी तहरीर, अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज; दीवार तोड़कर अंदर घुसे चोरों ने सामान और नकदी पर किया हाथ साफ

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के गांव जटमुझेड़ा में चोरों ने एक कैफे को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात चोर कैफे के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर घुसे और वहां रखा सामान चोरी कर ले गए। चोरों ने कैफे से सिगरेट, रजनीगंधा के डिब्बों के साथ 5,400 रुपये की नकदी भी चोरी कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद कैफे संचालक ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा निवासी राम शर्मा का गांव जटमुझेड़ा में कैफे है। कैफे संचालक के मुताबिक, 25 अक्टूबर 2026 की रात अज्ञात चोरों ने उनके कैफे को निशाना बनाया। चोरों ने कैफे के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद कैफे में रखे सामान को खंगालते हुए सिगरेट और रजनीगंधा के डिब्बे चोरी कर लिए। चोर वहां रखी 5,400 रुपये की नकदी भी अपने साथ ले गए। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर मौके से फरार हो गए।

पीछे की दीवार तोड़कर कैफे में घुसे चोर

कैफे संचालक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चोरों ने मुख्य रास्ते के बजाय पीछे की दीवार को तोड़कर कैफे में प्रवेश किया। इस तरीके से वारदात को अंजाम दिए जाने से साफ है कि चोरों ने कैफे के अंदर रखे सामान और नकदी को निशाना बनाया। चोरी के दौरान सिगरेट और रजनीगंधा के डिब्बों के साथ नकदी भी गायब मिली। घटना में कितना कुल नुकसान हुआ, इसका विस्तृत आकलन तहरीर में नहीं दिया गया है। कैफे संचालक ने पुलिस से की कार्रवाई की मांग

घटना के बाद कैफे संचालक राम शर्मा ने थाना नई मंडी में लिखित तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायत में चोरी की तारीख 25 अक्टूबर 2026 की रात बताई गई है। संचालक ने पुलिस से मामले में उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

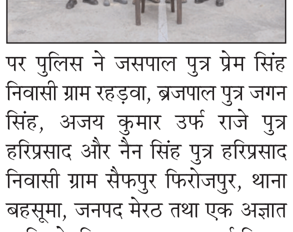
अज्ञात चोरों की पहचान करना पुलिस के सामने चुनौती

कैफे में दीवार तोड़कर चोरी किए जाने के मामले में अब पुलिस के सामने वारदात को अंजाम देने वालों की पहचान करने की चुनौती है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चोरों ने किस समय वारदात को अंजाम दिया और चोरी के बाद किस रास्ते से फरार हुए, इसकी जानकारी जांच के दौरान सामने आ सकती है। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव जटमुझेड़ा में हुई इस घटना में कैफे संचालक को सामान और नकदी का नुकसान उठाना पड़ा है। अब देखना होगा कि पुलिस जांच के दौरान चोरी की वारदात में शामिल लोगों की पहचान कर पाती है या नहीं।

गंगा तटीय जमीन पर कब्जे को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने, फायरिंग में तीन आरोपी गिरफ्तार

रामराज। थाना रामराज क्षेत्र के ग्राम खेड़ा गैर अहतमाली में गंगा तटीय कृषि भूमि पर कब्जे और खेती करने को लेकर चल रहा विवाद हिंसक हो गया। आरोप है कि दोनों पक्षों के बीच विवाद के दौरान अवैध हथियारों से एक-दूसरे पर जानलेवा हमला करने की नीयत से फायरिंग की गई, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। मामले में पुलिस ने चार नामजद आरोपियों समेत एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, विवादित कृषि भूमि ग्राम खेड़ा गैर अहतमाली में एडवोकेट विनोद कुमार के फार्म हाउस के पास स्थित है। गंगा के कटाव के कारण इस भूमि का स्थान प्रतिवर्ष बदलता रहता है। इसी जमीन पर जोतने-बोने और कब्जे को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। बुधवार को विवाद बढ़ने पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि इस दौरान दोनों ओर से अवैध हथियारों से फायरिंग की गई, जिससे आसपास के ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। उपनिरीक्षक हर्षित शर्मा ने 28 अक्टूबर को बीट सूचना की जांच की। जांच के आधार



पर पुलिस ने जसपाल पुत्र प्रेम सिंह निवासी ग्राम रहड़वा, ब्रजपाल पुत्र जगन सिंह, अजय कुमार उर्फ राजे पुत्र हरिप्रसाद और नैन सिंह पुत्र हरिप्रसाद निवासी ग्राम सैफपुर फिरोजपुर, थाना बहसूमा, जनपद मेरठ तथा एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह सिरोही ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए जसपाल, ब्रजपाल और अजय कुमार उर्फ राजे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जमीन को लेकर हुए विवाद के बाद क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

पत्नी पर तीन लाख रुपये और पांच लाख के जेवर लेकर मायके जाने का आरोप, पति ने मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की

चांदपुर निवासी मांगेराम ने नई मंडी थाने में दी तहरीर, पत्नी पर हमला कर घायल करने का आरोप; घटना के सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल वीडियो होने का किया दावा, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के गांव चांदपुर में पारिवारिक विवाद का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर तीन लाख रुपये नकद और करीब पांच लाख रुपये कीमत के जेवरात लेकर मायके जाने, मारपीट करने, गाली-गलौज करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पीड़ित पति का कहना है कि लंबे समय से चल रहे विवाद के कारण वह मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न झेल रहा है। उसने पुलिस को दी शिकायत में घटना के सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड होने और मोबाइल से बनाई गई वीडियो अपने पास होने का दावा भी किया है। मामले में 27 अक्टूबर 2026 को थाना नई मंडी में तहरीर दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वर्ष 2011 में हुई थी शादी, 14 वर्षीय बेटी भी है

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, गांव चांदपुर निवासी मांगेराम पुत्र गोपाल सिंह की शादी 6 मई 2011 को पिंकी पुत्री राजबल निवासी शाहडब्बर, थाना शाहपुर, जिला मुजफ्फरनगर के साथ हुई थी। दंपती की एक बेटी अगम है, जिसकी उम्र करीब 14 वर्ष बताई गई है। मांगेराम का आरोप है कि शादी के कुछ वर्षों बाद से ही पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद होने लगा था। उसका दावा है कि विवाद के दौरान कई बार पुलिस को बुलाया गया और शिकायतें भी की गईं। उसने तहरीर में यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में की गई कुछ शिकायतों की जांच में आरोप गलत पाए गए थे।

तीन लाख रुपये नकद और पांच लाख के जेवर ले जाने का आरोप

मांगेराम ने शिकायत में आरोप लगाया कि 6 अक्टूबर 2026 को उसकी पत्नी घर में रखे तीन लाख रुपये नकद और करीब पांच लाख रुपये कीमत के जेवरात लेकर अपने मायके चली गई। उसके अनुसार, नकदी और जेवरात घर में रखे हुए थे। इसके बाद 11 अक्टूबर को उसकी पत्नी अपने पिता के साथ घर पहुंची और पुलिस को बुलाया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले गई, जहां समझौता कराने के बाद उन्हें वापस भेज दिया गया। 12 अक्टूबर को मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

शिकायतकर्ता के मुताबिक, कथित समझौते के अगले दिन यानी 12 अक्टूबर 2026 को उसकी पत्नी ने उसके साथ मारपीट की। उसने आरोप लगाया कि इस दौरान गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई। मांगेराम का कहना है कि विवाद के दौरान उसके पिता गोपाल सिंह ने बीच-बचाव कर उसे बचाया। उसने दावा किया कि घटना में उसे चोटें आईं और मौके पर मौजूद लोगों के सामने विवाद हुआ। मांगेराम ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि घटना के समय स्थानीय लोग भी मौजूद थे। उसके अनुसार, घटना से संबंधित दृश्य आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुए हैं और उसने मोबाइल से बनाई गई वीडियो भी अपने पास होने की बात कही है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

समक्ष: श्रीमान निदेशक मुद्रण एवं लेखन सामग्री प्रयागराज

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स श्रवण कोल्ड स्टोरेज एण्ड जनरल मिल्स पता-रामबाग, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर तहसील सदर मुजफ्फरनगर उ.प्र.-251001 जिसका पंजीकरण सं0-31101 दिनांक 04.08.2005 है, उक्त फर्म में गोविन्द स्वरूप, आशा कुमारी स्वरूप, श्रीमती बीना कुमारी जलान व श्रीमती नन्दिता सिंघल पार्टनर थे, जिसमें दिनांक 01.01.2012 में श्रीमती बीना कुमारी स्वरूप व श्रीमती नन्दिता सिंघल ने स्वेच्छा से अपनी साझेदारी समाप्त की है तथा दिनांक 07.01.2023 में श्रीमती बीना कुमारी जलान की मृत्यु हो चुकी है तथा दिनांक 01.01.2012 में सिद्धार्थ कुमार स्वरूप व आनंद विक्रम स्वरूप व दिनांक 08.01.2013 में अनिरुद्ध जलान फर्म में सम्मिलित हुए है, अब फर्म में 1. गोविन्द स्वरूप, 2. सिद्धार्थ कुमार स्वरूप, 3. अनंत विक्रम स्वरूप व 4. अनिरुद्ध जलान साझीदार है, फर्म में कोई विवाद नहीं है।

पार्टनर

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर

पत्रांकः- 2925 / सा0प्र0 / 2026-27 दिनांकः- 28 / 10 / 2026

अति अल्पकालीन (ऑफलाइन) निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के मार्ग प्रकाश विभाग द्वारा नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में नई एल०ई०डी० स्ट्रीट लाईट स्थापित किये जाने हेतु आर्म-कलैम्प क्रय किये जाने का कार्य कराये जाने हेतु निविदाएं दिनांक- 05-11-2026 की अपराह्न 03:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। इस कार्य को अनुभवी ठेकेदार / फर्म निविदा के साथ ब्यायानुमान की 10 प्रतिशत धरोहर धनराशि एफ०डी०आर० / एन०एस०सी० आदि के रूप में जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के नाम बन्धक होगी, जमा कराया जाना आवश्यक है। निविदा प्रपत्र एक दिन पूर्व प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक निर्धारित मूल्य के साथ जमा कर कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के मार्ग प्रकाश विभाग से क्रय किये जा सकते हैं। अन्य विवरण एवं शर्तें किसी भी कार्य दिवस में नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के मार्ग प्रकाश विभाग से ज्ञात की जा सकती है। प्राप्त निविदाओं को दिनांक- 05-11-2026 की सांय 04:00 बजे अधिशासी अधिकारी महोदय के समक्ष खोला जायेगा तथा निविदा खोले जाने वाली दिनांक को सार्वजनिक अवकाश एवं विषम स्थिति उत्पन्न होने की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में सांय 04:00 बजे खोली जायेगी। किसी भी अथवा सभी निविदाओं को बिना कारण बताये स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार मा० अध्यक्ष महोदया में निहित है।

क्र० सं०	कार्य का नाम	ब्यायानुमान जी-०एस०टी० अतिरिक्त	10 प्रतिशत धरोहर राशि	निविदा मूल्य जी-०एस०टी० सहित
1	नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में नई एल०ई०डी० स्ट्रीट लाईट स्थापित किये जाने हेतु 900 नग आर्म-कलैम्प क्रय किये जाने का कार्य	3,51,000/-रू०	35,100/-रू०	295/-रू०

मार्ग प्रकाश प्रभारी **अधिशासी अधिकारी** **अध्यक्ष**



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
गुरूवार 29 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



मुजफ्फरनगर में शिव चौक पर जूते खरीदने को लेकर बवाल: दो पक्षों में मारपीट के बाद पथराव से मचा हडकंप

पुलिस ने दोनों पक्षों के 11 लोगों पर की कार्रवाई, सीसीटीवी फुटेज से विवाद की जांच में जुटी पुलिस

मुजफ्फरनगर। शहर के सबसे व्यस्ततम और हृदय स्थल कहे जाने वाले शिव चौक पर बुधवार को सुबहे उस समय अचानक अफरा-तफरी मच गई, जब जूते खरीदने को लेकर ग्राहक और एक प्रसिद्ध दुकानदार के बीच मामूली कहासुनी ने उग्र रूप ले लिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में लाठी-डंडे और लात-घूंसे चलने लगे। आरोप है कि इस दौरान जमकर पथराव भी हुआ, जिससे आसपास के व्यापारियों और राहगीरों में हड़कंप मच गया और लोग जान बचाकर भागने लगे।

मामूली कहासुनी से भड़की हिंसा की आग

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार की सुबह एक ग्राहक शिव चौक स्थित हाजी शेर की दुकान पर जूते खरीदने गया था। किसी बात को लेकर ग्राहक और दुकान पर मौजूद हाजी शेर के बेटों के बीच कहासुनी हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि बात बढ़ने पर दुकानदार पक्ष के युवकों ने आपा खो दिया और ग्राहक के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। ग्राहक के पक्ष में भी कुछ लोग आ गए, जिसके बाद पूरा शिव चौक अखाड़े में तब्दील हो गया। दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद में एक पक्ष कस्सावान क्षेत्र का रहने वाला है, जबकि दूसरा पक्ष बंजारान मोहल्ले का निवासी है। **पथराव से मची भगदड़, ठप हुआ आवागमन**

मारपीट के दौरान अचानक पथराव शुरू होने से सड़क पर दोनों तरफ वाहनों के पहिए थम गए। चौक पर मौजूद लोग अपनी दुकानें धड़ाधड़ बंद करने लगे। राहगीरों और वाहन चालकों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय व्यापारिक वर्ग और आम जनता में सुरक्षा को लेकर



गहरी चिंता फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची नगर कोतवाली पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया, पूछताछ के हिरासत में लेकर थाने ले गई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई, दोनों पक्षों के 11 हिरासत में

घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उपद्रव कर रहे लोगों को खदेड़ा और शांति व्यवस्था कायम की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के कुल 11 लोगों को हिरासत में ले लिया है, जिनमें एक पक्ष के दानिश, अमजद, फिरोज, नसीम, अमन, सावेज, अजीम और दूसरे पक्ष के लक्ष्य, नवीन, अभिनव और विशांत शामिल हैं। फिलहाल शिव चौक पर एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

सीसीटीवी फुटेज से घटना की जांच

घटना के बाद पुलिस की ओर से आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की बात कही गई है, ताकि विवाद की शुरूआत और मारपीट में शामिल लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सके। शिव चौक जैसे व्यस्त इलाके में हुई इस घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा भी हुई। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पुलिस ने दोनों पक्षों के 11 लोगों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की है। घटना में पथराव, लाठी-डंडों के इस्तेमाल और यातायात बाधित होने संबंधी दावों की पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

खतौली के अक्षय हत्याकांड का खुलासा: पुलिस ने किये छह आरोपी गिरफ्तार

दो साल पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए बनाई थी हत्या की योजना

खतौली (मुजफ्फरनगर)। थाना खतौली पुलिस ने अक्षय हत्याकांड का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे करीब दो साल पुरानी रंजिश सामने आई है। मुख्य आरोपी वासु ने पूछताछ में बताया कि अक्षय उसकी बहन को भगाकर ले गया था, जिससे उनके परिवार और समाज में बदनामी हुई थी। इसी रंजिश के चलते उसने अपने साथियों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से हत्या की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, 26 अक्टूबर को बिहारीपुर निवासी राहुल ने थाना खतौली में तहरीर देकर बताया था कि उसके भाई अक्षय पर चुन्ना भट्ठी के पास भूड़ क्षेत्र में अज्ञात व्यक्तियों ने लाठी-डंडों और बोतल आदि से हमला कर दिया। हमले में अक्षय गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू



की थी। पुलिस टीम ने छह आरोपियों को दबोचा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी खतौली के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने साक्ष्य संकलन और अन्य जांच के आधार पर छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वासु पुत्र कंवरपाल निवासी सराय रसूलपुर थाना मंसूरपुर, अमरदीप पुत्र तिलकराम निवासी गालिबपुर, अंकुश पुत्र राजेंद्र और आकाश पुत्र रोबिन निवासी बिहारीपुर, विकास पुत्र नरेंद्र निवासी गालिबपुर तथा कंवरपाल पुत्र अतर सिंह निवासी सराय रसूलपुर के रूप में हुई है। पूछताछ में पुरानी रंजिश की बात आई सामने पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में मुख्य आरोपी वासु ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले अक्षय उसकी बहन को अपने साथ ले गया था। इस घटना से परिवार की बदनामी होने की बात कहते हुए उसने अपने पिता की बेइज्जती का बदला लेने के लिए साथियों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाने की बात स्वीकार की।

मुजफ्फरनगर शहर के लोगों को जलभराव से मिलेगी राहत: 17 करोड़ से बनेंगे 3 बड़े नाले, जानसठ रोड पर नाले के ऊपर बनेगी सड़क

रामपुर तिराहा से सहावली तक जल निकासी की योजना को शासन की मंजूरी, कुकड़ा के नाले से जोड़ा जाएगा जल निकासी मार्ग

मुजफ्फरनगर। शहर के अलग-अलग इलाकों में बरसात के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या दूर करने के लिए विकास कार्यों की योजना तैयार की गई है। मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (एमडीए) की ओर से तीन प्रमुख नालों के निर्माण और जल निकासी व्यवस्था में सुधार के लिए करीब 16.40 करोड़ रुपये की कार्ययोजना बनाई गई है। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग ने इसके लिए बजट स्वीकृत कर दिया है। योजना के तहत रामपुर तिराहा से सुभाष चौक, जीसी पब्लिक स्कूल से गांधी नगर पुलिया और जानसठ रोड से सहावली की ओर जाने वाले मार्ग पर नालों का निर्माण कराया जाएगा। शहर में रामपुर तिराहा से सुभाष चौक के बीच जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बरसात के दिनों में पानी जमा होने की समस्या सामने आती रही है। जलभराव के चलते स्थानीय निवासियों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। करीब दो माह



पहले सुभाष नगर क्षेत्र के लोगों ने जल निकासी की समस्या को लेकर नाराजगी जताते हुए हंगामा भी किया था। अब इस क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था सुधारने के लिए नाले का निर्माण और संबंधित हिस्से का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इसके लिए शासन ने 2.10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। जीसी पब्लिक स्कूल से गांधी नगर पुलिया तक बनेगा नाला दूसरी परियोजना के अंतर्गत जीसी पब्लिक स्कूल से गांधी नगर पुलिया तक नाले का निर्माण कराया जाएगा। इस कार्य के लिए 4.10 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है। परियोजना का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र में जल निकासी को व्यवस्थित करना और बरसात के दौरान पानी जमा होने की समस्या को कम करना है। जानसठ रोड से सहावली तक बनेगा कवर्ड नाला, ऊपर से निकलेगी सड़क तीसरी और सबसे बड़ी परियोजना जानसठ रोड से सहावली की ओर जाने वाले मार्ग पर प्रस्तावित है। इस परियोजना के लिए 10.20 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। योजना के तहत करीब 500 मीटर लंबे हिस्से में कवर्ड नाला तैयार किया जाएगा। इसके आगे लगभग एक किलोमीटर लंबा नाला बनाकर उसे कुकड़ा के नाले से जोड़ा जाएगा। कवर्ड नाले के ऊपर सड़क का निर्माण भी कराया जाएगा, जिससे जल निकासी के साथ आवागमन की सुविधा विकसित हो सके। एमडीए सचिव कुंवर बहादुर सिंह के अनुसार, राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने शहर के तीन अलग-अलग क्षेत्रों में जल निकासी की समस्या को देखते हुए इनके समाधान के निर्देश दिए थे। इसके बाद एमडीए ने आवश्यक कार्ययोजना तैयार कर स्वीकृति के लिए शासन को भेजी थी। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से बजट की मंजूरी मिलने के बाद अब इन विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर संबंधित क्षेत्रों में बरसाती पानी की निकासी बेहतर होने की उम्मीद है। खासकर जलभराव से प्रभावित सुभाष नगर और जानसठ रोड-सहावली मार्ग के आसपास रहने वाले लोगों को राहत मिल सकती है।

हालांकि, समस्या का स्थायी समाधान निर्माण की गुणवत्ता, नालों की पर्याप्त क्षमता, नियमित सफाई और पानी की निकासी के अंतिम बिंदु तक उचित व्यवस्था पर निर्भर करेगा।

शहर के लिए कुल बजट करीब 17 करोड़ रुपये बताया गया है, जबकि तीनों परियोजनाओं की दी गई धनराशि का जोड़ 16.40 करोड़ रुपये है। परियोजना-वार आंकड़ों के आधार पर 16.40 करोड़ रुपये का उल्लेख किया गया है। इसमें रामपुर तिराहा से सुभाष चौक तक 2.10 करोड़, जीसी पब्लिक स्कूल से गांधी नगर पुलिया पर 4.10 करोड़ तथा जानसठ रोड से सहावली और कुकड़ा नाले से जोड़ने की योजना पर 10.20 करोड़ मिलाकर कुल 16.40 करोड़ की लागत खर्च की जाएगी।

भोपा क्षेत्र के दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मौत: इलाज के दौरान तोडा दम, परिवार में छाया शोक

शुकतीर्थ में हुआ अंतिम संस्कार, बाइक की टक्कर से हुए थे घायल

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के गांव अथाई में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। बुधवार को मृतक का अंतिम संस्कार शुकतीर्थ स्थित श्मशान घाट पर किया गया, जिसके बाद से ही पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के गांव अथाई निवासी 60 वर्षीय ऋषिपाल बीते सोमवार को साइकिल पर सवार होकर किसी काम से भोपा सामान लेने जा रहे थे। जब वे गांव से बाहर शिव मंदिर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक बाइक सवार ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में ऋषिपाल गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। इलाज के



दौरान तोड़ा दम घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों और स्वजनों की मदद से घायल ऋषिपाल को उपचार के लिए मुजफ्फरनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा था। हालांकि, चिकित्सकों के अथक प्रयासों के बावजूद बुधवार को इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। ऋषिपाल की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, जिसके बाद शुकतीर्थ श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। ऋषिपाल के परिवार में उनका भाई और भतीजे आदि हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है तथा तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शेरपुर में 9 बीघा 12 बिस्से जोहड़ पर कब्जे का आरोप, 50-60 मकानों पर लटकी कार्यवाही की तलवार

ग्राम प्रधान समेत पांच लोगों पर सरकारी धन के गबन और करोड़ों रुपये लेकर अवैध निर्माण कराने का लगाया आरोप।

मुजफ्फरनगर। गांवों में जलस्त्रोतों को बचाने और सरकारी धन के सदुपयोग के दावों के बीच शहर से सटे ग्राम शेरपुर में करीब 9 बीघा 12 बिस्से के जोहड़ को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। तालाब (जोहड़) की जमीन पर 50 से 60 पक्के मकान बनवाए जाने, लोगों से कथित तौर पर 10 करोड़ रुपये से अधिक की रकम वसूलने और तालाब की सफाई व चारदीवारी के लिए आए सरकारी धन के गबन का आरोप लगाया गया है। मामले में ग्राम प्रधान शुऐब पुत्र गनी नम्बरदार समेत पांच लोगों के खिलाफ जांच कराकर मुकदमा दर्ज कराने और कथित अवैध कब्जे हटवाने की मांग की गई है। बुधवार को शेरपुर निवासी हमीदुल्ला पुत्र याहिया ने मीडिया सेंटर पर पत्रकारों से वार्ता कर ग्राम प्रधान शुऐब पुत्र गनी नम्बरदार सहित पांच लोगों पर सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने और अपनी जेब गरम कर करोड़ो के गबन का आरोप लगाया है। हमीदुल्ला ने आरोप लगाया है कि ग्राम शेरपुर, परगना व तहसील सदर स्थित



खसरा संख्या 664 राजस्व अभिलेखों और शजरे में जोहड़ के रूप में दर्ज है। हमीदुल्ला ने जलस्रोत चकबंदी से पहले से मौजूद होने का दावा किया है । आरोप है कि जोहड़ के निकट हमीदुल्ला के खेत भी स्थित हैं। आरोप है कि इस जमीन पर कथित कब्जे से ग्राम समाज की संपत्ति तथा सार्वजनिक जलस्रोत के अस्तित्व पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि वर्ष 2021 से 2026 के बीच जोहड़ की सफाई और चारों ओर पक्की बाउंड्री बनवाने के लिए ग्राम समाज के खाते में सरकारी धन आया था। आरोप है कि ग्राम प्रधान शुऐब ने वाकिब, सद्दाम, शावेज और साकिब के साथ मिलकर इस धन का कथित गबन किया है। हमीदुल्ला का दावा है कि न तो अपेक्षित सफाई कराई गई और न ही बाउंड्री का निर्माण हुआ, जबकि भुगतान के लिए कथित रूप से फर्जी बिल तैयार कर जमा किए गए। आरोप लगाया गया है कि (तालाब) जोहड़ की जमीन पर लोगों से कथित तौर पर रकम लेकर 50 से 60 पक्के मकान बनवा दिए गए। हमीदुल्ला ने इस सिलसिले में 10 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली का दावा किया है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों के समर्थन में रकम के लेन-देन और प्रत्येक निर्माण से संबंधित विस्तृत साक्ष्य सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। हमीदुल्लाह और ग्रामीणों ने एसडीएम सदर, तहसीलदार सदर तथा अन्य अधिकारियों को पहले भी शिकायतें करने के बावजूद कार्रवाई न होने का आरोप लगाया है। हमीदुल्ला ने दावा किया है कि मामले को उठाने पर परिवार सहित जिंदा दफन कराने की धमकी दी जा रही है। हमीदुल्ला ने दावा किया है कि गत 21 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्य विकास अधिकारी, मुजफ्फरनगर को प्रतिलिपि भेजी गई थी। हमीदुल्लाह ने पूरे मामले की वीडियोग्राफी के साथ निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई, सरकारी धन के कथित गबन की जांच तथा जोहड़ से कब्जे हटाकर उसे मूल स्वरूप में बहाल कराने की मांग की है। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से हमीदुल्ला एवं अहसान उलहक मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में एमडीए की बड़ी कार्रवाई: पांच अस्पतालों समेत छह निर्माण सील, नोटिस के बाद भी नहीं दिए शमन मानचित्र

रुड़की रोड, इंदिरा कॉलोनी और घास मंडी में चला सीलिंग अभियान; चरक, जेयु, अपोलो, अमृत और इंडियन हॉस्पिटल पर कार्रवाई, स्वीकृति मिलने के बाद ही खुलेंगी सील

मुजफ्फरनगर। शहर में बिना स्वीकृत निमार्णों को लेकर मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (एमडीए) ने सख्त रुख अपनाते हुए पांच अस्पतालों समेत छह निमार्णों को सील कर दिया। प्राधिकरण की टीम ने रुड़की रोड, इंदिरा कॉलोनी और घास मंडी क्षेत्र में अभियान चलाकर यह कार्रवाई की। सील किए गए अस्पतालों में चरक हॉस्पिटल, जेयु हॉस्पिटल, अपोलो हॉस्पिटल, अमृत हॉस्पिटल और इंडियन हॉस्पिटल शामिल हैं। इनके अलावा घास मंडी में चंद्रा टॉकीज के पास स्थित एक अन्य निर्माण को भी सील किया गया। एमडीए के अनुसार, संबंधित भवनों के निर्माण से जुड़े मामलों में पहले ही कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। संचालकों को अपना पक्ष रखने और निर्माण को नियमानुसार नियमित कराने के लिए शमन मानचित्र प्रस्तुत करने का अवसर



भी दिया गया था। इसके बावजूद प्राधिकरण कार्यालय में शमन मानचित्र प्रस्तुत नहीं किए गए। इसके बाद सीलिंग के आदेश जारी किए गए और 28 अक्टूबर को टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। एमडीए की टीम ने रुड़की रोड और इंदिरा कॉलोनी में स्थित अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की। रुड़की रोड पर चरक हॉस्पिटल, जेयु हॉस्पिटल और अपोलो हॉस्पिटल को सील किया गया। वहीं, इंदिरा कॉलोनी में अमृत हॉस्पिटल और इंडियन हॉस्पिटल पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। इसके साथ ही घास मंडी क्षेत्र में चंद्रा टॉकीज के पास स्थित एक अन्य निर्माण को भी सील कर दिया गया। एक ही अभियान में पांच अस्पतालों सहित छह निमार्णों पर कार्रवाई किए जाने से शहर में भवन निर्माण के मानचित्रों और उनकी स्वीकृति का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है। प्राधिकरण की कार्रवाई का आधार संबंधित निमार्णों के मामलों में शमन मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया जाना बताया गया है। प्राधिकरण के मुताबिक, सीलिंग की कार्रवाई अचानक नहीं की गई। संबंधित निमार्णों के मामलों में नियमानुसार कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और सुनवाई का अवसर दिया गया था। संचालकों से निर्माण के संबंध में शमन मानचित्र प्रस्तुत करने की अपेक्षा की गई थी, लेकिन निर्धारित प्रक्रिया के दौरान मानचित्र प्रस्तुत नहीं किए गए। एमडीए का कहना है कि इसके बाद संबंधित मामलों में सीलिंग के आदेश जारी किए गए। 28 अक्टूबर को इन्हीं आदेशों के अनुपालन में टीम ने मौके पर पहुंचकर निमार्णों को सील किया। प्राधिकरण की कार्रवाई का मुख्य आधार निमार्णों के संबंध में शमन मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया जाना रहा। एमडीए की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, चरक हॉस्पिटल के मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया नवंबर 2025 से चल रही थी।

पुलिसकर्मी की कार का कहर!-डिवाइडर पार कर कई वाहनों को मारी टक्कर, भोपा रोड पर हंगामा

रेहड़ा, ई-रिक्शा, रोडवेज बस और बाइक आई चपेट में, चालक पर नशे में गाड़ी चलाने का आरोप

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के भोपा रोड स्थित एसडी डिग्री कॉलेज के बाहर एक पुलिसकर्मी की कार से कई वाहनों को टक्कर लगने के बाद हंगामा खड़ा हो गया। रात करीब 10रू30 बजे तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर सड़क की दूसरी ओर पहुंच गई और रास्ते में आए रेहड़ा, ई-रिक्शा, रोडवेज बस तथा बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में कई लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गुस्साए लोगों ने कार चालक को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। स्थानीय लोगों ने चालक पर शराब के नशे में कार चलाने का आरोप भी लगाया। हादसे से नाराज बंजारा समाज के लोगों ने भोपा रोड पर रेहड़ा खड़ा कर जाम लगा दिया। सूचना पर पहुंची नई मंडी कोतवाली पुलिस चालक को डायल-112 के वाहन में बैठाकर थाने ले गई। भोपा रोड पर एसडी डिग्री कॉलेज के बाहर रात के समय तेज



रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार की गति काफी अधिक थी और चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। इसके चलते कार डिवाइडर पार करके सड़क की दूसरी ओर पहुंच गई। इस दौरान सड़क पर चल रहे कई वाहन उसकी चपेट में आ गए। कार की टक्कर से रेहड़ा और ई-रिक्शा के साथ रोडवेज बस तथा बाइक भी प्रभावित हुए। एक के बाद एक वाहनों के टकराने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़े और घायलों की मदद करने का प्रयास किया। हादसे में कई लोगों के घायल होने की सूचना सामने आई, हालांकि घायलों की सही संख्या और उनकी स्थिति की विस्तृत जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी। हादसे में शामिल कार चालक के पुलिस विभाग में तैनात होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने चालक पर शराब के नशे में वाहन चलाने का आरोप लगाया। कार की टक्कर से कई वाहनों के प्रभावित होने के बाद मौके पर मौजूद लोगों में नाराजगी बढ़ गई और उन्होंने चालक को पकड़ लिया। गुस्साए लोगों ने चालक की पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को अपने कब्जे में लेकर डायल-112 के वाहन से थाने ले गई। चालक की तैनाती, हादसे के समय उसकी स्थिति और दुर्घटना के कारणों के संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है। कार की टक्कर से कई वाहनों के प्रभावित होने के बाद बंजारा समाज के लोगों ने भोपा रोड पर रेहड़ा खड़ा कर जाम लगा दिया। इससे सड़क पर यातायात बाधित हो गया और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा होने के कारण स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। जाम की सूचना मिलने पर नई मंडी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने नाराज लोगों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस चालक को अपने साथ थाने ले गई।

दहेज उत्पीड़न और विवाहिता की मौत के मामले में पति गिरफ्तार

मंसूरपुर पुलिस ने मिल तिराहे से आरोपी को दबोचा, विवाहिता के भाई की तहरीर पर दर्ज हुआ था मुकदमा

मुजफ्फरनगर। थाना मंसूरपुर क्षेत्र के गांव नोना में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बुधवार को आरोपी को मिल तिराहे से गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई में जुटी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 19 अक्टूबर को गांव हुसैनपुर बोपाड़ा निवासी अमरीश पुत्र राजकुमार ने थाने में तहरीर देकर अपनी बहन दीपा (28) के ससुराल पक्ष पर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था।



तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति दिनेश, सास मूर्ति, ससुर रतन समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि 19 अक्टूबर को दीपा को जहरीला पदार्थ देकर उसकी हत्या कर दी गई। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दीपा की सास मूर्ति और ससुर रतन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं, उसका पति दिनेश अस्पताल में भर्ती होने के कारण उस समय गिरफ्तार नहीं हो सका था।

बुधवार को पुलिस ने मामले में वांछित आरोपी पति दिनेश पुत्र रतन सिंह निवासी गांव नोना को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश करने की तैयारी के साथ आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

यह रही पुलिस टीम

आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी विपिन कुमार त्यागी, उपनिरीक्षक शिखर चौधरी और कांस्टेबल शैलेन्द्र सिंह शामिल रहे।

संपादकीय

लूला की जीत, ट्रंप को झटका

दक्षिण अमेरिका के सबसे बड़े देश ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा की राष्ट्रपति चुनाव में शानदार जीत ने देश में दक्षिणपंथी ताकतों और राष्ट्रपति ट्रंप को भी तगड़ा झटका दिया। इसे विश्व में वामपंथी विचारधारा की फिर से वापसी के रूप में देखा जा रहा है। इस जीत के साथ वर्कर्स पार्टी के 80 वर्षीय लीडर लूला को चौथी बार राष्ट्रपति बनने का मौक़ा मिला है। उन्होंने चुनाव में कट्टर दक्षिणपंथी प्रतिद्वंद्वी और लिबरल पार्टी के नेता फ्लावियो बोल्सोनारो को मामूली अंतर से हराया। चुनाव के दूसरे दौर में लूला को 51.76 फीसदी वोट मिले, जबकि जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो को 48.24 फीसदी वोट मिले। अहम बात यह है कि लूला की जीत कई चुनावी सर्वे के अनुमानों के उलट रही। इन सर्वे में बोल्सोनारो को मामूली बढ़त दी गई थी। माना जा रहा था कि कभी ट्रंप के बहुत करीबी रहे बोल्सानारों के बेटे 45 वर्षीय सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो जीत सकते हैं, क्योंकि उन्होंने मतदान के पहले दौर में लगभग दो प्रतिशत अंकों की बढ़त हासिल की थी। हालांकि हार के बाद पूर्व राष्ट्रपति जाएर बोल्सोनारो के बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो ने नतीजों को मानने से मना कर दिया है। लेकिन इससे हकीकत में कोई फर्क नहीं पड़ता। नतीजों पर अपनी प्रतिक्रिया में फ्लावियो बोल्सोनारो ने परिणामों को 'असंभव' बताते हुए 'समझ से परे' बताया है। उन्होंने लूला की जीत को स्वीकार करने से इनकार किया और चुनाव नतीजे रद्द करने की मांग की। गौरतलब है कि फ्लक'वियो के पिता जाएर बोल्सोनारो ने भी 2022 में चुनाव में अपनी हार स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। उल्लेखनीय है कि वामपंथी नेता लूला इससे पहले 2003 से 2010 तक राष्ट्रपति रह चुके हैं। लूला की जीत को लेकर अंतिम समय तक संशय इसलिए भी बना रहा क्योंकि मतदान के दौरान सुप्रीम कोर्ट के एक जज ने मतदान केंद्रों के बंद होने का निर्धारित समय क़रीब आने पर मतदान की अवधि दो घंटे बढ़ाने का आदेश दिया था। यह आदेश लूला के गठबंधन की उन शिकायतों के बाद आया, जिनमें कई राज्यों में सार्वजनिक परिवहन से जुड़ी समस्याओं का ज़िक्र किया गया था। ब्राज़ील के कई नागरिक मतदान केंद्रों तक पहुँचने के लिए सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं। यहां उल्लेखनीय है कि पूर्व मेटल वर्कर लूला 1989 में पहली बार राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के बाद से ब्राज़ील में वामपंथ के सबसे प्रमुख नेता रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें अब अपने राजनीतिक जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका नया कार्यकाल पाँच जनवरी 2027 से शुरू होगा। अब लूला के सामने देश की आंतरिक और बाहरी कई चुनौतियां होंगी। इनमें राष्ट्रपति ट्रंप की नाराजगी भी शामिल है। क्योंकि लूला ने ट्रंप की आक्रामक विदेश नीति का हमेशा विरोध किया। हालांकि ट्रंप ने लूला के प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो का सीधे तौर पर समर्थन नहीं किया था। फिर भी लूला से नाराजी के चलते अमेरिका ने ब्राजील पर कई व्यापार शुल्क और अन्य प्रतिबंध लगाए हैं।

इस्लामिक नाटो की चुनौती : भारत के लिए कितना नुकसान, कितनी संभावना?

सौरभ वार्ष्णेय

दूसरा अवसर कूटनीति का है। भारत के सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अन्य खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा, व्यापार, निवेश तथा भारतीय प्रवासियों से जुड़े गहरे संबंध हैं। इन देशों के साथ भारत की साझेदारी केवल धार्मिक या राजनीतिक समीकरणों पर आधारित नहीं, बल्कि पारस्परिक आर्थिक हितों पर टिकी है। इसलिए भारत के लिए जरूरी होगा कि वह पाकिस्तान के साथ उनके संबंधों को अपने द्विपक्षीय रिश्तों पर हावी न होने दे। तीसरा लाभ भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करने में छिपा है। भारत अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान और पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने हितों के अनुसार संबंध रखता है।



दुनिया की बदलती भू राजनीतिक परिस्थितियों में नए सामरिक गठबंधनों का उभरना किसी एक देश की सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव क्षेत्रीय स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक संबंधों पर भी पड़ता है। हाल ही में सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच रक्षा सहयोग तथा मुस्लिम देशों के बीच सामरिक समन्वय को लेकर हुई गतिविधियों ने भारत की विदेश नीति के सामने नए सवाल खड़े किए हैं। इन देशों के बीच उभरते रक्षा सहयोग को कुछ विश्लेषक इस्लामिक नाटो' की संज्ञा दे रहे हैं। हालांकि, इसे नाटो जैसा औपचारिक, एकीकृत सैन्य गठबंधन मानना अभी जल्दबाजी होगी। भारत के लिए असली प्रश्न यह है कि इस बदलते समीकरण से उसकी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?

नाटो एक औपचारिक सैन्य गठबंधन है, जिसकी सदस्यता, संस्थागत व्यवस्था और सामूहिक रक्षा संबंधी स्पष्ट प्रतिबद्धताएं हैं। इसके विपरीत, मुस्लिम बहुल देशों के बीच रक्षा समझौतों और सहयोग की पहल को उसी स्तर का गठबंधन मानने से पहले उसकी शर्तों, सैन्य प्रतिबद्धताओं और वास्तविक कार्यप्रणाली को समझना आवश्यक है। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के हित कई मुद्दों पर समान हो सकते हैं, लेकिन उनकी प्राथमिकताएं हर विषय पर एक जैसी नहीं हैं।

सऊदी अरब की प्राथमिकता अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और आर्थिक विकास की रक्षा करना है। पाकिस्तान अपनी सैन्य और कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करना चाहता है, जबकि तुर्किये क्षेत्रीय राजनीति में अपनी भूमिका बढ़ाने का इच्छुक है। इन देशों का आपसी सहयोग भविष्य में कितना व्यापक होगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे साझा हितों को ठोस सुरक्षा व्यवस्था में कितना बदल पाते हैं।

भारत के लिए पहली चिंता पाकिस्तान की भूमिका है। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध लंबे समय से आतंकवाद, सीमा पार घुसपैठ और सुरक्षा संबंधी विवादों से प्रभावित रहे हैं। यदि किसी नए रक्षा सहयोग के माध्यम से पाकिस्तान को अतिरिक्त सैन्य संसाधन, तकनीकी सहायता, खुफिया सहयोग या कूटनीतिक समर्थन मिलता है, तो इससे भारत की सुरक्षा संबंधी चुनौतियां बढ़ सकती हैं। हालांकि, केवल रक्षा समझौते के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि सहयोगी देश पाकिस्तान के प्रत्येक कदम का समर्थन करेंगे।

दूसरी चिंता कश्मीर और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के विरुद्ध संभावित कूटनीतिक लामबंदी की है। यदि कुछ देश पाकिस्तान के पक्ष में साझा रुख अपनाते हैं, तो भारत को अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए अधिक कूटनीतिक प्रयास करने पड़ सकते हैं। लेकिन मुस्लिम देशों को एक ही राजनीतिक दृष्टिकोण वाला समूह मानना भी गलत होगा। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के भारत के साथ व्यापार, निवेश और ऊर्जा संबंध हैं, जिनका महत्व उनके पाकिस्तान के साथ संबंधों से अलग है। तीसरा पहलू रक्षा और सामरिक संतुलन का है। यदि भविष्य में इन देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास, उन्नत हथियारों की आपूर्ति या खुफिया सूचनाओं का व्यापक आदान-प्रदान बढ़ता है, तो भारत को पश्चिमी एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी रणनीति की समीक्षा करनी पड़ सकती है। भारत को अपनी समुद्री निगरानी, रक्षा उत्पादन, साइबर सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को लगातार मजबूत करना होगा। चौथी चिंता ऊर्जा सुरक्षा की है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया के देशों से महत्वपूर्ण मात्रा में तेल और गैस प्राप्त करता है। यदि क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़कर संघर्ष में बदलती है, तो तेल की कीमतों, समुद्री परिवहन और बीमा लागत पर दबाव पड़ सकता है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम उपभोक्ता की जेब पर पड़ सकता है।

इस बदलते समीकरण का दूसरा पक्ष भी है। सबसे पहला लाभ यह हो सकता है कि भारत अपनी रक्षा तैयारियों और रणनीतिक आत्मनिर्भरता को और गति दे। किसी भी संभावित चुनौती के मद्देनजर स्वदेशी हथियार निर्माण, आधुनिक निगरानी प्रणालियों, मिसाइल रक्षा और समुद्री सुरक्षा में निवेश बढ़ाना दीर्घकालीन राष्ट्रीय हित में होगा। इससे भारत केवल किसी एक गठबंधन की प्रतिक्रिया में नहीं, बल्कि अपनी व्यापक सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप मजबूत बन सकेगा।

दूसरा अवसर कूटनीति का है। भारत के सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अन्य खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा, व्यापार, निवेश तथा भारतीय प्रवासियों से जुड़े गहरे संबंध हैं। इन देशों के साथ भारत की साझेदारी केवल धार्मिक या राजनीतिक समीकरणों पर आधारित नहीं, बल्कि पारस्परिक आर्थिक हितों पर टिकी है। इसलिए भारत के लिए जरूरी होगा कि वह पाकिस्तान के साथ उनके संबंधों को अपने द्विपक्षीय रिश्तों पर हावी न होने दे।तीसरा लाभ भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करने में छिपा है।

भारत अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान और पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने हितों के अनुसार संबंध रखता है। किसी नए क्षेत्रीय गठबंधन के उभरने पर भारत अपनी बहुपक्षीय कूटनीति को और प्रभावी बना सकता है। साथ ही, आतंकवाद विरोधी सहयोग, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के मुद्दों पर साझेदार देशों के साथ संवाद बढ़ा सकता है।

चौथा अवसर यह है कि भारत को पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका स्पष्ट करने का मौका मिल सकता है। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, तकनीक, ऊर्जा साझेदारी और क्षेत्रीय शांति के क्षेत्र में भरोसेमंद भागीदार बना रहता है, तो किसी भी नए सामरिक समीकरण के बावजूद उसकी उपयोगिता बनी रह सकती है। भारत को इस संभावित गठबंधन को लेकर न तो अनावश्यक भय पैदा करना चाहिए और न ही इसके प्रभाव को कम करके आंकना चाहिए। विदेश नीति का संचालन भावनाओं और धार्मिक पहचान के आधार पर नहीं, बल्कि तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और दीर्घकालीन रणनीति के आधार पर होना चाहिए।

भारत को पाकिस्तान से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियों पर सतर्क रहना चाहिए, लेकिन सऊदी अरब, तुर्किये और अन्य मुस्लिम बहुल देशों के साथ अपने संबंधों का मूल्यांकन प्रत्येक देश के वास्तविक व्यवहार के आधार पर करना चाहिए।भारत को खाड़ी देशों के साथ रक्षा संवाद, ऊर्जा आपूर्ति की विविधता, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को मजबूत करना होगा। साथ ही, किसी भी उभरते सैन्य गठबंधन की वास्तविक गतिविधियों, समझौतों और क्षेत्रीय प्रभाव का निरंतर आकलन आवश्यक है।

सोशल मीडिया की चमक और वास्तविक स्वीकार्यता

अमरपाल सिंह वर्मा

विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर 21 लाख फॉलोअर्स वाले एक व्यक्ति की डिजिटल लोकप्रियता का अंदाजा सहज ही लग जाता है लेकिन इस लोकप्रियता के बाद कोई व्यक्ति अगर अपने ही गांव में सरपंच का चुनाव लड़े और उसे महज 33 वोट मिलें तो इसे क्या कहेंगे? यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर लाखों लोगों तक पहुंच रखने वाला व्यक्ति अपने गांव के मतदाताओं का भरोसा क्यों नहीं जीत पाया?

राजस्थान में जोधपुर जिले की ओसियां तहसील की इंदों की ढाणी ग्राम पंचायत में ओमप्रकाश ज्योतिषि की चुनावी हार सिर्फ एक उम्मीदवार की पराजय नहीं है। मेरी नजर में, यह उन लोगों के लिए भी एक सबक है जो सोशल मीडिया पर लोकप्रियता को जनता के समर्थन का प्रमाण मान बैठते हैं। आभासी दुनिया में किसी को पसंद करने वाले लाखों लोग हो सकते हैं लेकिन वास्तविक दुनिया में उसकी बात पर भरोसा करने वाले कितने हैं, इसका फैसला आखिरकार जनता ही करती है। सोशल मीडिया पर किसी को पसंद करना और उसे अपना प्रतिनिधि चुनना दोनों अलग बातें हैं। कोई व्यक्ति अच्छे वीडियो बनाता है, मनोरंजन करता है या किसी सामाजिक मुद्दे पर अपनी बात रखता है तो लोग उसे पसंद कर सकते हैं लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि वे उसे अपने गांव की सरकार चलाने की जिम्मेदारी भी सौंपना चाहते हैं। पंचायत का चुनाव देखने में छोटा जरूर लगता है लेकिन इसकी राजनीति को समझना आसान नहीं है। यहां एक-एक वोट के लिए उम्मीदवारों को कितनी मशक्कत करनी पड़ती है, यह गांव की राजनीति से परिचित लोग अच्छी तरह जानते हैं। कहीं रिश्तेदारी काम आती है, कहीं सामाजिक समीकरण और कहीं वर्षों का व्यक्तिगत संपर्क। उम्मीदवार को मतदाताओं के बीच जाना पड़ता है, उनकी समस्याएं सुननी पड़ती हैं और भरोसा पैदा करना पड़ता है। पिछले एक दशक में सोशल मीडिया चुनाव प्रचार का बड़ा माध्यम बना है, लेकिन इंदों की ढाणी का नतीजा बताता है कि डिजिटल पहुंच अपने आप चुनावी समर्थन में नहीं बदल जाती।

किसी व्यक्ति के वीडियो को राजस्थान से बाहर बैठे हजारों लोग देख सकते हैं लेकिन वे इंदों की ढाणी के मतदाता नहीं हैं। और जो लोग उसके वीडियो देखते हैं, उनमें से भी कितने लोग उसकी राजनीतिक सोच से सहमत हैं, यह अलग सवाल है। यही वास्तविक और आभासी दुनिया का फर्क है। आभासी दुनिया में लोकप्रियता हासिल करने के लिए कुछ अच्छे वीडियो, आकर्षक प्रस्तुति और लोगों की रुचि को समझना काफी हद तक मददगार हो सकता है। वास्तविक दुनिया में, खासकर राजनीति में, लोगों का भरोसा जीतने के लिए इससे कहीं ज्यादा करना पड़ता है।

ओमप्रकाश ने शिक्षा, गोसेवा और गांव की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने का वादा किया था लेकिन चुनाव में केवल मुद्दे गिनाना पर्याप्त नहीं होता। मतदाता यह भी देखता है कि उम्मीदवार का उसके जीवन और स्थानीय समस्याओं से कितना जुड़ाव है। पिछले कुछ सालों में राजनीतिक दलों ने सोशल मीडिया को चुनावी रणनीति का बड़ा हथियार बना लिया है। आईटी सेल, ऑनलाइन प्रचार, वायरल वीडियो और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों के जरिए मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश लगातार बढ़ी है। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। आखिरकार, संचार के हर नए माध्यम का इस्तेमाल राजनीति में होगा ही लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब सोशल मीडिया पर बन रहे माहौल को ही जनता का वास्तविक समर्थन मान लिया जाता है।

किसी नेता के पक्ष में हजारों ऑनलाइन टिप्पणियां देखकर यह निष्कर्ष निकाल लेना कि चुनाव में भी उसे उतना ही समर्थन मिलेगा, बड़ी भूल हो सकती है। डिजिटल प्रचार लोगों का ध्यान खींच सकता है लेकिन स्थानीय मुद्दों पर काम और जनता के बीच उपस्थिति का विकल्प नहीं है। चुनाव केवल प्रचार से नहीं जीते जाते। जनता के बीच मौजूदगी, उसके सवालों पर काम और मुश्किल समय में उसके साथ खड़े रहने का महत्व आज भी बना हुआ है। कोई नेता सोशल मीडिया पर कितना ही सक्रिय क्यों न हो, अगर आम लोगों को लगता है कि वह उनकी समस्याओं से दूर है, तो डिजिटल लोकप्रियता उसके बहुत काम नहीं आएगी।

इस पूरे मामले में एक अच्छी बात यह है कि ओमप्रकाश ज्योतिषि ने अपनी पराजय के बाद सोशल मीडिया की लोकप्रियता और जमीनी हकीकत के बीच बड़े अंतर को स्वीकार किया। अपनी हार से सबक लेना और वास्तविकता को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा है कि वह अगले पांच साल तक गांव में रह कर लोगों की समस्याएं समझेंगे और पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए काम करेंगे। यह कहना गलत होगा कि सोशल मीडिया की राजनीति में कोई भूमिका नहीं है। उसकी भूमिका है और आने वाले समय में शायद और बढ़ेगी लेकिन वह जनता से सीधे जुड़ने का विकल्प नहीं बन सकता। लोकतंत्र में मतदाता किसी की सोशल मीडिया प्रोफाइल देखकर ही अपना फैसला नहीं करता। वह अपने अनुभव, जरूरतों और उम्मीदों के आधार पर वोट देता है। इंदों की ढाणी के मतदाताओं ने भी अपना फैसला सुना दिया है। लाखों फॉलोअर्स किसी व्यक्ति को चर्चित तो बना सकते हैं लेकिन जनता का प्रतिनिधि बनने के लिए जनता के बीच अपनी जगह बनानी पड़ती है। चुनावी नैया सोशल मीडिया के सहारे पार करने की योजना बनाने वाले राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए भी यही सबसे बड़ा सबक है।

पर्यावरण : येल सेंटर के शोध में भारत की 176वीं रैंकिंग का सच और सवाल

वायु प्रदूषण इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण है। नदियों में अनुपचारित अपशिष्ट, भूजल का अत्यधिक दोहन और प्राकृतिक जलस्रोतों का क्षरण जल सुरक्षा को चुनौती देते हैं। जंगलों का विखंडन और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों पर बढ़ता दबाव जैव विविधता के लिए खतरा है। ये अलग-अलग समस्याएं नहीं, बल्कि विकास, शहरी नियोजन, ऊर्जा उत्पादन और संसाधनों के प्रबंधन से जुड़ी परस्पर संबंधित चुनौतियां हैं। फिर भी, भारत की रैंकिंग की व्याख्या करते समय दो सावधानियां जरूरी हैं। पहली, 22.46 अंक का अर्थ यह नहीं कि भारत का पर्यावरण केवल 22.46 प्रतिशत अच्छा है।

विवेक रंजन श्रीवास्तव

जिस देश में नदियों को माता, वृक्षों को देवता और पृथ्वी को जीवनदायिनी मानने की परंपरा रही है, उसी भारत का 177 देशों के पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक 2026 में 176वें स्थान पर होना चिंता और आत्ममंथन का विषय है।

येल और कोलंबिया विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार इस सूचकांक में भारत को 100 में से केवल 22.46 अंक मिले हैं। पहले स्थान पर एस्टोनिया 74.79 अंकों के साथ है। दक्षिण एशिया के आठ देशों में भारत अंतिम स्थान पर है।

ये आंकड़े हमारी विकास संबंधी प्राथमिकताओं और पर्यावरण संरक्षण के वास्तविक परिणामों पर गंभीर प्रश्न हैं। लेकिन किसी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि उसके निष्कर्ष कितने विश्वसनीय हैं और उनकी सीमाएं क्या हैं।

येल का सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल लॉ एंड पॉलिसी तथा कोलंबिया विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं का पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक एक प्रतिष्ठित शोध आधारित तुलनात्मक अध्ययन है। इसकी विश्वसनीयता का प्रमुख आधार इसकी घोषित कार्यपद्धति, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और शोध स्रोतों से प्राप्त आंकड़े, संकेतकों का विवरण तथा मूल आंकड़ों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराना होता है।

वर्ष 2026 का सूचकांक 47 संकेतकों और 12 श्रेणियों को पर्यावरणीय स्वास्थ्य, पारिस्थितिकी तंत्र की जीवनक्षमता और जलवायु परिवर्तन संबंधी तीन व्यापक उद्देश्यों को लेकर है। इसकी पद्धति में ओईसीडी की समग्र सूचकांक निर्माण संबंधी मार्गदर्शिका को आधार बनाया गया है। शोधकर्ता आंकड़ों, मानकों और भार निर्धारण के अपने निर्णयों की समीक्षा के लिए वे स्वतंत्र शोधकर्ताओं को भी आमंत्रित करते हैं।

इसलिए इस रिपोर्ट को महज विदेशी संस्थानों की पूर्वाग्रही राय कहकर खारिज करना शुतुरमुर्ग का रेत में मुँह छिपाना होगा। हालांकि, इसकी रैंकिंग को पर्यावरण की संपूर्ण और निर्विवाद तस्वीर मान लेना भी वैज्ञानिक दृष्टि नहीं है।

यह एक समग्र सूचकांक है, जिसमें अलग-अलग पर्यावरणीय संकेतकों को निर्धारित मानकों और भार के आधार पर एक अंक में बदला जाता है। संकेतकों का चयन, उनके भार और बेहतर अथवा खराब प्रदर्शन के मानक तय करने में शोध संबंधी अनेक निर्णय शामिल होते हैं।

स्वयं यह शोधकर्ता स्वीकार करते हैं कि समग्र सूचकांक बनाने की पद्धति के कई संभावित विकल्प हो सकते हैं और उनके निर्धारित भार ही एकमात्र सही व्यवस्था नहीं हैं। अतः इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता उसकी पारदर्शी पद्धति में है, जबकि उसकी सीमाएं समग्र अंक और रैंकिंग की व्याख्या में सामने आती हैं।

भारत के आंकड़ों को देखें तो पर्यावरणीय स्वास्थ्य में उसका स्थान 174वां, वायु गुणवत्ता में 175वां और जैव विविधता एवं प्राकृतिक आवास में 174वां है। पारिस्थितिकी तंत्र की जीवनक्षमता में भारत 171वें स्थान पर है। जलवायु परिवर्तन शमन में 130वीं रैंकिंग अपेक्षाकृत बेहतर है, लेकिन इसे संतोषजनक उपलब्धि नहीं कहा जा सकता। इन आंकड़ों का सबसे गंभीर संदेश यह है कि आर्थिक विकास की गति के साथ पर्यावरणीय स्वास्थ्य और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में हम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए हैं।

वायु प्रदूषण इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण है। नदियों में अनुपचारित अपशिष्ट, भूजल का अत्यधिक दोहन और प्राकृतिक जलस्रोतों का क्षरण जल सुरक्षा को चुनौती देते हैं। जंगलों का विखंडन और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों पर बढ़ता दबाव जैव विविधता के लिए खतरा है। ये अलग-अलग समस्याएं नहीं, बल्कि विकास, शहरी नियोजन, ऊर्जा उत्पादन और संसाधनों के प्रबंधन से जुड़ी परस्पर संबंधित चुनौतियां हैं।

फिर भी, भारत की रैंकिंग की व्याख्या करते समय दो सावधानियां जरूरी हैं। पहली, 22.46 अंक का अर्थ यह नहीं कि भारत का पर्यावरण केवल 22.46 प्रतिशत अच्छा है। यह निर्धारित पद्धति से प्राप्त तुलनात्मक स्कोर है। दूसरी, पिछली रैंकिंग से सीधी तुलना करके सुधार या गिरावट का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं, क्योंकि सूचकांक के अलग-अलग संस्करणों में संकेतकों, आंकड़ों और भार निर्धारण की पद्धति में बदलाव किए गए हैं। स्वयं ईपीआई शोधकर्ता पुराने और नए संस्करणों के समग्र अंकों की सीधी तुलना से बचने की सलाह देते हैं। वास्तविक प्रगति जानने के लिए संबंधित पर्यावरणीय संकेतकों के तुलनीय आंकड़ों का समयानुसार अध्ययन अधिक उपयोगी है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत का प्रदर्शन सभी संकेतकों में समान रूप से खराब नहीं है। कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में उसके परिणाम बेहतर हैं। इसलिए पूरी रिपोर्ट को राष्ट्रीय विफलता का प्रमाणपत्र मानने के बजाय उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए जहां सुधार की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही, भारत की विशाल आबादी, विकास संबंधी आवश्यकताओं और विकसित देशों की ऐतिहासिक उत्सर्जन जिम्मेदारियों को भी जलवायु नीति के व्यापक संदर्भ में समझना चाहिए। लेकिन ये परिस्थितियां अपने नागरिकों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने की घरेलू जिम्मेदारी से मुक्ति नहीं देतीं।

समाधान के लिए पर्यावरणीय नीतियों को घोषणाओं से आगे ले जाना होगा। सार्वजनिक परिवहन का विस्तार, औद्योगिक प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण, सीवेज का सुरक्षित उपचार, प्राकृतिक वनों का संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा और पर्यावरणीय आंकड़ों की सार्वजनिक निगरानी प्राथमिकताएं बननी चाहिए। योजनाओं की सफलता पौधारोपण की संख्या या खर्च की गई राशि से नहीं, बल्कि जीवित बचे वृक्षों, स्वच्छ हुए जलस्रोतों, सुधरी वायु गुणवत्ता और सुरक्षित प्राकृतिक आवासों से मापी जानी चाहिए।

मेरे विचार में येल और कोलंबिया के शोधकर्ताओं की यह रिपोर्ट भारत के लिए अंतिम फैसला नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। इसकी पद्धति की सीमाओं को समझते हुए भी इसके निष्कर्षों से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। रिपोर्ट पर सवाल उठाना हमारा अधिकार है, लेकिन सवालों के नाम पर वास्तविक प्रदूषण और पर्यावरणीय क्षरण की अनदेखी करना आत्मघाती होगा। भारत की सांस्कृतिक परंपरा प्रकृति के सम्मान का संदेश देती है। अब उस संदेश को व्यवहार में बदलने का समय है। नदी को माता कहने का अर्थ उसके जल को प्रदूषित होने से बचाना है और वृक्ष को पूजने का अर्थ उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाना है। विकास तभी सार्थक है जब वह मनुष्य के जीवन को बेहतर बनाने के साथ प्रकृति को भी सुरक्षित रखे।

किसी देश की प्रगति केवल उसकी अर्थव्यवस्था की ऊंचाई से नहीं, बल्कि उसकी हवा की शुद्धता, नदियों की निर्मलता और आने वाली पीढ़ियों के लिए बची हुई प्राकृतिक संपदा से भी मापी जानी चाहिए। पर्यावरण की कीमत पर हासिल विकास अंततः विकास नहीं, भविष्य से लिया गया कर्ज है।

फर्जी मुकदमों के विरोध में 3 नवंबर को लखनऊ कूच करेगी भाकियू तोमर

4 नवंबर से प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय पर अनिश्चितकालीन महापंचायत, गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल करने समेत 36 मांगें उठाएगा संगठनः चौधरी संजीव तोमर

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन तोमर ने किसानों पर दर्ज कथित फर्जी मुकदमों के विरोध में आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने 3 नवंबर को किसानों के साथ लखनऊ कूच करने और 4 नवंबर से प्रधान मुख्य वन संरक्षक के कार्यालय पर अनिश्चितकालीन महापंचायत शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक किसानों पर दर्ज फर्जी मुकदमे वापस नहीं लिए जाते, तब तक महापंचायत जारी रहेगी।



भारतीय किसान यूनियन तोमर के राष्ट्रीय कार्यालय पर आयोजित बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने संगठन के पदाधिकारियों और किसानों से अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से संगठन की निर्धारित वर्दी के साथ टोपी, बिल्ला, पहचान पत्र और झंडे लेकर पहुंचने की अपील की।

उन्होंने कहा कि सभी किसान 3 नवंबर को शाम पांच बजे तक मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन पहुंच जाएं, ताकि लखनऊ कूच की तैयारियां व्यवस्थित तरीके से पूरी की जा सकें।

चौधरी संजीव तोमर ने पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि रेल यात्रा के दौरान किसी भी महिला या पुरुष यात्री के साथ अभद्र व्यवहार न किया जाए। सभी कार्यकर्ता अनुशासन और आपसी तालमेल के साथ सहारनपुर से लखनऊ तक का सफर तय करें। उन्होंने बताया कि संगठन से जुड़े किसान रास्ते में पड़ने वाले विभिन्न रेलवे स्टेशनों से भी ट्रेन में सवार होंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आंदोलन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से सफल बनाने की अपील की।

सेवा भारती की बहनों ने करवा चौथ पर माताओं-बहनों के हाथों में रचाई मेहंदी

लक्ष्मीनगर में पांच स्थानों पर आयोजित हुए कार्यक्रम, सेवा केंद्रों से जुड़ी बहनों ने हुनर के जरिए दिया सेवा और स्वावलंबन का संदेश

मुजफ्फरनगर। करवा चौथ के पावन पर्व के उपलक्ष्य में सेवा भारती मेरठ प्रांत की जनपद लक्ष्मी नगर इकाई की ओर से जनपद के पांच स्थानों पर स्थित सेवा केंद्रों के माध्यम से माताओं एवं बहनों के हाथों में मेहंदी लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इनमें से चार स्थानों पर कार्यक्रम की सुंदर एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई, जिसमें समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि सेवा भारती के बाल संस्कार केंद्रों, सिलाई केंद्रों एवं अन्य सेवा केंद्रों से जुड़ी छोटी-छोटी बहनों ने पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ माताओं एवं बहनों के हाथों में मेहंदी रचाई। इन बहनों ने बेहद न्यूनतम मानदेय पर अपनी सेवाएं



प्रदान करते हुए सेवा भाव, सहयोग और सामाजिक सहभागिता का स-राहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

सेवा, संस्कार और स्वावलंबन को मिल रहा बढ़ावा

सेवा भारती के लिए यह गर्व और सौभाग्य का विषय है कि उसके सेवा केंद्रों के माध्यम से संस्कार, कौशल और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही बहनें अब अपने हुनर के माध्यम से समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस प्रकार के आयोजनों से जहां बहनों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है, वहीं उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। साथ ही उनमें सेवा, सहयोग और स्वावलंबन की भावना को मजबूती मिलती है।

कार्यक्रम को सफल एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सेवा भारती लक्ष्मी नगर की जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने विभिन्न सेवा केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आयोजन की सराहना की। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डाक्टर अम्बरीष, जिला संरक्षक रमेश साईं, जिलाध्यक्ष रमेश जैन, उपाध्यक्ष विनोद कुमार, जिला मंत्री सुभाष चन्द्र सैनी, सहमंत्री रविन्द्र कुमार, जिला कोषाध्यक्ष नरेश गुप्ता, विनोद पुंडीर, मनीष, रंजीत आदि मौजूद रहे।

इनरव्हील चैम्बर की करवा चौथ सभा सजना है मुझे सजना के लिए

मुजफ्फरनगर । इनरव्हील क्लब मुजफ्फरनगर चैम्बर की करवा चौथ सभा "सजना है मुझे सजना के लिए" गाँधी कॉलोनी लिंक रोड स्थित क्रिस्टल में धूम धाम से संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारम्भ शिप्रा गुप्ता एवं योगिता अरोरा द्वारा इनरव्हील प्रार्थना से हुआ। कार्यक्रम का सशक्त सञ्चालन चेतना सेठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम चैयरमेन एवं प्रायोजक योगिता अरोरा, अंजलि गुप्ता, बबिता सिंह एवं शिप्रा गुप्ता रही। तत्पश्चात विनीता अरोरा एवं पुत्रवधु सौम्या अरोरा द्वारा सास बहु आधरित जबरदस्त नृत्य ने खूब वाह वाही बटोरी। निशा संगल तथा भारती साहनी द्वारा हाऊजी अलग अंदाज में खिलवाई गयी। डांडिया पर आधारित एक अन्य गेम का सभी एनीस ने भरपूर आनंद उठाया। सोलो प्रस्तुति में शिप्रा गुप्ता, सुनीता मल्होत्रा, सोनल मल्होत्रा, शिल्पी बंसल, बबिता सिंह, निधि शर्मा,आँचल पंत की



प्रस्तुति की करतल ध्वनि से मुक्त कंठ से प्रशंसा की गयी। समयबद्धता की भाग्यशाली विजेता शशि गर्ग एवं पूनम गुप्ता रही।

नीता सिंघल का जन्मदिन भी सभी ने केक काटकर मनाया। सभा के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों को डांडिया खेलते हुए और रैंप वाक करते हुए आना था। सभी सदस्यों को विशेष उपहार मिलने पर चेहरे की रौनक देखते ही बनती थी। अध्यक्षा श्वेता गोयल, सचिव निधि शर्मा, कोषाध्यक्ष अंजू जलोत्रा, ISO निशा संगल, एडिटर चेतना सेठी तथा सभी कार्यक्रम चैयरमेन द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए की गयी मेहनत की सभी सदस्यों ने दिल खोलकर प्रशंसा की।

इस अवसर पर मञ्जूषा चंद्रा, शशि सोबती, भारती साहनी, पूनम गुप्ता, नीरज जैन, मनीषा जैन, अनीता गोयल, ऋतू मुंजाल, निशा एरन, सुषमा खंडेलवाल, मधु गोयल, ऋचा गुप्ता, नीलम गोयल, शशि सिंघल आदि ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर किया समारोह आयोजित

मुजफ्फरनगर। भाजपा पिछड़ा मोर्चा मुजफ्फरनगर के तत्वाधान में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती पर उनको श्रद्धांजलि देने के लिए सबसे ऊंचा सरदार थीम पर उत्तर प्रदेश के 98 संगठनात्मक जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के जरिए पार्टी राष्ट्रीय एकता का संदेश देने और देश के महान नेता सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र के प्रति योगदान को याद करने और किस प्रकार से उस समय की कांग्रेस सरकार ने स-रदार जी के कार्यों को कमतर आंकने और नीचे दिखाने का कार्य किया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोज कश्यप प्रदेश उपाध्यक्ष थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय वर्मा ने की, मंच संचालन विजय प्रजापति ने किया। मंच पर मीनाक्षी स्वरूप अध्यक्ष नगर पालिका, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यपाल पाल, शरद शर्मा, सुनील दर्शन, अभिषेक गुर्जर,विपिन त्यागी विराजमान थे। इस कार्यक्रम में विजय वर्मा ने कांग्रेस द्वारा किए गए कुकृत्यों के बारे में समाज को बताने पर जोर दिया गया।

सर्वप्रथम सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के देहांतपरांत कांग्रेस ने गार्ड ऑफ ऑनर नहीं देने दिया। कांग्रेस द्वारा बार-बार वोट चोरी का आरोप लगाया जाता है जबकि सच्चाई में वोट चोरी तो कांग्रेस ने नेहरू गांधी के प्रधानमंत्री बनने पर की थी उस समय संविधान सभा में 15 में से 14 वोट भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी को मिले थे लेकिन फिर भी प्रधानमंत्री वल्लभभाई पटेल न बनकर नेहरू गांधी नेहरू गांधी को भारत का प्राइम मिनिस्टर बनाया गया। देश की धरोहर एवं ज्योतिलिंगों में से एक श्री सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार में अहम भूमिका सरदार पटेल जी थी। कथित



नेहरू गांधी परिवार ने सरनेम गांधी चुराया हुआ है उनका अपना सरनेम नहीं है, कथित नेहरू परिवार का सरनेम गांधी है ही नहीं। गांधी परिवार रायबरेली से चुनाव लड़ा और वोट चोरी की और कराई तत्पश्चात प्रधानमंत्री की कुर्सी हथियाई गई। नेहरू गांधी ने राजा हरि सिंह से देश विरोधी बात की थी तत्पश्चात राजा हरि सिंह को गुस्सा आ गया और उन्होंने नेहरू गांधी को थप्पड़ जड़ दिया था, बाद में सरदार पटेल के सहमति एवं संतुलन आग्रह से अपने राज्य का विलय स्वतंत्र भारत में किया था और जब नेहरू गांधी बाद में प्रधानमंत्री बन गए तो उन्होंने शेख अब्दुल्ला को महामंत्री बनाया तत्पश्चात मुख्यमंत्री भी बनाया और राजा हरि सिंह से अपना बदला पूरा किया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का कश्मीर में शहीद होने में कांग्रेस और गांधी परिवार का ही हाथ था पाकिस्तान ओको पाईड कश्मीर आज भारत का हिस्सा नहीं है इसमें भी नेहरू और कांग्रेस का ही हाथ है।

सरदार पटेल की देन थी की हैदराबाद के निजाम ने अपनी रियासत स्वतंत्र भारत में विलय किया। कुल मिला कर लगभग 562 + रियासते भारत में विलय कराकर स्वतंत्र भारत का निर्माण सरदार वल्लभ भाई पटेल के अथक प्रयासों से संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सचिन त्यागी, जोगेंद्र गुर्जर, सुरेंद्र कश्यप, दिनेश पुंडीर, पंकज महेश्वरी, पिंटू त्यागी, अमित पवार, नंद किशोर, रोबिन कश्यप, अमित शास्त्री , भोपाल पाल, अनुराज चौधरी, प्रवीण वर्मा, कार्तिक, रवि शर्मा, सनी वर्मा, आयुष खटीक , सागर वाल्मीकि विशाल खटिक, पंकज ठाकुर, उपस्थित थे।

खंड स्नातक चुनाव में जीत कार्यकताओं की लगन और मेहनत की जीत है-पंडित पवन गौतम

भाजपा के कार्यकताओं ने दोनों प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा व दिनेश गोयल की बड़ी जीत पर ढोल नगाड़ों के साथ मनाया जश्न

थानाभवन। थानाभवन में मंडल अध्यक्ष पंडित पवन गौतम के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकताओं ने मेरठ खंड स्नातक व शिक्षक क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे अपने दोनों प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा व दिनेश गोयल की बड़ी जीत पर चौक बाजार थानाभवन में एकत्रित होकर ढोल नगाड़ों के साथ जश्न मनाया। इस जीत को लेकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं में गजब उत्साह देखने को मिला। यह चुनाव 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल था। सभी कार्यकताओं ने पूर्व मंत्री व प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा के नेतृत्व में चुनाव को पूरे जोश और उत्साह के साथ टीमवर्क करके योजनाबद्ध तरीके से लड़ा गया । प्रत्येक कार्यकताओं ने घर-घर जा जाकर वोट बनवाई थी और उस-के बाद 10 नाम का एक पन्ना प्रमुख बनाकर घर-घर संपर्क किया गया और वोटिंग के दिन सभी कार्यकताओं को मतदान स्थल पर लाया गया। कार्यकताओं ने अपने दोनों प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए उत्साह के साथ मतदान किया और अपने दोनों



प्रत्याशियों को विजयी बनाया । मंडल अध्यक्ष पंडित पवन गौतम ने कहा कि यह जीत संगठन की जीत है, इस जीत में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ताओ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, यह जीत सभी उन कार्यकताओं की है, जो प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव में लगे रहे। हर चुनाव की रीढ कार्यकर्ता ही होते हैं। भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता किसी भी काम को कठिन नहीं समझता है, जब वह अपना लक्ष्य तय कर लेता है, उसे पूरी निष्ठा से पूरा करके ही दम लेता है । कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष पंडित पवन गौतम, मंडल प्रभारी आनंद पुंडीर, उपाध्यक्ष रविंद्र गोयल, भूमेश नारंग, जितेंद्र राणा, अमित मित्तल, सभासद विनोद सैनी, ललित अरोरा, विक्रम सिंह, डॉक्टर संजीव शर्मा, संदीप मोगा शोभित सैनी आशीष सिंघल सुबोध शर्मा, प्रेमचंद, संजय कश्यप, सुनील कुमार, अमित गर्ग, सुरेंद्र शर्मा , रणवीर सिंह, प्रमोद सैनी, तिलक बाल्मिकी आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण की सीख के साथ खेल प्रतिभा का सम्मान, भागवंती विद्यालय की छात्रा शगुन पाल ने एथलेटिक्स में लहराया परचम

'प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा ने मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर किया सम्मानित, ई-कचरा प्रबंधन के प्रति भी छात्राओं को किया जागरूक'

मुजफ्फरनगर। भागवंती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नई मंडी, मुजफ्फरनगर में शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में स-राहनीय पहल की जा रही है। इसी क्रम में विद्यालय में विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत ई-कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई, वहीं क्षेत्रीय खेलकूद एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा शगुन पाल को सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत 28 अक्टूबर 2026 को विद्यालय की प्रार्थना सभा में ई-कचरा प्रबंधन विषय पर जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. वंदना



शर्मा जी ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता तथा इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उचित प्रबंधन के प्रति जागरूक किया।

उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन, कंप्यूटर, चार्जर, बैटरी तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अनुपयोगी हो जाने पर उत्पन्न होने वाला ई-कचरा पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए इसे सामान्य कचरे से अलग रखना, खुले में न जलाना तथा अधिकृत ई-कचरा संग्रहण केंद्रों और पुनर्चक्रणकताओं तक पहुँचाना आवश्यक है।

डॉ. वंदना शर्मा ने छात्राओं को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत, पुनः उपयोग एवं पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जागरूकता और छोटे-छोटे सकारात्मक प्रयासों के माध्यम से स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शगुन पाल ने बढ़ाया विद्यालय का गौरव

विद्यालय के लिए हर्ष एवं गौरव का विषय है कि क्षेत्रीय खेलकूद एथलेटिक्स प्रतियोगिता-2026 में विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा बहन शगुन पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं।

दिनांक 23 अक्टूबर 2026 से स-रस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, रानीपुर, हरिद्वार में आयोजित क्षेत्रीय खेलकूद एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शगुन पाल ने 400 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा 100 .400 मीटर रिले रेस में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय आगमन पर प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा ने छात्रा शगुन पाल को मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्रा की उपलब्धि की स-राहना करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शगुन पाल की इस सफलता में विद्यालय की खेल शिक्षिकाओं श्रीमती शशि प्रभा, श्रीमती सीमा सिंह एवं श्रीमती सपना पुंडीर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं निरंतर प्रोत्साहन ने छात्रा की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समस्त विद्यालय परिवार ने छात्रा शगुन पाल तथा खेल शिक्षिकाओं को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि छात्रा भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाती रहेगी।

रंग संसार

'वो सारे सिनेमाघर तो ले नहीं सकते,' रामायणम और सुनील शेट्टी की ब्लॉकबस्टर के क्लैश पर डायरेक्टर की दो टूक



नई दिल्ली। दीवाली के फेस्टिव सीजन में सिनेमाघरों में कई फिल्मों को रिलीज किया जाएगा, जिसमें अभिनेता सुनील शेट्टी की एक 32 साल पुरानी ब्लॉकबस्टर फिल्म मोहरा का नाम भी शामिल है, जिसकी री-रिलीज का एलान हाल ही में किया गया है। अब रामायणम और मोहरा के क्लैश को लेकर सुनील शेट्टी की मूवी के डायरेक्टर ने खुलकर बात की है और बताया है कि मोहरा को बहुत स्क्रीन्स पर रिलीज किया जा रहा है, जो रामायणम की रिलीज से शेष रह गए हैं। आइए पूरा मामला समझते हैं- रामायणम और मोहरा क्लैश पर डायरेक्टर का रिएक्शन साल 1994 में फिल्म मोहरा को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन और नसीरूद्दीन शाह जैसे कई कलाकारों से सजी इस फिल्म का निर्देशन राजीव राय ने किया था। बॉक्स ऑफिस पर मोहरा ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी और अब 32 साल बाद एक बार फिर से आने वाले 6 नवंबर को मोहरा को री-रिलीज किया जाएगा। उससे एक दिन पहले रणबीर कपूर की रामायणम भी प्रदर्शित की जानी है। इस मामले को लेकर अब निर्देशक राजीव राय ने वैराइटी को दिए इंटरव्यू में रामायणम और मोहरा के क्लैश पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और बताया है- हां, 6 नवंबर शुक्रवार को हम अपनी फिल्म मोहरा को फिर से रिलीज कर रहे हैं। यह एक छोटी रिलीज है, क्योंकि हम उन सिनेमाघरों का इस्तेमाल कर रहे हैं. जो रामायणम के बाद खाली रह गए हैं। इसका रामायणम से कोई मुकाबला नहीं है। वे सारे सिनेमाघर तो ले नहीं सकते और जनता की तरफ से भी मेरी इन फिल्मों की मांग हमेशा रही है। इसी इंटरव्यू के दौरान राजीव राय ने मोहरा के सीक्वल को लेकर भी खुलकर बात की है और कहा है- सच बताऊं तो मुझे फिल्मों के सीक्वल बनाना पसंद नहीं है।

राज काज

बढ़कर नहीं आएगी अक्टूबर की सैलरी, भले मोदी सरकार ने बढ़ाया महंगाई भत्ता



नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने केंद्रीय कर्मचारियों को दीपावली से पहले महंगाई भत्ता बढ़ाकर तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ते (DA Hike) और महंगाई राहत (DR) में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है, जो इस साल 1 जुलाई से लागू होगी। इस बढ़ोतरी के बाद केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 60 फीसदी से बढ़कर 63% हो गया। यानी बेसिक सैलरी का 63 फीसदी अब डीए के रूप में मिलेगा। इस बढ़ोतरी के बाद अब केंद्रीय कर्मचारियों के मन में एक सवाल है कि क्या अक्टूबर की सैलरी बढ़कर आएगी। अगर आप भी एक केंद्रीय कर्मचारी हैं और आपके मन में भी यह सवाल उठ रहा है तो आइए जानते हैं कि आखिर महंगाई भत्ता बढ़ने के बाद क्या अक्टूबर की सैलरी बढ़कर आएगी या नहीं। महंगाई भत्ता बढ़ने के बाद क्या अक्टूबर की सैलरी बढ़कर आएगी? केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को बताया कि केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ते (DA) और महंगाई राहत (DR) में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है, जो इस साल 1 जुलाई से लागू होगी। यानी केंद्रीय कर्मचारियों को जुलाई से अब तक का एरियर भी मिलेगा। अब तक का मतलब अक्टूबर से। यानी अक्टूबर की सैलरी बढ़कर नहीं आएगी। क्योंकि आमतौर पर केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी का 15 से 20 तारीख तक बन जाती है। इस संबंध में हमने ऑल इंडिया एम्प्लॉइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत पटेल से बात की। उन्होंने बताया कि नवंबर महीने की सैलरी बढ़कर आएगी।ऑल इंडिया एम्प्लॉइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर मंजीत पटेल ने कहा- "सरकार ने महंगाई भत्ते में 3 फीसदी की बढ़ोतरी की है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई 2026 से लागू होगी। जुलाई से अक्टूबर तक का एरियर मिलेगा।

दैनिक राशिफल गुरूवार 29 अक्टूबर 2026

मेष – कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा।

वृष – आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है।

मिथुन : व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

कर्क – अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

सिंह– नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी।

कन्या – आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें।

तुला – लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचाते कलह विवाद का डर बना रहेगा।

धनु – यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा।

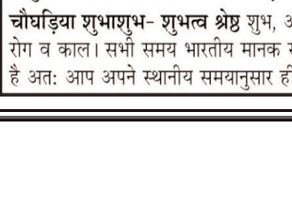
मकर – मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

कुंभ – आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा।

मीन – बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

दैनिक पंचांग

29 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.31 ब.से
चंद्र	वृष में	धनु	09.47 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.53 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.39 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.12 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.42 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.22 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.21 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.34 बजे से
		सिंह	00.50 बजे से
		कन्या	03.02 बजे से
		तुला	05.13 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 302 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्थी 22.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 11.12 बजे को समाप्त।
योग परिघ 00.06 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 11.38 बजे तदनन्तर बालव 22.11 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 13° 23'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872877
जूलियन दिन 2461342.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल **तारीख** 17
विशेष करवा चौथ, रोहिणी व्रत, संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मेडिकल स्टोर संचालक से 15 हजार रुपये लेने का आरोप

जिला होम्योपैथिक अधिकारी के खिलाफ शहर कोतवाली में तहरीर

मुजफ्फरनगर। शहर में मेडिकल स्टोर संचालक से कथित रूप से रुपये लेने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। चुंगी नंबर-दो स्थित निकुंज मेडिसिन हब के स्वामी सुधीर कुमार यादव ने जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. अक्षय कात्यान पर डराने-धमकाने और जबरन रुपये लेने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस संबंध में उन्होंने शहर कोतवाली प्रभारी बृजेश कुमार शर्मा को लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता का दावा है कि संबंधित अधिकारी ने पहले स्वयं को ड्रग इंस्पेक्टर बताया और बाद में होम्योपैथिक लाइसेंस बनवाने के लिए दबाव बनाया। विरोध करने पर एफआईआर दर्ज कराने की धमकी देते हुए उनसे 25 हजार रुपये की मांग की गई, जिसमें से 15 हजार रुपये कथित रूप से ले लिए गए। शहर कोतवाली में दी गई तहरीर के अनुसार, निकुंज मेडिसिन हब के स्वामी सुधीर कुमार यादव के पास एलोपैथिक दवाओं की खुदरा बिक्री का लाइसेंस है। उन्होंने शिकायत में बताया कि 24 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब 1:10 बजे एक व्यक्ति उनकी दुकान पर पहुंचा। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने शुरूआत में स्वयं को ड्रग इंस्पेक्टर बताया और दुकान के अंदर जाकर दवाइयों को देखने तथा उठाने लगा। शिकायतकर्ता के अनुसार, बाद में उस व्यक्ति ने अपनी पहचान जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. अक्षय कात्यान के रूप में बताई और उनसे होम्योपैथिक लाइसेंस बनवाने के लिए कहा। सुधीर यादव का आरोप है कि जब उन्होंने इस मांग को स्वीकार नहीं किया तो उन्हें डराया-धमकाया गया और एफआईआर दर्ज कराने की धमकी दी गई। तहरीर में सुधीर कुमार यादव ने आरोप लगाया है कि संबंधित अधिकारी



ने उनसे कुल 25 हजार रुपये की मांग की थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उस समय उनके पास 15 हजार रुपये ही उपलब्ध थे, जो कथित रूप से ले लिए गए। आरोप है कि बाकी रकम बाद में लेने की बात कही गई। सुधीर यादव ने अपनी शिकायत में यह भी कहा है कि अगले दिन शेष रकम के संबंध में उनके पास फोन आया था, लेकिन उन्होंने कॉल नहीं उठाई। शिकायतकर्ता का दावा है कि रुपये दिए जाने से संबंधित साक्ष्य और फोन कॉल की जानकारी अथवा रिकॉर्डिंग से जुड़े प्रमाण उन्होंने अपनी तहरीर के साथ संलग्न किए हैं। उन्होंने पुलिस से इन साक्ष्यों की जांच कर मामले में उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि संबंधित व्यक्ति प्रभावशाली पद पर है, इसलिए उन्हें जान-माल के नुकसान की आशंका है। उन्होंने मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम सहित लागू कानूनी प्रावधानों के तहत मुकदमा दर्ज करने, निष्पक्ष जांच कराने और कथित रूप से लिए गए 15 हजार रुपये वापस दिलाने की मांग की है। मामले को लेकर मुजफ्फरनगर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष सुभाष चौहान ने भी प्रशासन और प्रदेश सरकार से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। एसोसिएशन की ओर से संबंधित अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और उनकी संपत्ति की जांच कराने की मांग उठाई गई है। संगठन का कहना है कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि दवा कारोबारियों को किसी प्रकार के कथित दबाव या अनुचित मांग का सामना न करना पड़े।

बच्ची के जन्म के 15 दिन बाद विवाहिता के साथ मारपीट का आरोप, पेट में लात मारने से बिगड़ी हालत

दर्द से कराहती रही प्रसूता, मायके वालों को फोन कर मांगी मदद, बुढ़ाना सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर

मुजफ्फरनगर। जिस समय एक मां को प्रसव के बाद देखभाल और आराम की जरूरत होती है, उसी दौरान बुढ़ाना क्षेत्र के गांव अटेरना में एक विवाहिता के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। करीब 15 दिन पहले बच्ची को जन्म देने वाली विवाहिता की हालत उस समय बिगड़ गई, जब घरेलू विवाद के दौरान उसकी दोनों ननदों पर पेट में लात मारने का आरोप लगा। दर्द से परेशान विवाहिता ने मायके वालों को सूचना दी। इसके बाद लोनी से पहुंचे परिजन उसे उपचार के लिए बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से चिकित्सकों ने गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया। लोनी निवासी बिशन सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी रीता की शादी अटेरना गांव निवासी कुलदीप के साथ की थी। उनके अनुसार, रीता ने करीब 15 दिन पहले बच्ची को जन्म दिया था और प्रसव के बाद घर पर आराम कर रही थी। इसी दौरान परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बिशन सिंह का आरोप है कि विवाद के



दौरान रीता की दोनों ननदों ने उसके पेट में लात मार दी। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी और उसे तेज दर्द होने लगा। विवाहिता ने दर्द से परेशान होकर अपने मायके वालों को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही उस- के पिता बिशन सिंह परिजनों के साथ लोनी से अटेरना गांव पहुंचे। उन्होंने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी और एंबुलेंस की मदद से घायल बेटी को बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने विवाहिता की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बिशन सिंह ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को ससुराल में परेशान किया जा रहा है। उन्होंने अपने दामाद कुलदीप पर भी बेटी के साथ मारपीट करने और उसे लगातार प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। मायके पक्ष का कहना है कि उनकी बेटी को लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिजनों ने मामले में निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद विवाहिता के मायके पक्ष ने ससुराल वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है। प्रसव के कुछ ही दिन बाद मारपीट किए जाने के आरोप ने मामले को गंभीर बना दिया है। हालांकि, घटना के संबंध में लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल वि- वाहिता को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर रेफर किए जाने की जानकारी सामने आई है।

भोकरहेड़ी में आर्य समाज का वार्षिकोत्सव: वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ, गूंजा वेदों का संदेश

योगी कर्मवीर महाराज बोले—व्यक्ति का व्यवहार उसके संस्कारों का परिचय:योगी कर्मवीर महाराज

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी में लक्सर मार्ग स्थित आर्य समाज मंदिर में बुधवार को तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का भव्य शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ में आहुतियां प्रदान करने और ध्वजारोहण के साथ की गई। इस अवसर पर आध्यात्मिक प्रवचन तथा भजनोपदेशकों द्वारा प्रस्तुत ईश्वर भक्ति के भजनों ने वातावरण को धर्ममय बना दिया। सात्विक जीवन और सकारात्मक सोच की प्रेरणा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योगी कर्मवीर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिसकी कीर्ति जीवित रहती है, वह व्यक्ति सदैव जीवित माना जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्ण स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ आध्यात्मिक स्वास्थ्य भी अत्यंत आवश्यक है। व्यक्ति को सदैव सात्विक भोजन ग्रहण करना चाहिए और सकारात्मक सोच के साथ प्रसन्नचित्त रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम जैसा व्यवहार अपने लिए पसंद करते हैं, वैसा ही व्यवहार दूसरों के साथ भी करना चाहिए,



क्योंकि व्यक्ति का व्यवहार ही उसके संस्कारों का सच्चा परिचय देता है। विश्वभर में बढ़ रहा है वैदिक ज्ञान का प्रभाव भाजपा के क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी ने अपने संबोधन में कहा कि आज पूरे विश्व में वेदों की शिक्ष- ाओं का प्रचार-प्रसार हो रहा है और लोग वैदिक ज्ञान से लाभान्वित हो रहे हैं। भारतीय योग परंपरा को पूरी दुनिया ने सहर्ष अपनाया है। हमारी भारतीय अध्यात्म और वैदिक विचारधारा संपूर्ण विश्व को श्रेष्ठता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही है। यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में संजय कुमार, प्रीति देवी, दिनेश और अनीता देवी शामिल रहे, जबकि सुरेन्द्र आर्य ने यज्ञ ब्रह्मा की भूमिका निभाई। मैत्रेयी कन्या गुरुकुलम वेदकुलम (मुंडाखेड़ा, हरिद्वार) की छात्राओं–दीपिका आर्या, ब्रह्मचारिणी स्नेहा आर्या, संध्या आर्या, राधिका आर्या और ओष आर्या ने मधुर मंत्रोच्चार किया। इसके अलावा भजनोपदेशक संगीता आर्या और वेदपाल आर्य ने भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जगपाल सिंह मन्नाखेड़ी ने की तथा कुशल संचालन महक सिंह आर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर सत्यवेश महा- राज, डॉ. राय साहब, बाबा ओमबीर सिंह, चौधरी रामपाल सिंह, अजय चेयरमैन, भजनानंद महाराज, रामानन्द महाराज, डॉ. डीपीएस वर्मा, ओमप्रकाश आर्य, सोहनवीर सिंह आर्य, सुखपाल आर्य, जगपाल आर्य, उपेन्द्र आर्य, जितेंद्र आर्य और अश्विनी आर्य सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में सामाजिक न्याय पार्टी का शक्ति प्रदर्शन: 2027 चुनाव का किया शंखनाद, महारैली में उमड़ी भारी भीड़

अति पिछड़ों, दलितों एवं वंचितों को अधिकार दिलाने हेतु 2027 के चुनाव की तैयारी में जुटने का आह्वान



मुजफ्फरनगर। सर्कुलर रोड स्थित राजकीय इण्टर कॉलेज (जीआईसी) के मैदान में सामाजिक न्याय पार्टी द्वारा आयोजित विशाल महारैली में भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। महारैली के माध्यम से अति पिछड़ों, दलितों एवं वंचित समाज को उनके अधिकार दिलाने तथा आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों में अभी से पूरी ताकत के साथ जुट जाने का जोरदार आह्वान किया गया। सामाजिक न्याय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ई. देवेंद्र कश्यप के आह्वान पर आयोजित इस रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछड़ा और वंचित समाज पिछले करीब 78 वर्षों से अपने अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान में हमारी उचित हिस्सेदारी हो, इसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं, परंतु हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसी उपेक्षा का नतीजा है कि आज भी शोषित समाज अपने मूलभूत हक और मान-सम्मान के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर है। भीड़ को संबोधित करते हुए ई. देवेंद्र कश्यप ने ओजस्वी शैली में कहा, "आप भाड़े के पहलवान नहीं हो, बल्कि अखाड़े के सच्चे पहलवान हो।" उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए हम सभी को एकजुट होना होगा। रैली में हुंकार भरते हुए नारा दिया गया कि "वोट हमारा, राज तुम्हारा–यह अब हमें मंजूर नहीं है," बल्कि अब केवल "वोट हमारा, राज हमारा" का नारा ही चलेगा। 2027 के चुनाव की तैयारी का शंखनाद महारैली को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ई. देवेंद्र कश्यप, जिलाध्यक्ष सुनील पांचाल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

सेवा भारती की बहनों ने करवा चौथ पर माताओं-बहनों के हाथों में रचाई मेहंदी

लक्ष्मीनगर में पांच स्थानों पर आयोजित हुए कार्यक्रम, सेवा केंद्रों से जुड़ी बहनों ने हुनर के जरिए दिया सेवा और स्वावलंबन का संदेश

मुजफ्फरनगर। करवा चौथ के पावन पर्व के उपलक्ष्य में सेवा भारती मेरठ प्रांत की जनपद लक्ष्मी नगर इकाई की ओर से जनपद के पांच स्थानों पर स्थित सेवा केंद्रों के माध्यम से माताओं एवं बहनों के हाथों में मेहंदी लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इनमें से चार स्थानों पर कार्यक्रम की सुंदर एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई, जिसमें समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि सेवा भारती के बाल संस्कार केंद्रों, सिलाई केंद्रों एवं अन्य सेवा केंद्रों से जुड़ी छोटी-छोटी बहनों ने पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ माताओं एवं बहनों के हाथों में मेहंदी रचाई। इन बहनों ने बेहद न्यूनतम मानदेय पर अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए सेवा भाव, सहयोग और सामाजिक सहभागिता का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। सेवा, संस्कार और स्वावलंबन



को मिल रहा बढ़ावा

सेवा भारती के लिए यह गर्व और सौभाग्य का विषय है कि उसके सेवा केंद्रों के माध्यम से संस्कार, कौशल और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही बहनें अब अपने हुनर के माध्यम से समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस प्रकार के आयोजनों से जहां बहनों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है, वहीं उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। साथ ही उनमें सेवा, सहयोग और स्वावलंबन की भावना को मजबूती मिलती है। कार्यक्रम को सफल एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सेवा भारती लक्ष्मी नगर की जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने विभिन्न सेवा केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आयोजन की सराहना की। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डाक्टर अम्बरीष, जिला संरक्षक रमेश साईं, जिलाध्यक्ष रमेश जैन, उपाध्यक्ष विनोद कुमार, जिला मंत्री सुभाष चन्द्र सैनी, सहमंत्री रविन्द्र कुमार, जिला कोषाध्यक्ष नरेश गुप्ता, विनोद पुंडीर, मनीष, रंजीत आदि मौजूद रहे।

राष्ट्र सेविका समिति एवं संयुक्त हिंदू मोर्चा ने लगाए मेहंदी शिविर, बड़ी संख्या में महिलाओं ने लिया भाग

मुजफ्फरनगर। राष्ट्र सेविका समिति एवं संयुक्त हिंदू मोर्चा के संयुक्त अभियान के अंतर्गत 27 एवं 28 अक्टूबर को नगर में लगभग 14 स्थानों पर मेहंदी शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य हिंदू बहनों को अपनी ही बहनों से मेहंदी लगवाने के लिए प्रोत्साहित करना तथा महिलाओं की सुरक्षा एवं जागरूकता के प्रति सजग करना रहा। आयोजकों के अनुसार, यह अभियान पिछले पांच वर्षों से लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गांधीनगर स्थित श्री श्यामा श्याम मंदिर में भी मेहंदी शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल की पत्नी श्रीमती अनु अग्रवाल ने किया।

इस अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति की जिला कार्यवाहिका नीति अग्रवाल ने महिलाओं की सहभागिता और सामाजिक जागरूकता से जुड़े ऐसे



आयोजनों के महत्व पर जोर दिया। शि- विर में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मेहंदी लगवाकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

आयोजकों का कहना है कि अभियान के माध्यम से महिलाओं को सतर्क रहने, अपनी व्यक्तिगत जानकारी एवं मोबाइल नंबर साझा करते समय सावधानी बरतने तथा किसी भी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न की स्थिति में जागरूक रहने का संदेश दिया जा रहा है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्र से- विका समिति की सह नगर कार्यवाहिका सुशील राठी, मोनिका, सुषमा, रेणु, अनिता, कनिका, पंकज राठी, अंजलि, भूमि, शगुन, श्रुति, सोनाक्षी, ईशा सहित अन्य बहनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिविर में महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने अभियान को सफल बनाया।

सपा सांसद और विधायक ने सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों से फोन पर की बात

आवास पर पहुंचे लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना, गांवों में पहुंचकर लोगों से मिले दोनों जनप्रतिनिधि

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के सांसद हरेंद्र मलिक और चरथावल विधायक पंकज मलिक ने अपने आवास पर क्षेत्र से पहुंचे लोगों की जनसमस्याएं सुनीं। लोगों ने दोनों जनप्रतिनिधियों के सामने अपनी समस्याएं रखीं, जिन पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। इस दौरान कुछ समस्याओं का त्वरित समाधान भी कराया गया। जनसुनवाई के साथ ही सांसद और विधायक ने अपने-अपने क्षेत्रों के विभिन्न गांवों में पहुंचकर लोगों से मुलाकात की और उनके सुख-दुख में शामिल होकर उनका हालचाल जाना। सांसद हरेंद्र मलिक और विधायक पंकज मलिक के आवास पर क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। लोगों ने अपनी परेशानियों से दोनों जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया और संबंधित मामलों में मदद की मांग की। दोनों नेताओं ने लोगों की बातों को गंभीरता से सुना और समस्याओं की प्रकृति के अनुसार संबंधित अधिकारियों से फोन पर बातचीत की। जनसमस्याओं के निस्तारण को लेकर दोनों जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों से बातचीत कर मामलों में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। जिन समस्याओं का तत्काल समाधान संभव था, उनके निस्तारण के लिए प्रयास किए गए। लोगों की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने और उनके समाधान की दिशा में कार्रवाई कराने पर भी जोर दिया गया। जनसुनवाई के दौरान सांसद हरेंद्र



मलिक और विधायक पंकज मलिक ने लोगों की शिकायतों को सुनने के साथ ही उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से सीधे संपर्क किया। फोन पर हुई बातचीत के दौरान समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया गया और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया। इससे अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे लोगों को अपनी बात जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने का अवसर मिला। दोनों नेताओं ने लोगों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए पहल की। जनसुनवाई के माध्यम से क्षेत्र- वासियों को अपनी परेशानियां रखने का मौका मिला, वहीं अधिकारियों से बातचीत कर संबंधित मामलों में कार्रवाई कराने का प्रयास किया गया। जनसुनवाई के अलावा सांसद हरेंद्र मलिक और विधायक पंकज मलिक ने अपने-अपने क्षेत्रों के विभिन्न गांवों का दौरा भी किया। गांवों में पहुंचकर उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। इस दौरान दोनों जनप्रतिनिधि लोगों के सुख-दुख में शामिल हुए और उनसे क्षेत्र से जुड़े विषयों पर बातचीत की। गांवों में लोगों से मुलाकात करना और उनके बीच पहुंचकर उनकी बात सुनना दोनों नेताओं के कार्यक्रम का हिस्सा रहा। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से संपर्क बनाए रखा और उनके साथ संवाद किया। सांसद और विधायक की ओर से आवास पर जनसमस्याएं सुनने तथा गांवों में पहुंचकर लोगों से मिलने के कार्यक्रम के जरिए क्षेत्रवासियों के साथ सीधा संपर्क बनाए रखने का प्रयास किया गया। लोगों की शिकायतों पर अधिकारियों से बातचीत कर समस्याओं के समाधान की पहल की गई।

खतौली में मेहंदी प्रतियोगिता: छात्राओं ने दिखाई कलात्मक प्रतिभा, मुस्कान ने मारी बाजी, विजेताओं को किया सम्मानित

चौधरी हरबंस सिंह कन्या डिग्री कॉलेज में मिशन शक्ति के तहत आयोजित की गई प्रतियोगिता

खतौली (मुजफ्फरनगर)। मुबारिकपुर तिंगाई स्थित चौधरी हरबंस सिंह कन्या डिग्री कॉलेज में शासन के निर्देशानुसार 'मिशन शक्ति' अभियान के अंतर्गत मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा और हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। छात्राओं ने एक से बढ़कर एक आकर्षक मेहंदी डिजाइन बनाकर अपनी सृजनात्मक क्षमता का परिचय दिया।

कलात्मक हुनर का प्रदर्शन

प्रतियोगिता में महाविद्यालय की अनेक छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें मुख्य रूप से मुस्कान, अलीमा, वॉ- शका, प्राची, लाइबा, अरूमा और खुशी शामिल रहीं। सभी प्रतिभागियों ने अपनी कला के माध्यम से निर्णायकों को प्रभावित किया। कड़े मुकाबले के बाद मुस्कान ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी। वहीं अलीमा ने द्वितीय तथा लाइबा ने तृतीय स्थान हासिल किया।

आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण पर



जोर

प्रतियोगिता के समापन पर आयोजित सम्मान समारोह में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सारिका शर्मा ने विजेता व प्रतिभागी छात्राओं को पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने छात्राओं को पढ़ाई के साथ अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में भी आगे रहने के लिए प्रेरित किया।

समिति और शिक्षिकाओं का रहा सहयोग

कार्यक्रम का मूल उद्देश्य छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच देने के साथ-साथ समाज में महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम को सफल बनाने में मिशन शक्ति समिति की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर शिक्षिका श्रीमती रितु, श्रीमती अनुराधा, श्रीमती अंजलि, श्रीमती भव्या, श्रीमती उषा, कुमारी सोनिका, कुमारी भावना, कुमारी ज्योत्स्ना और कुमारी कामिनी सहित समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

भगवंत कॉलेज के डॉ. कावेंद्र कुमार को बड़ी जिम्मेदारी, बने मुजफ्फरनगर के वरिष्ठतम एनएसएस अधिकारी

मीरापुर। भगवंत कॉलेज आफ एजुकेशन, मुजफ्फरनगर के शिक्षा विभाग के प्रभारी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कावेंद्र कुमार यादव को मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर द्वारा जनपद मुजफ्फरनगर का राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का वरिष्ठतम कार्यक्रम अधिकारी नामित किया गया है। उन्हें यह जिम्मेदारी राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों के सुचारु संचालन, समन्वय और पर्यवेक्षण के लिए सौंपी गई है। विश्वविद्यालय द्वारा 28 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र के अनुसार, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली जनपदों में एनएसएस गतिविधियों के बेहतर संचालन के लिए वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारियों को नामित किया गया है। इसी क्रम में डॉ. कावेंद्र कुमार को मुजफ्फरनगर का दायित्व सौंपा गया है। वे जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों की एनएसएस इकाइयों के कार्यक्रम



अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने तथा सामाजिक जागरूकता, युवा सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने में भूमिका निभाएंगे। इस उपलब्धि पर संस्थान के चेयरमैन डॉ. अनिल सिंह ने डॉ. कावेंद्र कुमार यादव को बधाई दी। निदेशक डॉ. कुलभूषण गुप्ता, उपनिदेशक डॉ. पुष्पनील वर्मा, जीएम फाइनेंस ऑफिसर दुष्यंत कुमार, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. आदित्य शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी शुभकामनाएं दीं। इस नियुक्ति से संस्थान में हर्ष का माहौल है।

जिला क्रीड़ा अधिकारी ने किया प्रीति पाल को सम्मानित

एशियन गेम्स में दो रजत पदक जीतने वाली प्रीति पाल को दी शुभकामनाएं

मुजफ्फरनगर। जिले का नाम खेल जगत में रोशन करने वाली एथलीट प्रीति पाल को उनकी खेल उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। जापान में आयोजित वर्ष 2026 के एशियन गेम्स में 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने के बाद मुजफ्फरनगर लौटने पर खेल विभाग की ओर से उनके गांव हाशिमपुरा पहुंचकर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिला प्रशासन के निर्देशन में जिला क्रीड़ा अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने प्रीति पाल को पटका पहनाकर, प्रतीक चिह्न और बुके भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान मौजूद खेल विभाग के अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस सम्मान कार्यक्रम में प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने प्रीति पाल को सम्मानित किया। जापान से लौटने के बाद उनके गांव में पहुंचकर सम्मान दिए जाने को खिलाड़ी की उपलब्धियों के प्रति जिला प्रशासन और खेल विभाग के



सम्मान के रूप में देखा गया। सम्मान के दौरान प्रीति पाल को पटका पहनाया गया और प्रतीक चिह्न तथा बुके भेंट किया गया। अधिकारियों ने उनकी खेल उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, अनु- शासन और निरंतर अभ्यास से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल होती है। उनकी उपलब्धियां जिले के उभरते खिलाड़ियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। जिला प्रशासन की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, प्रीति पाल ने जापान में आयोजित 2026 एशियन गेम्स में 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में रजत पदक हासिल किए। दोनों स्पधाओं में पदक जीतना उनकी मेहनत और तैयारी को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए लगातार अभ्यास, शारीरिक क्षमता, अनुशासन और मजबूत इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण होती है। प्रीति पाल की उपलब्धि से जिले के खेल जगत में उत्साह का माहौल है। उनके सम्मान के माध्यम से खेल विभाग ने उनकी मेहनत को सराहने के साथ आगे भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने प्रीति पाल को वर्ष 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रीति पाल आगामी प्रतियोगिताओं में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगी और देश तथा जिले का नाम रोशन करेंगी। ओलंपिक जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुंचने के लिए खिलाड़ियों को लंबे समय तक कठिन अभ्यास और प्रतियोगिताओं की तैयारी करनी पड़ती है। ऐसे में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाना और उन्हें आगे की चुनौतियों के लिए प्रोत्साहित करना खेल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण माना जाता है।

चार्जशीट के नाम पर 2.25 लाख रुपये ठगने का आरोप

महिला ने एसएसपी से लगाई गुहार, थाने में संबंध होने का दावा कर आरोपी ने मांगी थी ढाई लाख रुपये की रकम

मुजफ्फरनगर। मुकदमे में फंसे पति का नाम चार्जशीट से निकलवाने और पुलिस-प्रशासन के स्तर पर मदद कराने का भरोसा देकर एक महिला से 2.25 लाख रुपये ठगने का आरोप सामने आया है। शामली जिले के थानाभवन थाना क्षेत्र के गांव मसावी निवासी रुकसार ने जटवाड़ा निवासी एक व्यक्ति पर यह गंभीर आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। महिला का कहना है कि आरोपी ने पुलिस और प्रशासन में अपने संबंध होने का दावा करते हुए उसके पति का नाम मुकदमे से निकलवाने के लिए ढाई लाख रुपये मांगे थे। भरोसे में आकर उसने अलग-अलग तारीखों में कुल 2.25 लाख रुपये दे दिए, लेकिन इसके बावजूद उसके पति का नाम चार्जशीट से नहीं हटवाया गया। रकम वापस मांगने पर आरोपी द्वारा गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। बुधवार को रुकसार ने मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने और कानूनी कार्रवाई की मांग की। शिकायत में महिला ने रकम के लेन-देन का पूरा विवरण देते हुए आरोप लगाया कि उसके पति को मुकदमे से राहत दिलाने के नाम पर पैसे लिए गए। महिला ने यह भी दावा किया कि आरोपी के साथ फोन पर हुई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग उसके पास सुरक्षित है, जिसे पुलिस को उपलब्ध कराया गया है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। रुकसार के अनुसार, उसके पति मुजम्मिल पुत्र मोहब्बत अली को थाना फुगाना में दर्ज मुकदमा संख्या 84/2026 में धारा 109 बीएनएस के तहत आरोपी बनाया गया था। महिला का दावा है कि उसके पति को झूठे मुकदमे में



फंसाया गया था और वह इस मामले को लेकर काफी परेशान था। पति को कानूनी राहत दिलाने की उम्मीद में वह दो अगस्त 2026 को अपने गांव के प्रधान इसरार और अपने जेठ के साथ थाना फुगाना पहुंची थी। महिला ने शिकायत में बताया कि थाने के बाहर उसकी मुलाकात मुजम्मिल निवासी गांव जटवाड़ा, थाना ककरौली, जिला मुजफ्फरनगर से हुई। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने अपने थाने में संबंध होने की बात कही और भरोसा दिलाया कि वह उसके पति का नाम मुकदमे से निकलवा देगा। महिला के अनुसार, इसी मदद के नाम पर आरोपी ने प्रशासन के लिए ढाई लाख रुपये की मांग की। शिकायत के मुताबिक, पति को मुकदमे से राहत दिलाने की उम्मीद में रुकसार ने आरोपी को अलग-अलग तारीखों में रकम दी। महिला ने प्रार्थना पत्र में भुगतान का विवरण भी दिया है। आरोप है कि 3 अगस्त 2026 को दो लाख रुपये नकद दिए गए। इसके बाद 4 अगस्त को 20 हजार रुपये ऑनलाइन माध्यम से भेजे गए और 6 अगस्त को पांच हजार रुपये और दिए गए। इस प्रकार महिला के अनुसार, आरोपी को कुल 2 लाख 25 हजार रुपये दिए गए। रुकसार का कहना है कि उसने यह रकम इस भरोसे पर दी थी कि आरोपी उसके पति का नाम चार्जशीट से निकलवा देगा और मुकदमे में मदद कराएगा। लेकिन रकम देने के बाद भी जब उसके पति को राहत नहीं मिली और चार्जशीट से नाम हटने की बात पूरी नहीं हुई तो उसे अपने साथ धोखाधड़ी होने का संदेह हुआ। रुकसार ने आरोप लगाया कि जब उसने आरोपी से अपने पैसे वापस मांगे तो उसने रकम लौटाने से इनकार कर दिया। महिला के मुताबिक, आरोपी ने कथित तौर पर कहा कि प्रशासन के लोगों ने पैसा आपस में बांट लिया है और अब कोई रकम वापस नहीं मिलेगी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसके बाद जब भी उसने अपने पैसे वापस लेने की बात कही तो आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। महिला ने इस पूरे मामले की जांच कराने तथा कथित धमकी के संबंध में भी उचित कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत में प्रशासन के नाम पर रकम मांगने और पैसे वापस नहीं करने के आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों के संबंध में संबंधित अधिकारियों या आरोपी का पक्ष सामने नहीं आया है।

एआईएमआईएम से निष्कासित होने के बाद कांग्रेस का दामन थामेंगे अरशद राना

30 अक्टूबर को दिल्ली में लेंगे सदस्यता, मीरापुर विधानसभा सीट से पूर्व प्रत्याशी समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल होने की तैयारी

मुजफ्फरनगर। जिले की राजनीति में एआईएमआईएम से जुड़े घटनाक्रम के बाद हलचल तेज हो गई है। मीरापुर विधानसभा सीट से पूर्व प्रत्याशी और पार्टी के उत्तर प्रदेश सचिव रहे अरशद राना को एआईएमआईएम ने छह वर्ष के लिए प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित करने का पत्र जारी किया है। इस कार्रवाई के बाद अरशद राना ने कांग्रेस में शामिल होने का ऐलान किया है। उन्होंने घोषणा की है कि वह 30 अक्टूबर को अपने समर्थकों के साथ दिल्ली पहुंचकर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करेंगे। पार्टी से निष्कासन और कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा के बीच यह घटनाक्रम मुजफ्फरनगर के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। एआईएमआईएम के मुजफ्फरनगर महानगर अध्यक्ष मास्टर खालिद की ओर से जारी निष्कासन पत्र पर 27 अक्टूबर 2026 की तारीख अंकित है। पत्र में अरशद राना के खिलाफ पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के विरुद्ध काम करने, पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने, संगठन को नुकसान पहुंचाने तथा पदाधिकारियों के प्रति अनुशासनहीन व्यवहार करने की शिकायतों का उल्लेख किया गया है। पत्र के अनुसार, इन शिकायतों की समीक्षा के बाद अरशद राना को तत्काल प्रभाव से छह वर्ष के लिए पार्टी की प्राथमिक



सदस्यता से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया। दूसरी ओर, अरशद राना ने पार्टी छोड़ने के पीछे उत्तर प्रदेश संगठन के कुछ नेताओं के रवैये को वजह बताया है। उनका कहना है कि उन्होंने बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी की विचारधारा को आगे बढ़ाने और पार्टी को मजबूत करने के लिए मेहनत की, लेकिन इसके बावजूद उनसे ऐसे सवाल किए गए, जिनसे वह आहत हुए। अरशद राना ने ओवैसी के प्रति सम्मान जताते हुए पार्टी के कुछ नेताओं पर उनकी छवि खराब करने का आरोप भी लगाया है। एआईएमआईएम के मुजफ्फरनगर महानगर अध्यक्ष मास्टर खालिद की ओर से जारी पत्र में अरशद राना को संबोधित करते हुए कहा गया है कि उनके खिलाफ पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के विरुद्ध काम करने तथा संगठनात्मक अनुशासन का पालन नहीं करने संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई थीं। पत्र में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने, संगठन को नुकसान पहुंचाने और पदाधिकारियों के प्रति अनुशासनहीन व्यवहार करने के आरोपों का भी उल्लेख किया गया है। पत्र के मुताबिक, शिकायतों की समीक्षा करने के बाद अरशद राना को छह वर्ष के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित करने का फैसला लिया गया। इसमें यह भी कहा गया है कि निष्कासन की अवधि के दौरान वह पार्टी के नाम, पद, प्रतीक अथवा मंच का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। इस कार्रवाई के बाद अरशद राना के राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

हालांकि, निष्कासन पत्र में दर्ज आरोप पार्टी की ओर से दिए गए कारण हैं। वहीं, अरशद राना ने अपने बयान में संगठन के कुछ नेताओं के व्यवहार को अपनी नाराजगी की प्रमुख वजह बताया है।

रेलवे स्टेशन के पास लगा वाल्मीकि चौक का बोर्ड, नामकरण की बहस फिर गरमाई

नॉवेल्टी चौक पर महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा लगाने और नामकरण की मांग के बीच नया घटनाक्रम

मुजफ्फरनगर। शहर में महर्षि भगवान वाल्मीकि के नाम पर चौक के नामकरण को लेकर चल रही बहस के बीच देर रात रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक चौराहे पर ह्यवाल्मीकि चौकह्न का बोर्ड लगाए जाने की सूचना सामने आई है। इस घटनाक्रम ने शहर में चौक के नामकरण और महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा स्थापित करने की मांग को लेकर चल रही चर्चा को फिर तेज कर दिया है। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है, जब नॉवेल्टी चौक का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखने की मांग और वाल्मीकि जयंती के कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा जारी है। रेलवे स्टेशन के पास चौराहे पर देर रात बोर्ड लगाए जाने की खबर के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि बोर्ड किसके द्वारा लगाया गया और क्या इसके लिए संबंधित विभाग से अनुमति ली गई थी। फिलहाल बोर्ड लगाए जाने के पीछे की पूरी परिस्थितियों और प्रशासनिक स्थिति की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। नॉवेल्टी चौक का नाम महर्षि भगवान वाल्मीकि के नाम पर रखने और वहां उनकी प्रतिमा स्थापित करने की मांग पहले से चर्चा में रही है। वाल्मीकि समाज के लोगों की ओर से महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में चौक का नामकरण करने की मांग उठाई जाती रही है। इस मांग को लेकर आयोजित कार्यक्रमों और सार्वजनिक मंचों पर भी मामला सामने आया है। महर्षि वाल्मीकि को रामायण के रचयिता के रूप में सम्मान दिया जाता है। ऐसे में उनके नाम पर चौक का नामकरण करने की मांग को समाज के लोग सम्मान और पहचान से जोड़कर देखते हैं। दूसरी ओर, किसी सार्वजनिक चौराहे का नाम बदलने या नया नाम निर्धारित करने के लिए संबंधित स्थानीय निकाय और प्रशासनिक प्रक्रिया का पालन भी महत्वपूर्ण होता है। इसी पृष्ठभूमि में रेलवे स्टेशन के पास चौराहे पर ह्यवाल्मीकि चौकह्न का बोर्ड लगाए जाने का घटनाक्रम चर्चा में आया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि बोर्ड लगाने की कार्रवाई किसी औपचारिक निर्णय के



तहत की गई या स्थानीय स्तर पर किसी समूह ने इसे लगाया। चौक के नामकरण का मुद्दा वाल्मीकि जयंती के कार्यक्रम के दौरान भी चर्चा में आया था। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा के बीच माइक को लेकर तीखी नोकझोंक होने की खबर सामने आई थी। इस घटनाक्रम के बाद नामकरण और प्रतिमा स्थापना की मांग को लेकर चल रही बहस को और चर्चा मिली। कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद ने इस मुद्दे को सामाजिक मांग के साथ-साथ राजनीतिक चर्चा का विषय भी बना दिया। दोनों नेताओं के बीच हुई नोकझोंक के बाद चौक के नामकरण को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आने की बात कही गई। ऐसे में रेलवे स्टेशन के पास बोर्ड लगाए जाने की नई सूचना को भी इसी घटनाक्रम के संदर्भ में देखा जा रहा है। हालांकि, बोर्ड लगाने वालों और वाल्मीकि जयंती के कार्यक्रम में शामिल लोगों के बीच किसी प्रत्यक्ष संबंध की पुष्टि नहीं हुई है। महर्षि वाल्मीकि के नाम पर चौक का नामकरण पहले भी विवाद और चर्चा का विषय बन चुका है। अक्टूबर 2025 में मीनाक्षी चौक पर ह्यमहर्षि वाल्मीकि चौकह्न लिखे होर्डिंग लगाए जाने का मामला सामने आया था। उस समय नगर पालिका प्रशासन की ओर से होर्डिंग हटवाए जाने की खबर भी आई थी। इस घटनाक्रम के बाद चौक के नामकरण की मांग और प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर चर्चा हुई थी। पिछले घटनाक्रम और अब रेलवे स्टेशन के पास बोर्ड लगाए जाने की सूचना के बीच यह मुद्दा फिर सामने आया है। हालांकि, दोनों घटनाओं को एक ही कार्रवाई का हिस्सा मानने या इनके पीछे एक ही संगठन अथवा व्यक्ति के होने की पुष्टि नहीं हुई है। रेलवे स्टेशन के पास चौराहे पर वाल्मीकि चौक का बोर्ड लगाए जाने के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल इसकी आधिकारिक स्थिति को लेकर है। क्या नगर पालिका ने इस चौराहे का नामकरण वाल्मीकि चौक करने का कोई प्रस्ताव पारित किया है? क्या संबंधित विभाग से बोर्ड लगाने की अनुमति ली गई थी? और क्या प्रशासन इस नामकरण को आधिकारिक मान्यता देता है?

आधी रात रामपुर तिराहा चौकी पर एसएसपी की दस्तक, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

मुजफ्फरनगर। जनपद में कानून-व्यवस्था और रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने देर रात रामपुर तिराहा पुलिस चौकी का आकस्मिक निरीक्षण किया। मंगलवार की मध्यरात्रि थाना छपार क्षेत्र की चौकी पर पहुंचे एसएसपी ने पुलिसकर्मियों की उपस्थिति, ड्यूटी व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि रात के समय ड्यूटी में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी से काम करें। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने चौकी पर तैनात पुलिस बल की स्थिति का जायजा लेते हुए ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी अपने निर्धारित ड्यूटी स्थल पर सतर्क रहें और क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों पर लगातार नजर



बनाए रखें। सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी और चेकिंग जरूरी है। एसएसपी सूरज कुमार राय ने पुलिसकर्मियों को संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की प्रभावी चेकिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न किया जाए। चेकिंग के दौरान सतर्कता बरतते हुए आवश्यकतानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने क्षेत्र में रात्रि गश्त को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और मुस्तैदी के साथ करें।

शिव चौक पर लगा भीषण जाम -वाहनों की लंबी कतारों में फंसे राहगीर, घंटों तक रेंगता रहा यातायात

मुजफ्फरनगर। शहर के सबसे प्रमुख और व्यस्त चौराहों में शामिल शिव चौक पर लगे लंबे जाम ने राहगीरों और वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा दी। चौराहे पर वाहनों का दबाव बढ़ने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई और सड़क पर वाहनों की कतारें लग गईं। जाम की स्थिति के चलते लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। जरूरी काम से घरों से निकले लोगों को भी रास्ते में रुकना पड़ा, जबकि वाहन चालकों को भीड़ के बीच से निकलने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। शहर के प्रमुख मार्गों को जोड़ने वाले शिव चौक पर यातायात बाधित होने से आम लोगों की आवाजाही प्रभावित रही। शिव चौक मुजफ्फरनगर शहर का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां से शहर के बाजारों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और विभिन्न मोहल्लों की ओर जाने वाले लोगों का लगातार आवागमन रहता है। इसी वजह से इस चौराहे पर यातायात का दबाव भी अधिक



रहता है। ऐसे में जब यहां वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है तो इसका असर केवल चौराहे तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आसपास के मार्गों पर भी वाहनों की गति धीमी पड़ जाती है। शिव चौक पर लगे जाम के कारण वाहन चालकों को आगे बढ़ने के लिए इंतजार करना पड़ा और राहगीरों को भी रास्ता पार करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शिव चौक पर जाम लगने से चौराहे से गुजरने वाले वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भीड़ के बीच से निकलने में परेशानी हुई। चौराहे पर एक साथ अधिक संख्या में वाहन पहुंचने के कारण यातायात का दबाव बढ़ गया, जिससे वाहनों को आगे निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल सकी। इस स्थिति में वाहन चालकों को बार-बार रुकना पड़ा और काफी देर तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। जाम के दौरान जल्द निकलने की कोशिश कर रहे वाहन चालकों की मुश्किलें और बढ़ गईं। चौराहे से गुजरने वाले लोगों को यह समझने में भी परेशानी हुई कि किस दिशा से आगे बढ़ना आसान रहेगा। वहीं, पैदल सड़क पार करने वाले राहगीरों को भी वाहनों के बीच से निकलने में सावधानी बरतनी पड़ी। व्यस्त चौराहे पर यातायात की गति धीमी होने से लोगों का समय भी बर्बाद हुआ। जाम का सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ा, जो अपने जरूरी काम से घरों से निकले थे। नौकरीपेशा लोगों, दुकानदारों, खरीदारी करने आए लोगों और दूसरे कामों से शहर में आवागमन करने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वाहन चालकों को उम्मीद थी कि कुछ ही देर में रास्ता साफ हो जाएगा, लेकिन वाहनों की लंबी कतारों के कारण आगे बढ़ना आसान नहीं रहा। शहर के प्रमुख चौराहे पर जाम लगने से लोगों को अतिरिक्त समय खर्च करना पड़ा। जिन लोगों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचना था, उनकी परेशानी और बढ़ गई। कई वाहन चालक भीड़ के बीच से निकलने का रास्ता तलाशते दिखाई दिए। वहीं, राहगीरों को भी सड़क पार करने के लिए वाहनों के बीच जगह मिलने का इंतजार करना पड़ा।

मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण कर एसपी क्राइम ने परखी व्यवस्था

मीरापुर थाने में अभिलेखों की बारीकी से जांच, महिलाओं की समस्याएं संवेदनशीलता से सुनकर त्वरित कार्रवाई करने पर जोर

मुजफ्फरनगर। बालिकाओं की सुरक्षा तथा उनकी शिकायतों के प्रभावी निस्तारण को लेकर पुलिस विभाग ने मिशन शक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली की समीक्षा शुरू की है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ ने मीरापुर थाने में संचालित मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध अभिलेखों की बारीकी से जांच की और वहां संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक अपराध ने स्पष्ट किया कि मिशन शक्ति केंद्र पर अपनी समस्याएं लेकर पहुंचने वाली महिलाओं और बालिकाओं की शिकायतों को गंभीरता तथा संवेदनशीलता के साथ सुना जाए। शिकायतों के निस्तारण में तत्परता बरती जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि पीड़िताओं को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी जानसठ, थाना प्रभारी मीरापुर और मिशन शक्ति केंद्र पर नियुक्त पुलिसकर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों की



मौजूदगी में केंद्र के अभिलेखों और वहां किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ ने मिशन शक्ति केंद्र पर रखे गए अभिलेखों का गहनता से अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र से संबंधित रिकॉर्ड को अद्यतन और व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए, ताकि शिकायतों से जुड़ी जानकारी आवश्यकता पड़ने पर आसानी से उपलब्ध हो सके और कार्रवाई की प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। मिशन शक्ति केंद्रों पर महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित शिकायतों को सुनने तथा उनके समाधान की दिशा में कार्रवाई की जाती है। ऐसे में शिकायतों का सही विवरण दर्ज करना, संबंधित अभिलेखों को व्यवस्थित रखना और की गई कार्रवाई का रिकॉर्ड सुरक्षित रखना महत्वपूर्ण है। निरीक्षण के दौरान इन व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। पुलिस अधीक्षक अपराध ने संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि केंद्र पर होने वाले कार्यों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाए और अभिलेखों के रखरखाव में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। पुलिस अधीक्षक अपराध ने कहा कि मिशन शक्ति केंद्र पर आने वाली महिलाओं और बालिकाओं की समस्याओं को संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ सुना जाना चाहिए। शिकायतकर्ता की बात को पूरा सुनकर मामले की प्रकृति के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने महिला सुरक्षा से जुड़ी शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करने और उनके निस्तारण में अनावश्यक देरी से बचने के निर्देश दिए। साथ ही, पुलिसकर्मियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि शिकायत लेकर आने वाली महिलाओं और बालिकाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। महिला संबंधी मामलों में संवेदनशीलता का विशेष महत्व होता है। इसलिए शिकायत सुनने से लेकर उसके समाधान तक पुलिसकर्मियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए। निरीक्षण के दौरान इसी दृष्टिकोण के अनुरूप केंद्र की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों तथा सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए।

जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई: एडीएम

असंतुष्ट शिकायतकताओं से बात करने के बाद ही अपलोड करें आख्या

मुजफ्फरनगर। जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को अब अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करना होगा। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारित करने और शिकायतकताओं की संतुष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। असंतुष्ट फीडबैक वाले मामलों में शिकायतकर्ता से संपर्क कर बातचीत करने के बाद ही निस्तारण की आख्या अपलोड कराने को कहा गया है। इसके साथ ही सीएम डैशबोर्ड पर खराब श्रेणी में रहने वाले संकेतकों में सुधार लाने और कर-करेत्तर की वसूली में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिला पंचायत सभागार में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह की अध्यक्षता में आईजीआरएस, सीएम डैशबोर्ड और कर-करेत्तर से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों से जनशिकायतों की स्थिति, उनके निस्तारण की गुणवत्ता, शिकायतकताओं के फीडबैक और राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी गंभीर सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता के अनुरूप



किसी भी जनशिकायत या जनसमस्या को डिफाल्टर की श्रेणी में पहुंचने से पहले निस्तारित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त संदर्भों का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए। केवल औपचारिकता पूरी करने के लिए शिकायत का निस्तारण न दिखाया जाए, बल्कि उसके समाधान की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या अनावश्यक देरी से संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है। इसलिए सभी अधिकारी अपने विभाग में लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी शिकायत निर्धारित समयसीमा से आगे न बढ़े। लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में शिकायतकताओं के फीडबैक को विशेष महत्व दिया गया।

एडीएम ने निर्देश दिए कि जिन शिकायतों पर असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हुआ है, उनका निस्तारण दिखाने से पहले शिकायतकर्ता से संपर्क किया जाए और उससे बातचीत कर समस्या की स्थिति समझी जाए।

इसके बाद ही निस्तारण से संबंधित आख्या पोर्टल पर अपलोड कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए निस्तारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखी जाए। संबंधित विभाग शिकायत के वास्तविक समाधान पर ध्यान दें, ताकि शिकायतकर्ता को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके।

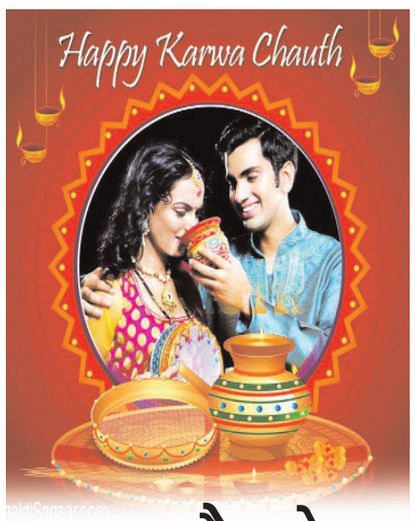
1.01 करोड़ रुपये की साइबर ठगी, गिरोह का एक और सदस्य गिरफ्तार

साइबर क्राइम पुलिस की कार्रवाई, ठगी की रकम में से 27.29 लाख रुपये कराए गए फ्रीज, मामले में अब तक सात आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। सोशल मीडिया पर दोस्ती कर भावनात्मक संबंध बनाने, ऑनलाइन निवेश में भारी मुनाफे का लालच देने और फर्जी ट्रेडिंग वेबसाइट पर करोड़ों रुपये का लाभ दिखाकर एक व्यक्ति से 1 करोड़ 1 लाख 2 हजार रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में मुजफ्फरनगर साइबर क्राइम पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने गिरोह के एक आरोपी फुजैल उर्फ फैजुल निवासी गंगोह, जनपद सहारनपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में अब तक कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, ठगी गई रकम में से 27 लाख 29 हजार रुपये फ्रीज कराए गए हैं और यह धनराशि पीड़ित के खाते में वापस कराने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस के अनुसार, साइबर ठगी का यह मामला सोशल मीडिया पर दोस्ती के जरिए विश्वास जीतने और फिर निवेश के नाम पर बड़ी रकम हड़पने से जुड़ा है। आरोपियों ने पीड़ित को ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश में अधिक लाभ मिलने का भरोसा दिलाया। इसके लिए उसे डीजीएक्ससी नामक वेबसाइट पर



निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया। शुरूआत में वेबसाइट पर मुनाफा दिखाकर पीड़ित का विश्वास जीता गया, लेकिन जब उसने अपनी रकम निकालने का प्रयास किया तो उससे अलग-अलग बहाने बनाकर और पैसे जमा कराने को कहा गया। साइबर क्राइम थाना प्रभारी कर्मवीर सिंह ने बताया कि मुकदमे के वादी को फेसबुक पर एक फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली थी। रिक्वेस्ट भेजने वाली ने अपनी पहचान गीतिका कपूर उर्फ ह्यजीजीह्न के रूप में बताई। बातचीत बढ़ने के साथ कथित तौर पर विश्वास और भावनात्मक संबंध बनाए गए। इसके बाद पीड़ित को ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश के जरिए अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया गया। आरोप है कि पीड़ित को डीजीएक्ससी नामक वेबसाइट पर निवेश करने के लिए तैयार किया गया। उसे व्हाट्सऐप समूह से भी जोड़ा गया, जहां निवेश और मुनाफे से संबंधित जानकारी साझा की जाती थी। वेबसाइट पर कथित तौर पर लगातार बढ़ता हुआ लाभ दिखाया गया, जिससे पीड़ित को लगा कि उसके निवेश पर अच्छा रिटर्न मिल रहा है। पुलिस के मुताबिक, इसी तरह पीड़ित का भरोसा जीतकर अलग-अलग तारीखों में विभिन्न बैंक खातों में कुल 1,01,02,000 रुपये जमा कराए गए। बाद में जब पीड़ित ने अपनी रकम निकालने की कोशिश की तो उसे नए-नए बहानों से रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस के अनुसार, फर्जी निवेश वेबसाइट पर पीड़ित को करोड़ों रुपये का लाभ दिखाया गया था। इस कथित मुनाफे को देखकर पीड़ित को अपनी रकम और बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। लेकिन जब उसने निवेश की गई धनराशि निकालनी चाही तो आरोपियों ने ह्यफाइनल वेरिफिकेशनह्न, ह्यडेटा रिपेयरिंगह्न और ह्यएंटी मनी लॉन्ड्रिंग प्रोसेसह्न जैसे नामों का सहारा लिया। आरोप है कि इन प्रक्रियाओं को पूरा कराने के नाम पर पीड़ित से लगातार अतिरिक्त रकम जमा कराने का दबाव बनाया गया। इस तरह निवेश से मिलने वाले मुनाफे का लालच देकर पहले रकम जमा कराई गई और फिर निकासी के समय नई शर्तें सामने रख दी गईं। साइबर ठगी के इस मामले में पुलिस ने लोगों को आगाह किया है कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दोस्ती करने और उनके कहने पर किसी वेबसाइट या बैंक खाते में निवेश करने से पहले पूरी सावधानी बरतें। वेबसाइट पर दिखने वाला मुनाफा वास्तविक होने की गारंटी नहीं है। मुजफ्फरनगर पुलिस की ओर से 28 अक्टूबर 2026 को जारी प्रेस नोट के अनुसार, साइबर क्राइम थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फुजैल उर्फ फैजुल पुत्र जियाउलहक निवासी कस्बा व थाना गंगोह, जनपद सहारनपुर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण तथा पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ, क्षेत्राधिकारी अपराध सुभाष चन्द्र और साइबर क्राइम थाना प्रभारी कर्मवीर सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम ने मामले में आरोपी की गिरफ्तारी कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। पुलिस के अनुसार, इस प्रकरण में इससे पहले भी कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मामले की विवेचना के दौरान विभिन्न आरोपियों की भूमिका और धनराशि के लेन-देन की जांच की जा रही है। पुलिस के प्रेस नोट में बताया गया है कि इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अब्दुल कादीर निवासी गंगोह, मोहम्मद आकिब अली निवासी अलीगढ़, निखिल त्रिपाठी निवासी इंदौर, बलवंत जायसवाल निवासी छत्तीसगढ़, मोहित कुमार निवासी दिल्ली और शहनवाज उर्फ गुड्डू निवासी गंगोह शामिल हैं।



करवा चौथ के दिन इस मुहूर्त में करें सरगी

सुहागिन महिलाओं और अविवाहित लड़कियों के लिए करवा चौथ के पर्व का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत के पुण्य प्रताप से विवाहित महिलाओं को अखंड सुहाग की प्राप्ति होती है और पति की लंबी आयु होती है। इस दिन सरगी की परंपरा को निभाया जाता है। सरगी सास अपनी बहु को देती है। हिंदू पंचांग अनुसार, करवा चौथ का पर्व कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर मनाया जाता है। इस त्योहार का सुहागिन महिलाओं और अविवाहित लड़कियों को बेसब्री से इंतजार रहता है। इस व्रत को निर्जला किया जाता है। रात को चंद्र दर्शन करने के बाद व्रत का पारण किया जाता है। इस व्रत की शुरुआत सुबह सरगी से होती है। व्रत में सरगी का विशेष महत्व है।

सरगी की परंपरा

करवा चौथ व्रत का आरंभ सूर्योदय से पहले सरगी खाने से होता है। इसे सास अपनी बहू के लिए तैयार करती हैं। इसमें फल, मेवे, मिठाई और पराठे शामिल होते हैं, जिससे पूरे दिन निर्जला व्रत रखने की शक्ति मिलती है। सरगी के बाद पूरे दिन निर्जला उपवास रखा जाता है और रात को चंद्रोदय के बाद महिलाएं करवे (मिट्टी के पात्र) से जल अर्पित कर व्रत खोलती हैं।

सरगी में क्या शामिल करें?

करवा चौथ की सरगी में फलों को शामिल करना चाहिए। जैसे- सेब, केला, अंगूर, पपीता आदि। इसके अलावा सूखे मेवे, हलवा, मिठाई, दूध और दही समेत आदि चीजों को शामिल किया जा सकता है।

सरगी का महत्व

करवा चौथ के दिन सरगी की थाली में शामिल चीजों का सेवन ब्रह्म मुहूर्त में करना चाहिए। मान्यता है कि इस समय देवी-देवता पृथ्वी लोक पर विचरण करते हैं, जिसकी वजह से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस दौरान जो चीज हम खाते हैं, तो वह हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह करती हैं।

पूजा का शुभ मुहूर्त

करवा चौथ के दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त का विशेष महत्व माना जाता है। साल 2026 में पूजा का शुभ समय शाम 5 बजकर 38 मिनट से 6 बजकर 56 मिनट तक बताया जा रहा है। इस दौरान महिलाएं करवा माता की पूजा कर सकती हैं।

कब चांद निकलेगा

करवा चौथ के व्रत में चंद्रमा के दर्शन का विशेष महत्व होता है। पंचांग के अनुसार, 29 अक्तूबर 2026 को चंद्रोदय रात करीब 8 बजकर 17 मिनट पर होने की संभावना है। इसके बाद आप अपने व्रत का पारण कर सकती हैं।



मधुर प्यार और अखंड सुहाग का मंगल पर्व- करवा चौथ

पति की दीर्घायु और मंगल-कामना हेतु सुहागिन नारियों का यह महान पर्व है। करवा (जल पात्र) द्वारा कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को चन्द्रमा को अरघ्य देकर पारण (उपवास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को चन्द्रमा को अरघ्य देकर पारण उपवास के बाद का पहला भोजन) करने का विधान होने से इसका नाम करवा चौथ है।

करवा चौथ और करक चतुर्थी पर्याय है। चन्द्रोदय तक निर्जल उपवास रखकर पुण्य संचय करना इस पर्व की विधि है। चन्द्र दर्शनोपरांत सास या परिवार में ज्येष्ठ श्रद्धेय नारी को बायना देकर 'सदा सौभाग्यवती भव' का आशीर्वाद लेना व्रत की पहचान है। सुहागिन नारी का पर्व होने के नाते यथासंभव और यथाशक्ति न्यूनाधिक सोलह श्रृंगार से अलंकृत होकर सुहागिन अपने अंत:करण के उल्लास को प्रकट करती है। पति चाहे जैसा हो पर पत्नी इस पर्व को मनाएगी अवश्य। पत्नी का पति के प्रति यह समर्पण दूसरे किसी धर्म या संस्कृति में कहां? पुण्य प्राप्ति के लिए किसी पुण्यतिथि में उपवास करने या किसी उपवास के कर्मानुष्ठान द्वारा पुण्य-संचय करने के संकल्प को व्रत कहते हैं। व्रत और उपवास द्वारा शरीर को तपाना तप है। व्रत धारण कर, उपवास रखकर पति की मंगल कामना सुहागिन का तप है। तप द्वारा सिद्धि प्राप्त करना पुण्य का मार्ग है इसीलिए सुहागिन करवा चौथ का व्रत धारण कर उपवास रखती है। ब्रह्म मुहूर्त से चन्द्रोदय तक जल-भोजन कुछ भी ग्रहण न करना करवा चौथ का मूल विधान है। वस्तुत: भारतीय पर्वों में विविधता का इन्द्रधनुषीय सौंदर्य है। इस पर्व के मनाने, व्रत रखने, उपवास करने में मायके से खाद्य पदार्थ भेजने, न भेजने आदि की रूढ़िवादी परंपराएं अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्नता के साथ प्रचलित हैं।

बायना देने-लेने, करवे का आदान-प्रदान करने, बुजुर्ग महिला से आशीर्वाद लेने-देने की सारी मान्यताएं अलग-अलग क्षेत्रों, जातियों/वर्णों में भले ही भिन्न हों, परंतु सभी का उद्देश्य एक ही है और वह है- पति का मंगल।

पश्चिमी सभ्यता में निष्ठा रखने वाली सुहागिनों के लिए यह पर्व एक मार्गदर्शिका है। एक निर्देशिका है। वस्तुत: हिन्दू संस्कृति आदर्शों व श्रेष्ठताओं से परिपूर्ण एक ऐसी संस्कृति है? जिसमें पारलौकिकता व आध्यात्मिकता की महत्ता है। चूंकि हिन्दू संस्कृति में पति-पत्नी का संबंध 7 जन्मों का होता है इसीलिए व्रत-उपवास, पूजन-अर्चन इस जन्म-जन्मांतर के संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं। करवा चौथ व्रत पालन के महत्व के बारे में कुछ इस प्रकार से अभिव्यक्ति दी गई है-

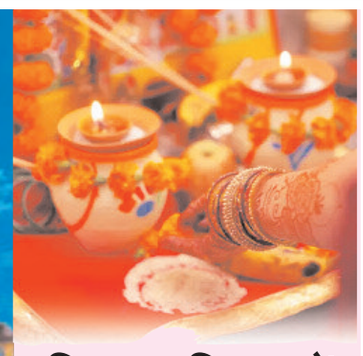
व्रतेन दीक्षामाप्नोति
दीक्षायाप्नोति दक्षिणाम।
दक्षिणा श्रद्धामाप्नोति
श्रद्धया सत्यमाप्यते।

अर्थात व्रत से दीक्षा प्राप्त होती है। दीक्षा से दक्षिणा प्राप्त होती है। दक्षिणा से श्रद्धा प्राप्त होती है। श्रद्धा से सत्य की प्राप्ति होती है।।

वस्तुत: पति अपनी पत्नी की श्रद्धा व आस्था देखकर कुछ इस तरह से अभिभूत हो जाता है कि वह पत्नी व बच्चों के प्रति उत्तरदायित्व निर्वाह के लिए कहीं अधिक संकल्पवान व निष्ठावान हो जाता है। हर सुहागिन अन्न-जल का परित्याग कर चांद की छवि दर्पण में देखकर और फिर अपने पति का मुखड़ा देखकर ईश्वर से यही मनौती मांगती है कि दीपक मेरे सुहाग का जलता रहे। कभी चांद तो कभी सूरज बनकर निकलता रहे। हर भारतीय नारी अपनी सांस्कृतिक मान्यताओं, आदर्शों व परंपराओं पर गर्व करती है। करवा चौथ पर हर सुहागिन का हृदय अपने पति के लिए लंबी उम्र की दुआ मांगने लगता है।







किन महिलाओं को नहीं रखना चाहिए करवा चौथ का व्रत?

करवा चौथ हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए निर्जला उपवास रखती हैं। महिलाएं इस दिन शाम को चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही अपना व्रत खोलती हैं। हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का त्योहार मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल 29 अक्तूबर को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। इस व्रत को करते समय कई नियमों का पालन करना जरूरी होता है। हालांकि यह व्रत सभी महिलाओं को करना चाहिए, लेकिन कुछ स्थितियों में स्त्रियों को यह व्रत नहीं करना चाहिए। ऐसे में आइए जानते हैं किन महिलाओं को करवा चौथ का व्रत नहीं करना चाहिए।

गर्भवती महिलाएं

करवा चौथ के पर्व हर सुहागिन महिला के लिए बहुत महत्व रखता है, लेकिन गर्भावस्था के दौरान शरीर को अधिक पोषण की जरूरत होती है। वहीं करवा चौथ के व्रत में पूरे दिन कुछ भी खाना या पीना वर्जित होता है। ऐसे में गर्भवती महिलाओं को करवा चौथ का व्रत नहीं करने की सलाह दी जाती है। गर्भावस्था में भूखे रहना बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए ऐसे में महिलाओं को करवा चौथ का व्रत नहीं रखना चाहिए।

कुंवारी लड़कियां

करवा चौथ सुहाग का पर्व है। शास्त्रों के अनुसार, इस व्रत को केवल सुहागिनों को ही रखना चाहिए। यह व्रत पति की लंबी उम्र के लिए रखा जाता है। इसलिए कुंवारी लड़कियों को करवा चौथ का व्रत नहीं रखना चाहिए।

मासिक धर्म के दौरान

मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को कोई भी पूजा-पाठ नहीं करनी चाहिए। इस दौरान महिलाओं को अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि इस दौरान महिलाएं करवा चौथ का व्रत रख सकती हैं, लेकिन पूजा नहीं करनी चाहिए।

कमजोर या अस्वस्थ महिलाएं

अगर कोई महिला किसी तरह की बीमारी से ग्रस्त है या कमजोर है। ऐसी स्थिति में भी महिलाओं को करवा चौथ का व्रत नहीं रखना चाहिए। ऐसे में महिलाओं को अपनी सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए।



करवा चौथ की पूजा के बाद करवा का क्या करें?

दिवाली से ठीक 12 दिन पहले करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है. हिंदू धर्म में करवाचौथ व्रत का बड़ा महत्व है. इस वर्ष करवा चौथ 29 अक्टूबर को पड़ रहा है. मान्यताओं के अनुसार, इस दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना से दिनभर निर्जला व्रत करती हैं. करवा चौथ को लेकर लोगों में कई सवाल भी होते हैं. ऐसा ही एक सवाल है कि, करवा चौथ की पूजा के बाद करवा का क्या करें?

कई लोग करवा चौथ की पूजा के बाद करवा को इधर-उधर फेंक देते हैं, लेकिन ऐसा करने से माता गौरी नाराज होती है और आपको उनके प्रकोप का सामना करना पड़ सकता है. ऐसे में करवा को भूलकर भी इधर-उधर न फेंके.

नदी में प्रवाहित करें - धार्मिक मान्यता के मुताबिक करवा चौथ की पूजा के बाद मिट्टी के करवा को पवित्र नदी या साफ तालाब में प्रवाहित करना चाहिए. करवा को प्रवाहित करते समय या फिर पेड़ के नीचे रखते समय ध्यान रखें की यह कहीं से भी टूटे या खंडित न हो.

पवित्र पेड़ के नीचे रखें - अगर आप करवा को प्रवाहित नहीं कर सकते हैं, तो आप इसे पूजा के बाद किसी पवित्र पेड़ जैसे की पीपल, नीम, आम और बरगद के नीचे रख सकते हैं. ऐसा करना भी शुभ होता है.

अगली साल के लिए रखें - कई लोग करवा चौथ की पूजा के बाद करवा को पूरे 1 साल तक संभालकर रखते हैं. अगर आप भी ऐसा ही करते हैं, तो ध्यान रखें कि इसे घर में किसी ऐसी जगह पर ही रखें जो साफ हो.

करवा चौथ व्रत के दौरान न करें ये काम

- करवा चौथ व्रत वाले दिन सुहागिनें अपने श्रृंगार में सफेद और काले रंग की वस्तु का प्रयोग न करें। सुहागिन महिलाएं यदि करवा चौथ पर इन रंगों का उपयोग करती हैं तो उनके जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है।
- करवा चौथ पर पूजा के बाद जब भी कोई श्रृंगार की वस्तु बच जाती हैं, तो उसे इधर उधर न फेंकें, बल्कि उसे किसी पवित्र नदी में प्रवाहित करें।
- इस दिन धारदार चीजों के इस्तेमाल से बचें। साथ ही किसी से कोई भी मनमुटाव न रखें और अपशब्द न कहें।
- व्रत पारण करने के बाद तामसिक भोजन ग्रहण न करें।

महिलाएं करें ये काम

हालांकि करवा चौथ की पूजा के समय भद्रा नहीं है फिर भी यदि महिलाओं को भद्रा का भय सता रहा है वो नीचे दिए गए मंत्र का जाप कर सकती हैं।

धन्या दधमुखी भद्रा महामारी खरानना।
कालारात्रिर्महारुद्रा विष्टिश्च कुल पुत्रिका।
भैरवी च महाकाली असुराणां क्षयन्करी।
द्वादश्चैव तु नामानि प्रातरुत्थाय य: पठेत।
न च व्याधिर्भवैत तस्य रोगी रोगात्प्रमुच्यते।
गृह्य: सर्वेनुकूला- स्यर्नु च विघ्नादि जायते।

इस मंत्र के जाप से भद्रा का भय कम होता है और वैवाहिक जीवन में आने वाली बाधाएं खत्म होती हैं।



करवा चौथ का व्रत कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है. यह व्रत अखंड सौभाग्य के लिए रखा जाता है. इस दिन पत्नी अपने पति की लंबी आयु और सुख दांपत्य जीवन के लिए निर्जला व्रत रखती है.

पहली बार रखना है करवा चौथ व्रत....



जिन युवतियों का विवाह तय हो गया है, वे भी करवा चौथ का व्रत रख सकती हैं. इस व्रत में करवा माता, विघ्नहर्ता श्री गणेश, भगवान शिव और चंद्रमा की पूजा करने का महत्व है. यह व्रत चतुर्थी के सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक रखा जाता है. चांद के निकलने का बाद पारण करके व्रत को पूरा करते हैं.

जिन युवतियों को पहली बार करवा चौथ का व्रत रखना है, उनको पूजा सामग्री और मंत्र के बारे में जानना चाहिए.

करवा चौथ पूजा सामग्री

- करवा माता और गणेश जी की तस्वीर या मूर्ति
- करवा माता के लिए चुनरी, नए कपड़े, गणेश जी और शंकर जी के लिए नए वस्त्र
- मिट्टी का करवा, एक ढक्कन, एक थाली
- चांद देखने के लिए एक छलनी, लकड़ी की एक चौकी
- सोलह श्रृंगार की समाग्री, एक कलश, दीपक, रूई की बाती
- कपूर, अगरबत्ती, गेहूं, लहुआ, 8 पूड़ियों की अठावरी
- अक्षत, हल्दी, चंदन, फूल, पान का पत्ता, कच्चा दूध, दही
- शक्कर का बूरा, शहद, गाय का घी, रोली, कुमकुम
- मौली या रक्षासूत्र, मिठाई, एक लोटा या गिलास, दक्षिणा
- करवा चौथ व्रत कथा और आरती की एक पुस्तक

करवा चौथ पूजा मंत्र

करवा चौथ में माता पार्वती, विघ्नहर्ता गणेश और शिव जी की पूजा का विधान है, इसलिए उनके ही मंत्रों का उपयोग पूजन में होता है.

- मां पार्वती की पूजा का मंत्र - देहि सौभाग्य आरोग्यं देहि मे परम् सुखम। सन्तान देहि धनं देहि सर्वकामांश्च देहि मे।।
- गणेश पूजा मंत्र - वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥
- शिव पूजा मंत्र - ओम नम: शिवाय
- करवा चौथ चंद्रमा को अर्घ्य देने का मंत्र
- करवा चौथ को चंद्रोदय होने पर चंद्रमा की पूजा करते हैं. चंद्रमा को कच्चा दूध, गंगाजल, अक्षत, फूल आदि से अर्घ्य देते हैं. इसके लिए आपको अर्घ्य देने के मंत्र का उच्चारण करते हैं.

गगनार्णवमाणिक्य चन्द्र दाक्षायणीपते। गृहाणार्घ्यं मया दत्तं गणेशप्रतिरूपक॥

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में किसानों को बड़ी राहत, 64.7% अतिरिक्त मुआवजे पर मुहर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 145वीं बोर्ड बैठक में किसानों, युवाओं और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। बोर्ड ने वर्ष 2002 से 2013 के बीच भूमि अधिग्रहण या क्रय से प्रभावित उन किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर देने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी, जिन्हें अब तक इसका लाभ नहीं मिला है। इसके अलावा आपसी सहमति से जमीन देने वाले किसानों को आबादी भूखंड का लाभ देने, आबादी भूखंड आवंटन की पात्रता में बदलाव और लीज बैक के मामलों में किसानों को राहत देने संबंधी प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। बैठक में युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र स्थापित करने, ईकोटेक-1 एक्सटेंशन में पुलिस थाना बनाने और ईकोटेक-10 के बिजलीघर का उच्चीकरण करने के प्रस्तावों पर भी निर्णय लिया गया।



ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक का सबसे अहम फैसला 2002 से 2013 के बीच भूमि अधिग्रहण और क्रय से प्रभावित किसानों को अतिरिक्त प्रतिकर देने से जुड़ा रहा। बोर्ड ने उन किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिन्हें अभी तक इसका लाभ नहीं मिल सका है। इससे लंबे समय से अतिरिक्त मुआवजे की मांग कर रहे किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है।।प्राधिकरण की ओर से इस संबंध में शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। शासन की सहमति मिलने के बाद इसे बोर्ड के समक्ष रखा गया, जहां स्वीकृति प्रदान कर दी गई। इस निर्णय के बाद ग्रेटर नोएडा के प्रभावित किसानों को भी नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के किसानों की तर्ज पर अतिरिक्त प्रतिकर का लाभ मिल सकेगा।

5725 रुपये प्रति वर्गमीटर का विकल्प चुनने वालों को आबादी भूखंडः प्राधिकरण ने आपसी सहमति से जमीन देने वाले किसानों को भी भूमि अधिग्रहण के समान सुविधाएं देने का निर्णय लिया है। इसके तहत 5725 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर वाला विकल्प चुनने वाले भू-स्वामियों को छह प्रतिशत आबादी भूखंड का लाभ दिया जाएगा। वहीं, 6415 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर वाला विकल्प चुनने वालों को इस व्यवस्था के तहत आबादी भूखंड का लाभ नहीं मिलेगा।

प्राधिकरण की 27 अगस्त 2026 को हुई बोर्ड बैठक में भूमि खरीद के लिए ये दोनों विकल्प निर्धारित किए गए थे। अब नए निर्णय के तहत 27 अगस्त के बाद इस व्यवस्था के अंतर्गत होने वाले भूमि अधिग्रहण में निर्धारित शर्तों के अनुसार किसानों को लाभ दिया जाएगा। इसका उद्देश्य आपसी सहमति से भूमि देने वाले किसानों और अधिग्रहण से प्रभावित किसानों के लिए सुविधाओं में समानता सुनिश्चित करना है।

आबादी भूखंड की पात्रता में बदलावः किसानों की मांग पर प्राधिकरण ने आबादी भूखंड आवंटन की पात्रता संबंधी नियमों में भी संशोधन को मंजूरी दी है। अब पात्रता के दायरे में पितामह, पितामही, पिता, माता, पति या पत्नी के साथ सास-ससुर को भी शामिल किया जाएगा।

दरअसल, कई मामलों में भूमि अर्जन की कार्रवाई से पहले किसानों ने अपनी जमीन पुत्रवधू के नाम हस्तांतरित कर दी थी। प्रचलित नीति के तहत ऐसे मामलों में पुत्रवधू आबादी भूखंड के लाभ से वंचित रह जाती थीं। नियमों में बदलाव से ऐसे प्रभावित परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, इसका लाभ निर्धारित शर्तें पूरी करने पर ही मिलेगा। इसके लिए किसान का अधिसूचित क्षेत्र का मूल निवासी होना और संबंधित भूमि का राजस्व अभिलेखों में निर्धारित शर्तों के अनुसार दर्ज होना जरूरी होगा।

लीज बैक में ब्याज माफी का प्रस्ताव शासन को भेजेगा प्राधिकरणःग्रामीण आबादी की जमीन के लीज बैक मामलों में आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिए भी बोर्ड ने अहम निर्णय लिया है। किसानों की मांग पर लीज बैक के लिए जमा की जाने वाली प्रतिकर राशि पर ब्याज माफ करने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके लिए ग्रामीण आबादी स्थल प्रबंधन एवं विनियमितीकरण विनियमावली में संशोधन कर प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

वर्तमान व्यवस्था के तहत निर्धारित धनराशि का भुगतान समय पर नहीं करने पर किसानों को ब्याज देना पड़ता है। तीन माह से अधिक की देरी पर निर्धारित दर से ब्याज लगने और एक वर्ष के भीतर भुगतान नहीं होने पर पट्टा निरस्त किए जाने का प्रावधान है। प्रस्ताव को शासन की मंजूरी मिलने के बाद किसानों को राहत मिल सकेगी।

इसके साथ ही लीज बैक के मामलों में किसानों के हिस्से का निर्धारण कर उनके पक्ष में लीज डीड जारी करने की प्रक्रिया अपनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। यह प्रक्रिया शासनादेश 24 अप्रैल 2010 तथा ग्रामीण आबादी स्थल प्रबंधन एवं विनियमितीकरण विनियमावली-2011 और उसके संशोधित प्रावधानों के तहत आगे बढ़ाई जाएगी।

लिंक रोड से विस्थापित किसानों की लीज डीड का खर्च उठाएगा प्राधिकरणः गाजियाबाद में न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर फैक्ट्री से एनएच-24, अब एनएच-9, तक लिंक रोड के निर्माण से विस्थापित किसानों के पुनर्वास का रास्ता भी साफ हुआ है। बोर्ड ने ग्राम चिपियाना खुर्द उर्फ तिगरी में उपलब्ध 5.48 एकड़ भूमि पर पात्र किसानों की लीज डीड कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। लीज डीड पर होने वाला खर्च भी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण वहन करेगा।

सड़क निर्माण की जद में आई जमीन के मूल किसानों को इसका लाभ दिया जाएगा, बशर्ते उनका नाम संबंधित राजस्व अभिलेखों में दर्ज हो। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद गठित समिति ने 17 जून 2026 की बैठक में पात्र किसानों के दस्तावेज प्राप्त कर उनका सत्यापन करने के बाद लीज डीड की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की संस्तुति की थी।

अब संबंधित किसानों को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से जारी आवंटन पत्र की मूल प्रति और नक्शा-11 की सत्यापित प्रति अथवा किसान द्वारा क्रय किए गए खसरे के बैनामे की मूल प्रति प्रस्तुत करनी होगी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से सत्यापन के बाद लीज डीड की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

ईकोटेक-1 में बनेगा कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्रः ग्रेटर नोएडा में युवाओं को उद्योगों की जरूरत के मुताबिक प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके लिए सेक्टर ईकोटेक-1 में औद्योगिक भूखंड संख्या-01 की 32,880 वर्गमीटर यानी करीब आठ एकड़ जमीन चिह्नित कर आरक्षित करने के प्रस्ताव को बोर्ड ने मंजूरी दी है।

भूमि का निशुल्क आवंटन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग की सहमति के बाद किया जाएगा। प्रस्तावित केंद्र में तकनीकी और गैर-तकनीकी प्रशिक्षण, भाषा प्रशिक्षण तथा प्लेसमेंट संबंधी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा प्रशिक्षणार्थियों के लिए छात्रावास, कार्यालय और प्लेसमेंट सेल जैसी व्यवस्थाएं भी प्रस्तावित हैं। योजना का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को देश के दूसरे राज्यों के साथ विदेशों में भी रोजगार के अवसरों से जोड़ना है।

ईकोटेक-1 एक्सटेंशन में बनेगा पुलिस थानाः औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए ईकोटेक-1 एक्सटेंशन में पुलिस थाना स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। इसके लिए ग्राम कासना में 3957 वर्गमीटर जमीन निशुल्क आवंटित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

अपर पुलिस आयुक्त, मुख्यालय, गौतमबुद्ध नगर की ओर से पुलिस स्टेशन के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। इसके बाद प्राधिकरण के परियोजना विभाग ने भूखंड चिह्नित कर पुलिस विभाग को लीज प्लान उपलब्ध कराया। पुलिस विभाग ने 31 जुलाई 2025 को लीज डीड कराने के लिए सहमति देते हुए अनुरोध किया था। नए थाने से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत होने और औद्योगिक इकाइयों, कर्मचारियों तथा स्थानीय लोगों को सुरक्षा संबंधी सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

ईकोटेक-10 के बिजलीघर पर खर्च होंगे 226 करोड़ रुपयेः औद्योगिक क्षेत्रों और आसपास के गांवों में भविष्य की बिजली मांग पूरी करने के लिए ईकोटेक-10 स्थित 132/33 केवी जीआईएस विद्युत उपकेंद्र को 220/33 केवी जीआईएस उपकेंद्र के रूप में उच्चीकृत करने के प्रस्ताव को भी बोर्ड ने मंजूरी दी है। इस परियोजना पर निर्माण और जमीन की लागत मिलाकर करीब 226 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

उच्चीकरण के लिए 8945 वर्गमीटर भूमि उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड को निशुल्क उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। इससे ईकोटेक-10, ईकोटेक-11, घंघोला, मायचा और आसपास के औद्योगिक संस्थानों की भविष्य की बिजली जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के साथ बढ़ने वाली बिजली की मांग को देखते हुए यह परियोजना महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूदः बोर्ड बैठक में चेयरमैन दीपक कुमार, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ आरके सिंह, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, श्रीलक्ष्मी वीएस, प्रेरणा सिंह और सुमित यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जीएम वित्त स्वतंत्र गुप्ता, जीएम प्रोजेक्ट एके सिंह तथा ओएसडी लवगीत कौर, अभिषेक पाठक, गिरीश कुमार झा, मुकेश कुमार सिंह और अजय शर्मा भी शामिल हुए।

व्यर्थ बहते पेयजल की रोकथाम के लिए आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 ने महाप्रबंधक से की विशेष अपील



नोएडा। जल ही जीवन है और इसकी एक-एक बूंद को सहेजना हम सभी का परम सामाजिक एवं नैतिक कर्तव्य है। इसी दूरदर्शी भावना के साथ सेक्टर-105 (नोएडा) की रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने क्षेत्र में स्थित पानी की टंकी से हो रहे ओवरफ्लो तथा बहुमूल्य पेयजल की बर्बादी को रोकने के लिए एक अत्यंत सराहनीय और प्रभावी कदम उठाया है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने नोएडा विकास प्राधिकरण के महाप्रबंधक (जल एवं सीवर विभाग) श्रीमान आर. पी. सिंह साहब को पत्र प्रेषित कर इस जनहित समस्या के स्थायी एवं तकनीक-आधारित समाधान हेतु विनम्रतापूर्वक ध्यान आकर्षित किया है। पत्र के माध्यम से आरडब्ल्यूए ने बेहद आदरसूचक और सकारात्मक भाव से निवेदन किया है कि जलापूर्ति के समय पानी की टंकी पर आधुनिक 'ऑटोमैटिक फ्लोट वाल्व' लगवाया जाए, ताकि टंकी भरते ही ओवरफ्लो स्वतः रुक सके। इसके साथ ही, ओवरफ्लो पाइपलाइन को 'रेनवाटर हार्वेस्टिंग पिट' से जोड़ने का सुझाव भी दिया गया है, जिससे यदि जलापूर्ति के दौरान थोड़ा-बहुत जल निकलता भी है, तो वह नालियों में व्यर्थ बहने के बजाय सीधे भूजल स्तर को रिचार्ज करने के काम आ सके।

इस पुनीत कार्य में विभागीय तत्परता और कर्मचारियों की उचित मॉनिटरिंग को अत्यंत आवश्यक बताते हुए आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने कहाः-

'जल संरक्षण केवल किसी एक विभाग या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह पूरे समाज का एक साझा संकल्प है। नोएडा प्राधिकरण सदैव शहर के विकास और जन-सुविधाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील रहा है। हमें पूरा विश्वास है कि महाप्रबंधक श्रीमान आर. पी. सिंह साहब के कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व में जल विभाग इस समस्या का त्वरित, आधुनिक और स्थायी समाधान सुनिश्चित करेगा, जो पूरे नोएडा शहर के लिए जल संरक्षण का एक बेहतरीन उदाहरण बनेगा।'

इसके साथ ही आरडब्ल्यूए ने संपूर्ण शहरवासियों से भी भावुक अपील की है कि वे अपने दैनिक जीवन में पानी की एक-एक बूंद की कीमत समझें और जल की बर्बादी को रोककर एक जागरूक एवं ज़िम्मेदार नागरिक का परिचय दें।

फोनरवा ने दी पूर्व आरडब्ल्यूए अध्यक्ष रामपाल भाटी को भावभीनी श्रद्धांजलि

नोएडा। फेडरेशन ऑफ़ नोएडा रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) कार्यालय में आज एक शोक व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह सभा नोएडा के जाने-माने समाजसेवी, सेक्टर 20 आरडब्ल्यूए के पूर्व दीर्घकालिक अध्यक्ष एवं फोनरवा के पूर्व पदाधिकारी रामपाल भाटी जी के आकस्मिक निधन पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए बुलाई गई थी।



शोक सभा में फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, ने स्वर्गीय श्री रामपाल भाटी जी के सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा, 'श्री भाटी जी का जाना न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि संपूर्ण नोएडा समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। वे एक अत्यंत पूजनीय व्यक्तित्व और कुशल मार्गदर्शक थे।'

उपस्थित सदस्यों ने समाज के प्रति उनके समर्पण को महासचिव श्री के. के. जैन ने कहा कि स्वर्गीय श्री रामपाल भाटी जी ने सेक्टर 20 की आरडब्ल्यूए (ऋ्ब्ब्) के अध्यक्ष के रूप में काफी लंबे समय तक अनुकरणीय सेवाएं दीं और सेक्टर के चहुंमुखी विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके साथ ही, फोनरवा में भी विभिन्न गरिमापूर्ण पदों पर रहते हुए उन्होंने संपूर्ण नोएडा के विकास व जनहित के कार्यों में हमेशा अग्रसर भूमिका निभाई। उनके द्वारा किए गए जनहित के कार्य हमेशा याद रखे जाएंगे।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित फोनरवा के सभी पदाधिकारियों, विभिन्न सेक्टर्स के आरडब्ल्यूए अध्यक्षों और प्रबुद्ध नागरिकों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत पुण्यात्मा की शांति और मोक्ष के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही, फोनरवा परिवार ने शोक संतप्त भाटी परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से उन्हें इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

इस अवसर पर अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा महासचिव के के जैन, कोषाध्यक्ष पवन यादव, विजय भाटी,प्रदीप वोहरा, लाटसाहब लोहिया एडवोकेट,संजय चौहान, अशोक शर्मा, कोसिंदर यादव, राजेश सिंह, श्रीमती अनीता, भूषण शर्मा, त्रिलोक शर्मा, धर्मेंद्र चौहान, सुभाष भाटी, सोमपाल सिंह, राम लखन चौधरी, दिनेश भाटी, संजय शुक्ला , शैलेश श्रीवास्तव , अमित त्यागी, शरद जैन, दीपक शर्मा, श्रीमती हेमा पुरी, राजीव चौधरी रमेश यादव,विनोद शर्मा, बी के शर्मा,हरीश वर्मा , दिनेश आदि उपस्थित थे।

25 वर्षीय स्ट्रोक सर्वाइवर ने दिया एक स्वस्थ बेटे को जन्म

नोएडा। जब परिवार करवा चौथ का पर्व मना रहे हैं, जो जीवनसाथी के स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना से जुड़ा है, ऐसे में एक युवा दंपती की यात्रा, जो एक अप्रत्याशित चिकित्सीय आपात स्थिति से शुरू होकर माता-पिता बनने तक पहुंची, समय पर उपचार और परस्पर सहयोग के महत्व को रेखांकित करती है। एक 25 वर्षीय स्ट्रोक सर्वाइवर ने हाल ही में जोखिम भरी वाली गर्भावस्था के दौरान चिकित्सकीय निगरानी के बाद फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा में एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया।

उनकी चिकित्सीय यात्रा कुछ वर्ष पहले, विवाह से कुछ समय पूर्व, तब शुरू हुई जब उन्हें अचानक दाईं आंख से धुंधला दिखाई देने लगा। लक्षण शुरू होने के दो घंटे के भीतर उन्हें फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा लाया गया। जांच में एक्यूट इस्कीमिक स्ट्रोक की पुष्टि हुई, जो तब होता है जब रक्त का थक्का मस्तिष्क के किसी हिस्से में रक्त प्रवाह को बाधित कर देता है। मूल्यांकन के बाद, डॉ. ज्योति बाला शर्मा, डायरेक्टर, न्यूरोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा के नेतृत्व में न्यूरोलॉजी टीम ने उपचार के लिए पात्र समय-सीमा के भीतर थ्रोम्बोलिसिस, यानी थक्का घोलने वाला उपचार, दिया। विवाह नज़दीक होने के कारण, इस अप्रत्याशित निदान से मरीज़ और उनके मंगेतर उनके स्वस्थ होने और साथ मिलकर अपने भविष्य को लेकर चिंतित हो उठे। उपचार करने वाली टीम ने इस जोड़े को उनकी स्थिति और उपचार के प्रति उनकी प्रतिक्रिया के बारे में परामर्श दिया। उनकी स्थिति में सुधार हुआ और एक सप्ताह के भीतर उन्हें स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इसके बाद दोनों ने विवाह संपन्न किया, और उनके स्वास्थ्य-लाभ के दौरान एक-दूसरे को संबल देते रहे।

विवाह के कुछ वर्ष बाद, दंपती ने अपने पहले शिशु के स्वागत की तैयारी की। उनके स्ट्रोक के इतिहास, साथ ही गर्भकालीन मधुमेह (जेस्टेशनल डायबिटीज़) और हाइपोथायरायडिज़्म के कारण यह गर्भावस्था जोखिम भरी वाली थी और इसमें सावधानीपूर्वक चिकित्सकीय निगरानी आवश्यक थी। गर्भकालीन मधुमेह में गर्भावस्था के दौरान रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ जाता है, जबकि हाइपोथायरायडिज़्म तब होता है जब थायरॉइड ग्रंथि पर्याप्त मात्रा में थायरॉइड हार्मोन का निर्माण नहीं करती।

पूरी गर्भावस्था के दौरान, इन स्थितियों के प्रबंधन के लिए उनकी नियमित चिकित्सकीय समीक्षा और निगरानी की गई। इसके बाद उन्होंने फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा में 3.7 किलोग्राम वज़न के स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। डॉ. ज्योति बाला शर्मा, डायरेक्टर, न्यूरोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा, ने कहा, 'स्ट्रोक युवा वयस्कों को भी हो सकता है, और दृष्टि में अचानक होने वाले बदलाव को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। इस मरीज़ के मामले में, जल्दी अस्पताल पहुंचने से मूल्यांकन और उपचार के लिए पात्र समय-सीमा के भीतर थक्का घोलने वाला उपचार संभव हो सका। जिन महिलाओं को पहले स्ट्रोक हो चुका है और जो गर्भधारण की योजना बना रही हैं, उनके लिए व्यक्तिगत मूल्यांकन और निरंतर चिकित्सकीय फॉलो-अप महत्वपूर्ण हैं। जोखिम और देखभाल की आवश्यकताएं हर मरीज़ में अलग-अलग होती हैं।'

मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने शुरू की 'स्ट्रोक साथी' पहल, 5,000 लोगों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य

नोएडा। मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने स्ट्रोक के शुरुआती लक्षणों की पहचान और समय पर इलाज सुनिश्चित करने के लिए 'स्ट्रोक साथी - पहचानो, पहुंचो' राष्ट्रव्यापी पहल शुरू की है। इसके तहत देशभर में 5,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है।



स्ट्रोक एक मेडिकल इमरजेंसी है, जिसमें इलाज में देरी से मस्तिष्क की कोशिकाओं को गंभीर नुकसान हो सकता है। इस पहल का उद्देश्य लोगों को लक्षण पहचानने और मरीज को तुरंत उचित अस्पताल पहुंचाने के लिए जागरूक करना है।

मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट एवं जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सोनिया लाल गुप्ता ने कहा कि जागरूकता और समय पर चिकित्सा सहायता से कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। इस पहल के माध्यम से आम लोगों को स्ट्रोक की स्थिति में सही कदम उठाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में BE FAST पद्धति के जरिए संतुलन बिगड़ना, दृष्टि में बदलाव, चेहरे का एक ओर लटकना, हाथ में कमजोरी और बोलने में परेशानी जैसे लक्षणों की पहचान सिखाई जा रही है। नोएडा और फरीदाबाद में RWA, वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और कॉर्पोरेट समूहों के लिए जागरूकता सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं। लोग ऑनलाइन क्विज और प्रमाणपत्र के माध्यम से भी इस पहल से जुड़ सकते हैं।

आईएमएस लॉ कॉलेज ने लगाया निशुल्क विधिक सहायता शिविर खानपुर के ग्रामीणों को दी कानूनी जानकारी

नोएडा। समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आईएमएस लॉ कॉलेज के लीगल एड सेल ने विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया। यह शिविर गौतम बुद्ध नगर के खानपुर गांव स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में आयोजित हुआ। शिविर के दौरान सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड अधिवक्ता आदर्श वर्मा तथा गौतम बुद्ध नगर जिला न्यायालय के अधिवक्ता डॉ. राजेश भड़ाना ने ग्रामीणों को मार्गदर्शन प्रदान किया।



आईएमएस लॉ कॉलेज की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने बताया कि इस निःशुल्क विधिक सहायता शिविर के दौरान ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी विषयों पर निःशुल्क परामर्श दिया गया। साथ ही, कानूनी जागरूकता सत्रों के माध्यम से उन्हें अपने अधिकारों, उपलब्ध कानूनी सहायता सेवाओं और निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। जरूरतमंद लोगों को आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

अधिवक्ता आदर्श वर्मा ने कहा कि कानूनी जागरूकता समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्येक नागरिक को अपने कानूनी अधिकारों और उन्हें प्राप्त करने के लिए उपलब्ध विधिक सहायता सेवाओं की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निःशुल्क विधिक सहायता जरूरतमंद लोगों को न्याय प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।

शिविर के दौरान अधिवक्ता डॉ. राजेश भड़ाना ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के बीच कानूनी जागरूकता बढ़ाना और आम नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कानूनी अधिकारों तथा निःशुल्क विधिक सहायता के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी होनी चाहिए, ताकि जरूरतमंद लोग बिना किसी संकोच के न्याय प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सकें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादकः अनिल रॉयल

फोनः (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

पुलिस एवं व्यापारियों के बीच संवाद में उठे अतिक्रमण, यातायात, स्ट्रीट लाइट एवं सीसीटीवी कैमरों सहित विभिन्न जनहित के मुद्दे

नोएडा। आगामी त्योहारों के मद्देनजर जनपद में कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने नोएडा के उद्यमियों एवं व्यापारियों के साथ संवाद किया। बैठक का आयोजन ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित पुलिस मुख्यालय के सभागार में किया गया। बैठक में व्यापारियों एवं उद्यमियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं सुरक्षा संबंधी विषयों को प्रमुखता से उठाया।

बैठक में पीक आवर्स के दौरान अवैध ठेली-पटरी, रिक्शों एवं अन्य अतिक्रमण के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात समस्या, बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों तथा स्कूलों की एक साथ छुट्टी होने से लगने वाले जाम के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। इसके अलावा फैक्ट्री एवं औद्योगिक क्षेत्रों में बड़े व्यावसायिक वाहनों द्वारा सड़क किनारे पार्किंग किए जाने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होने का मुद्दा भी उठाया गया।



पुलिस-व्यापारी समन्वय से समस्याओं के समाधान पर जोर: बैठक में डीसीपी डॉ. प्रवीण सिंह ने कहा कि पुलिस प्रशासन और व्यापारी वर्ग आपसी समन्वय एवं सहयोग के माध्यम से सुरक्षा और यातायात से जुड़ी समस्याओं का प्रभावी समाधान कर सकते हैं। उन्होंने व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों एवं प्रमुख स्थानों पर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने, सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

एडीसीपी स्वतंत्र सिंह ने कहा कि पुलिस के पास उपलब्ध संसाधन एवं पुलिसकर्मियों की संख्या सीमित है, जबकि जनसंख्या के अनुपात में सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारियां निरंतर बढ़ रही हैं। ऐसे में अपराध घटित होने से पहले ही संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों की सूचना पुलिस तक पहुंचाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने व्यापारियों एवं आमजन से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने तथा अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं से बचने की अपील की।

अवैध ठेली-पटरी के लिए व्यवस्थित वेंडर जोन बनाने का सुझाव: बैठक में अवैध ठेली-पटरी के कारण होने वाले अतिक्रमण की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यवस्थित एवं निर्धारित वेंडर जोन विकसित करने का सुझाव दिया गया, ताकि रेहड़ी-पटरी संचालकों को निर्धारित स्थान मिल सके और मुख्य मार्गों एवं बाजारों में यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनी रहे।

आगामी त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए व्यापारियों से भी अपने प्रतिष्ठानों के आसपास व्यवस्था बनाए रखने, वाहनों की पार्किंग व्यवस्थित कराने तथा पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय कर सुरक्षित एवं सुगम बाजार व्यवस्था सुनिश्चित करने में सहयोग की अपील की गई।

बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, नोएडा के चेयरमैन नरेश कुच्छल, अध्यक्ष राम अवतार सिंह, वरिष्ठ महामंत्री मनोज भाटी, सेक्टर-73 नोएडा व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, ओमपाल शर्मा, वरिष्ठ महामंत्री दिनेश महावर, सतवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में उद्यमी एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

बैठक में पुलिस प्रशासन एवं व्यापारी प्रतिनिधियों के बीच आपसी समन्वय को और मजबूत करने तथा आगामी त्योहारों के दौरान शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

बीमार महिला की देखभाल करने आई अटेंडेंट निकली चोर

नोएडा। नोएडा में सेक्टर-22 में बीमार महिला की देखभाल के लिए रखी गई अटेंडेंट घर से जेवरात और अन्य सामान चोरी कर फरार हो गई। मामले में सेक्टर-24 थाना पुलिस ने आरोपी महिला आरती पाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया ट्रॉली बैग, दो साड़ियां और सोने के जेवरात बरामद किया है।

सेक्टर-22 के बी-3 में रहने वाले संदीप रखेजा की मां बीमार हैं। उनकी देखभाल के लिए 11 अक्टूबर को आरती पाल को अटेंडेंट के तौर पर रखा गया था। संदीप ने शिकायत में बताया कि 23 अक्टूबर को वह दवा लेकर घर लौटे तो आरती घर पर नहीं थी। इस दौरान अलमारी खुली मिली। जांच करने पर ट्रॉली बैग, दो साड़ियां, करीब 16 ग्राम का सोने का हार, 10 और 2 ग्राम के सोने के सिक्के तथा काले पत्थर वाली सोने की अंगूठी गायब मिली।

गंदे नाले की पटरी से गिरफ्तार: शिकायत के आधार पर सेक्टर-24 थाने में चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए 27 अक्टूबर को गंदे नाले की पटरी से आरोपी आरती पाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी मूल रूप से लखनऊ के सआदतगंज थाना क्षेत्र स्थित दरगाह रोड की रहने वाली है और उसकी उम्र करीब 35 वर्ष है।

ट्रॉली बैग और जेवरात बरामद: पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लाल रंग का एक ट्रॉली बैग, नीले और लाल रंग की दो साड़ियां, करीब 16 ग्राम का पीली धातु का हार, 10 और 2 ग्राम के पीली धातु के दो सिक्के तथा काले पत्थर वाली करीब 5 ग्राम की अंगूठी बरामद की है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(ए) और 317(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जहरीला पदार्थ खाकर जान देने का प्रयास

नोएडा। सेक्टर-62 क्षेत्र में बुधवार सुबह एक व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खाकर जान देने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों और परिजन ने गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, सेक्टर-62 निवासी 45 वर्षीय मोहम्मद उमर के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिली। जिला अस्पताल में पुलिस पहुंची तो उमर की तबीयत अत्यधिक खराब थी। चिकित्सकों ने हालत की गंभीरता को देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसका उपचार चल रहा है। परिजन ने पुलिस को बताया कि उमर एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है।

पिछले कुछ समय से उमर मानसिक तनाव से गुजर रहा था। बुधवार सुबह अचानक उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। वह खाते ही जमीन पर गिर गया और उसके मुंह से सफेद झाग निकलने लगे। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया और परिजन को सूचना दी। अस्पताल में हालत खराब देखते हुए रेफर कर दिया।

गुर्जर स्वाभिमान रैली की सफलता पर राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी का सलारपुर में भव्य स्वागत

नोएडा। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा द्वारा दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित गुर्जर स्वाभिमान रैली की सफलता पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी का सलारपुर में भव्य स्वागत किया गया। गौतम बुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं एवं समाज के लोगों ने ट्रैक्टर रैली निकाली और राष्ट्रीय अध्यक्ष को पटका, पगड़ी एवं फूलमालाएँ पहनाकर सम्मानित किया।



इस अवसर पर अशोक भाटी ने कहा कि तालकटोरा स्टेडियम में उमड़े जनसमूह ने गुर्जर, पटेल और कुर्मी समाज की एकता का सशक्त संदेश दिया है। युवाओं के उत्साह, वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन और मातृशक्ति की भागीदारी ने आयोजन को ऐतिहासिक बनाया। उन्होंने सफल आयोजन के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व, अतिथियों, कार्यकर्ताओं और समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया।

स्वागत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी ने कहा कि दिल्ली में आयोजित सम्मेलन से देशभर में सामाजिक एकता और स्वाभिमान का संदेश गया है। उन्होंने गुर्जर, कुर्मी और पटेल समाज को एक वृक्ष की तीन शाखाएँ बताते हुए साझा विरासत, आपसी भाईचारे और संगठित प्रयासों पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि समाज के पूर्वजों ने देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया और बलिदान दिए। ब्रिटिश शासन के दौरान लागू आपराधिक जनजाति कानून का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसके कारण समाज के अनेक लोगों को उत्पीड़न, विस्थापन तथा शिक्षा और रोजगार से वंचित होने जैसी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

हरिश्चंद्र भाटी ने सरकार से सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की उन्नति के लिए संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप ठोस कदम उठाने की माँग की। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों में संबंधित आयोग के गठन अथवा समाज के हित में प्रभावी योजनाओं की दिशा में पहल होनी चाहिए। ऐसा नहीं होने पर समाज आगे की रणनीति तय करने के लिए स्वतंत्र होगा।

आयोजकों के अनुसार, दिल्ली के सम्मेलन में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में कृष्णपाल गुर्जर, पंकज चौधरी, रामबीर सिंह बिधूड़ी, डॉ. अलका गुर्जर, गुलाम अली खटाना, बंशीलाल गुर्जर, चंदन चौहान, कंवर सिंह तंवर, राजेश नागर और सोमेंद्र तोमर सहित अनेक प्रमुख हस्तियों ने सहभागिता की।

इसके अतिरिक्त डॉ. यशवीर सिंह, रामकिशोर दोगुने, नंदकिशोर गुर्जर, साहब सिंह गुर्जर, डॉ. जिले राम, डॉ. रूप सिंह गुर्जर, रेणु चौधरी, विजय सिंह बैसला, दिनेश गुर्जर, देवेंद्र पटेल, राजकुमार चौधरी और संजय छोकर सहित समाज के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सलारपुर में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में झलकेस बाबूजी, मदन भाटी, योगेश भाटी, सोमेश भारद्वाज, विजेंद्र भड़ाना, पवन भड़ाना, गजेंद्र रेक्सवाल, अरविंद रेक्सवाल, राजेंद्र भाटी, सुनील भाटी और अजय गुर्जर सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पानी की सप्लाई और स्ट्रीट लाइट बनी सेक्टर 11 की बड़ी समस्या : अनुज गुप्ता



नोएडा। इन दिनों सैक्टर 11 में पानी की सप्लाई और स्ट्रीट लाइट की समस्या सेक्टर वासियों के लिए बड़ी परेशानी बन चुकी है। इसको लेकर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुज गुप्ता, महासचिव दिनेश कृष्णन लगातार प्राधिकरण से संपर्क कर रहे हैं। लेकिन प्राधिकरण के अधिकारियों के कानों पर जूं नहीं रेंग रही है। इस मामले में अध्यक्ष अनुज गुप्ता का कहना है कि वे जल्द ही प्राधिकरण का घेराव करेंगे और जरूरत पड़ी तो वहां धरना भी देंगे। सड़क पर लगी स्ट्रीट लाइट काम नहीं कर रही है, पानी की सप्लाई का प्रेशर बहुत ही कम है जिस कारण सेक्टर वासी बड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं और प्राधिकरण के अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं, लेकिन अब हम ऐसा नहीं होने देंगे।

लापरवाही पर थाना सेक्टर-63 प्रभारी निलंबित, एसीपी का भी हुआ तबादला

नोएडा। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने अपने कामकाज में लापरवाही बरतने के गंभीर मामले में कड़ा कदम उठाया है। इस कार्रवाई के तहत थाना सेक्टर-63 के प्रभारी निरीक्षक अमित काकरान को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, चोटपुर कॉलोनी क्षेत्र में बिजली को लेकर एक हंगामा हुआ था। इस हंगामे के मामले में पुलिस की तरफ से एक मुकदमा दर्ज किया गया था जिसकी जांच चल रही थी। इसी दर्ज मुकदमे की जांच के दौरान लापरवाही बरतने के पुख्ता आरोपों के आधार पर थाना प्रभारी निरीक्षक अमित काकरान के खिलाफ यह अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

एसीपी का तबादला और क्राइम मीटिंग की चर्चा

केवल थाना प्रभारी पर ही गाज नहीं गिरी है, बल्कि सेंट्रल जोन के सहायक पुलिस आयुक्त केके वर्मा को भी उनके पद से हटा दिया गया है। उनके स्थान पर दूसरे अधिकारी की तैनाती की गई है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह की इस सख्त और बड़ी कार्रवाई के बाद पूरे पुलिस विभाग में गहरी हलचल मची हुई है। विभाग के भीतर यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि पुलिस आयुक्त की आज शाम को एक क्राइम मीटिंग भी प्रस्तावित है, जिसके चलते अन्य लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई किए जाने की पूरी संभावना जताई जा रही है।

त्योहारों से पहले बड़ा चेकिंग अभियान, 42 पुलिस टीमों ने की कार्रवाई और 914 लोगों पर शिकंजा

नोएडा। आगामी त्योहारों के मद्देनजर गौतमबुद्धनगर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में सेंट्रल नोएडा जोन में एक विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पुलिस महकमे में पूरी तरह से सख्ती नजर आई और प्रमुख स्थानों पर वाहनों व लोगों की बारीकी से जांच की गई।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेंट्रल नोएडा डॉ. प्रवीन रंजन सिंह के नेतृत्व और एडीसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में यह पूरा अभियान चलाया गया। इस बड़े स्तर के अभियान में कुल 42 पुलिस टीमों ने हिस्सा लिया। सेंट्रल नोएडा जोन के आठ थाना क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले 42 प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर इन टीमों ने मुस्तैदी से जांच पड़ताल की। इस दौरान थाना फेस-2, फेस-3, सेक्टर-63, बिसरख, बादलपुर, सूरजपुर, इकोटेक-3 और सेक्टर-142 की पुलिस टीमों ने भाग लिया।

हजारों वाहनों और लोगों की जांच: चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने कुल 1,667 वाहनों और 2,315 व्यक्तियों की गहनता से जांच की। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए 212 वाहनों के चालान किए गए, जबकि नियमों का गंभीर उल्लंघन मिलने पर तीन वाहनों को सीज कर दिया गया। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थानों पर शांति भंग करने और संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए गए कुल 914 व्यक्तियों के खिलाफ धारा 292 बीएनएसएस के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।

बाजारों और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा का जायजा: यह अभियान क्षेत्र के बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों, प्रमुख चौराहों, औद्योगिक क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करने के लिए चलाया गया था। पुलिस ने इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों और वस्तुओं की बारीकी से पड़ताल की। सुरक्षा का जायजा लेने के लिए बैंकों, एटीएम, होटलों, ढाबों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी विशेष जांच की गई।

अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने सभी संबंधित थाना प्रभारियों को लगातार पैदल गश्त और प्रभावी पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने रात्रि भ्रमण बढ़ाने तथा असामाजिक और अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने पर भी जोर दिया है, ताकि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके और कानून-व्यवस्था पूरी तरह से बनी रहे।

दिल्ली पुलिस अकादमी, वजीराबाद में भावातीत ध्यान, प्राणायाम एवं योग सत्र का आयोजन

नई दिल्ली। स्पिरिचुअल रीजेनरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया तथा महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में आज दिल्ली पुलिस अकादमी, वजीराबाद में भावातीत ध्यान, प्राणायाम एवं योग पर एक परिचयात्मक सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 'तनाव से शांति की ओर' पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा तनाव प्रबंधन और समग्र कल्याण के व्यावहारिक उपायों से लोगों को परिचित कराना है।



कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस अकादमी के 253 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को भावातीत ध्यान की अवधारणा, इसकी प्रक्रिया तथा दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता से परिचित कराया गया। सत्र का संचालन भावातीत ध्यान शिक्षकों डॉ. मुदिता अग्रवाल और विजय उप्पल ने किया। उन्होंने भावातीत ध्यान के मूल सिद्धांतों तथा मानसिक शांति, आंतरिक स्थिरता और समग्र कल्याण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

इसके साथ ही, योग प्रशिक्षकों विवेक राठौर, एम.डी. सोहेल और तरुणा चौधरी ने प्राणायाम एवं योग सत्र का संचालन किया। प्रतिभागियों को श्वास संबंधी अभ्यासों और योग के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक संतुलन बनाए रखने के महत्व से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान महर्षि महेश योगी के जीवन, विचारों एवं शिक्षाओं पर आधारित एक वीडियो भी प्रदर्शित किया गया। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को महर्षि जी की शिक्षाओं तथा ध्यान के माध्यम से व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण की उनकी परिकल्पना को समझने का अवसर मिला।

इस अवसर पर दिल्ली पुलिस अकादमी, वजीराबाद की ओर से उपस्थित अधिकारियों में इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार, इंस्पेक्टर ई. एस. यादव, इंस्पेक्टर मनोज कुमार, सब-इंस्पेक्टर अरुण कुमार, सब-इंस्पेक्टर संजीव कुमार, सब-इंस्पेक्टर संतोष कुमार, सब-इंस्पेक्टर राजीव कुमार, सब-इंस्पेक्टर सत्य ब्रह्म, सब-इंस्पेक्टर परमिंदर सिंह, सब-इंस्पेक्टर अजय कुमार, एएसआई सुनील दत्त, एएसआई ईश्वर सिंह, महिला हेड कांस्टेबल अंशु तथा कांस्टेबल राम कृष्ण शामिल रहे।

स्पिरिचुअल रीजेनरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से अभिलाषा नंदल और आलोक शर्मा ने कार्यक्रम के आयोजन एवं संचालन में सहयोग दिया। 'तनाव से शांति की ओर' पहल का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और तनावपूर्ण परिस्थितियों में आंतरिक स्थिरता एवं संतुलन बनाए रखने के उपायों से लोगों को परिचित कराना है। पुलिस कर्मियों की जिम्मेदारियों और चुनौतीपूर्ण कार्य परिस्थितियों को देखते हुए मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और तनाव प्रबंधन का विशेष महत्व है। स्पिरिचुअल रीजेनरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया तथा महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा का यह प्रयास मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने तथा भावातीत ध्यान, प्राणायाम और योग के माध्यम से समग्र कल्याण के प्रति लोगों को जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नोएडा में आईबीए ने उठाई जीएसटी की मुश्किलें, आयुक्त को सौंपे सुझाव

नोएडा। केंद्रीय जीएसटी आयुक्तालय, गौतमबुद्धनगर की तरफ से जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में 'सहज कर संवाद-2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (आईबीए) के प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया और उद्यमियों तथा व्यापारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। एसोसिएशन ने जीएसटी आयुक्त डॉ. यशोवर्धन पाठक को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें कर प्रक्रिया को सरल बनाने और कारोबारियों के सामने आ रही दिक्कतों के समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। आईबीए द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में जीएसटी पंजीयन और संशोधन प्रक्रिया को पूरी तरह से सरल बनाने की मांग की गई है। इसके अलावा, पंजीयन से जुड़ी परेशानियों के समाधान के लिए एक समर्पित हेल्प डेस्क बनाए जाने, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़ी व्यवहारिक दिक्कतों को दूर करने और रिफंड दावों का समय पर निस्तारण करने की बात प्रमुखता से शामिल रही। व्यापारियों और उद्यमियों को राहत देने के लिए ज्ञापन में जीएसटी अनुपालन को आसान बनाने, नोटिस तथा जांच प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता रखने, पोर्टल की तकनीकी समस्याओं का तुरंत समाधान करने और उद्योग संगठनों के साथ नियमित बातचीत की व्यवस्था करने की भी पुरजोर मांग की गई।

सुधारों से कारोबार होगा आसान: आईबीए प्रतिनिधिमंडल ने अपनी बात रखते हुए कहा कि इन सभी सुधारों के लागू होने से करदाताओं को काफी सुविधा मिलेगी। इससे स्वैच्छिक अनुपालन को भी बढ़ावा मिलेगा और देश में कारोबार करना आसान हो जाएगा। कार्यक्रम में मौजूद विभाग के अधिकारियों ने सभी सुझावों का स्वागत किया और उन पर सकारात्मक तथा सहयोगात्मक दृष्टिकोण के साथ विचार करने का पूरा आश्वासन दिया।

सेक्टर-100 की ग्रीन बेल्ट में मिला शव

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-100 में स्थित ग्रीन बेल्ट में बुधवार की सुबह एक दुखद घटना सामने आई। यहां लगभग 30 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति का शव पेड़ की डाल से लटका हुआ पाया गया। राहगीरों और स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई की और फिर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सेक्टर-39 के थाना प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ला के अनुसार, पुलिस की टीम मृतक व्यक्ति की शिनाख्त और पहचान कराने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर विधि विज्ञान टीम यानी फॉरेंसिक विशेषज्ञ और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी पहुंचे थे। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। शुरुआती दौर में पुलिस द्वारा मानसिक तनाव की आशंका जताई जा रही है, हालांकि व्यक्ति की मौत के असली कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो पाएगी।

हरीश वर्मा सर्वसम्मति से चुने गए सेक्टर 20 आरडब्लूए के अध्यक्ष

नोएडा। सेक्टर 20 निवासी हरीश वर्मा को सर्वसम्मति से निर्विरोध सेक्टर 20 आरडब्लूए का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति सेक्टर 20 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष रामपाल भाटी के देहांत के बाद आरडब्ल्यूए के अन्य सदस्यों ने एक मत होकर लिया है। गौरतलब है कि विधान के अनुसार वर्तमान में हरीश वर्मा सेक्टर 20 आरडब्ल्यूए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष है और अध्यक्ष की गैर मौजूदगी में सर्वसम्मति से आरडब्ल्यूए के अन्य सदस्य की सहमति से उपाध्यक्ष को अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है। इसी क्रम में मौजूद वर्तमान सदस्यों ने सेक्टर 20 के बारात घर में मंगलवार की शाम को आयोजित जनरल बॉडी मीटिंग में एक मत होकर हरीश वर्मा को अध्यक्ष बनाने का फैसला किया है। गौरतलब है कि 2011 से 2013 के बीच हरीश वर्मा सेक्टर 20 आरडब्ल्यूए

के अध्यक्ष रह चुके हैं और इनका कार्यकाल बहुत ही शानदार रहा था।



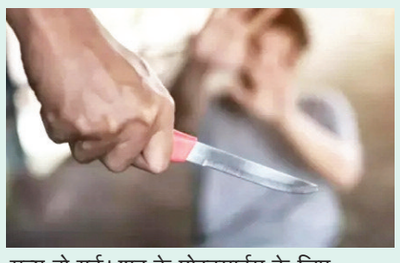
हर तरह के विवादों से दूर सेक्टर के विकास और बैंक अकाउंट में भी इन्होंने अच्छी खासी 11 लाख रुपए की रकम छोड़ी थी। जबकि जब हरीश वर्मा अध्यक्ष बने थे उस समय खाते में लगभग डेढ़ लाख रुपए पड़े थे। श्री वर्मा ने भाग दौड़ कर के नोएडा अथॉरिटी से सेक्टर के लिए दो मंजिला बारात घर का निर्माण करवाया। पार्कों में गजीबो हट की व्यवस्था की।

सड़कें, सीवर और गैस पाइपलाइन बिछवाई। बिजली के तार, खंबे बदलवाए, ट्रांसफार्मर लगवाए। सेक्टर 20 निवासियों के लिए उन्होंने अनगिनत कार्य किये। हरीश वर्मा फोनरवा के जॉइंट सेक्रेटरी भी रह चुके हैं। वर्तमान में वे भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के गौतम बुद्ध नगर से जिला अध्यक्ष भी हैं। लोगों को हरीश वर्मा की ईमानदारी और काबिलियत पर पूरा भरोसा है। सेक्टर वासियों में एक तरह का अलग ही उत्साह देखा जा रहा है। लोगों की शुभकामनाएं लगातार हरीश वर्मा को मिल रही हैं। नई जिम्मेदारी मिलने पर हरीश वर्मा ने लोगों का आभार जताया और कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है उसका वह पूरी निष्ठा के साथ पालन करेंगे और सेक्टर 20 को पूरे नोएडा का नंबर वन सेक्टर बनाने का काम करेंगे। जहां पर अच्छे पार्क, बेहतरीन बारात घर, गड्ढा मुक्त सड़कें, स्वच्छ जल, सेक्टर की सुरक्षा सबको बेहतर किया जाएगा। कार्यकारिणी की बैठक में महासचिव दिनेश ठाकुर, सह सचिव महेंद्र भंडारी, कोषाध्यक्ष भिक्की लाल शर्मा, मेंबर में एस सी मिश्रा, सुधाकर तिवारी, प्रदीप के वी, उमा नंद रतूड़ी, राम रतन आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

निहाल विहार में चाकू घोंपकर युवक की हत्या, एक आरोपित गिरफ्तार और बाकी फरार

नई दिल्ली, एजेंसी। निहाल विहार इलाके में चाकू घोंपे जाने से घायल 34 वर्षीय संदीप की महाराजा अग्रसेन अस्पताल में उपचार के दौरान



मृत्यु हो गई। शव के पोस्टमार्टम के लिए परिजन संजय गांधी अस्पताल पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने मामले में सिर्फ एक आरोपित को पकड़ा है, जबकि अन्य आरोपित अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। इसको लेकर परिजनों में भारी नाराजगी है। वे मामले में शामिल सभी आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

हत्या, लूट और रंगदारी में शामिल भोला गैंग पर कसा शिकंजा

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने भोला भाई गैंग से जुड़े मकोका के मामले में



सुजल उर्फ ढेला (21) को गिरफ्तार किया है। वह भलस्वा डेरी का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपित पर अवैध शराब कारोबारियों, पार्किंग संचालकों और जुआ खेलने वालों से जबरन वसूली करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार थाना जहांगीरपुरी में सात मार्च 2026 को मकोका की धारा 3/4 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। मामले में गैंग सरगना मुकेश उर्फ भोला को 18 अगस्त और विपिन को 28 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। गंभीर आपराधिक गतिविधियों शामिल रहा गिरोह गिरोह हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, अपहरण, जबरन वसूली और गोलीबारी जैसी गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। मुकेश के खिलाफ पहले से 17 और विपिन के खिलाफ दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस जांच में चौंकाने वाले खुलासे जांच में सुजल के खिलाफ जहांगीरपुरी थाने में दर्ज दो पुराने मामलों में भी मुकेश उर्फ भोला के साथ उसकी संलिप्तता सामने आई है।

दिवाली-छठ को लेकर उत्तर रेलवे ने चलाईं अनरिजर्व्ड स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारों के इस सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ व उनकी सुगम व सुविधाजनक यात्रा को सुनिश्चित करने के लिए उत्तर रेलवे ने विशेष कदम उठाया है. रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दो जोड़ी (कुल चार) अनरिजर्व्ड फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है. इस विशेष सेवा की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इन ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को किसी भी प्रकार का आरक्षित (रिजर्वेशन) टिकट लेने की कोई आवश्यकता नहीं होगी. यात्री सामान्य दिनों की तरह साधारण यानी जनरल टिकट लेकर ही इन ट्रेनों में आसानी से यात्रा कर सकेंगे. इससे टिकट बुकिंग की लंबी वेटिंग से राहत मिलेगी और अंतिम समय में सफर करने वालों को बड़ी सहूलियत होगी. उत्तर प्रदेश के प्रमुख ऐतिहासिक शहर वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी के बीच चलाई जा रही है. ट्रेन का संचालन (फेरे): हजरत निजामुद्दीन से यह गाड़ी (04412) 05.11.2026, 06.11.2026 व 07.11.2026 को कुल 3 फेरे लेगी. वहीं, वापसी दिशा में वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से यह ट्रेन (04411) 06.11.2026, 07.11.2026 और 08.11.2026 को कुल 3 फेरे संचालित होगी.

करोड़ों का डबल डेकर फ्लाईओवर भी बेअसर

दिल्ली के भजनपुरा में अतिक्रमण से यात्री परेशान, जाम से नहीं मिली राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। करोड़ों रुपये खर्च करके बनाया जा रहा दिल्ली का पहला डबल डेकर फ्लाईओवर ने जाम से निजात की उम्मीद तो जगाई है, लेकिन अतिक्रमण इस उम्मीद को धुंधला कर रहा है।

भजनपुरा में फ्लाईओवर के ठीक आगे मेट्रो स्टेशन और उसके आसपास के बाजार में अतिक्रमण के कारण संकरी सड़क फ्लाईओवर पर खर्च करोड़ों की राशि को बर्बाद कर सकती है। आलम यह है कि निर्माण की बेरिकेडिंग के बावजूद यहां अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा, जिससे रोजाना सैकड़ों लोगों को जाम से जूझना पड़ता है।

गाजियाबाद से भोपुरा के



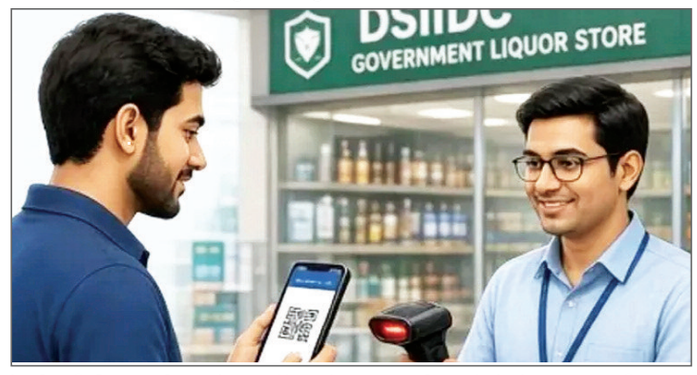
रास्ते वजीराबाद व दिल्ली के अन्य स्थानों तक रोजाना करीब पचास हजार वाहन वजीराबाद रोड से सफर करते हैं। पूरी सड़क पर फ्लाईओवर बनाकर इसे सिग्नल फ्री कर दिया गया है, बस भजनपुरा एकमात्र जाम प्वाइंट बना है। ऐसे में इसे जाममुक्त करने के लिए गोकलपुरी से भजनपुरा तक बन रहे इस फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है जो अंतिम चरण में है। परियोजना की खासियत यह है कि एक ही ढांचे के ऊपरी हिस्से में मेट्रो दौड़ रही है, जबकि निचले हिस्से में चार व दो पहिया वाहन दौड़ेंगे। उम्मीद थी कि इस फ्लाईओवर के निर्माण के बाद यमुनापार का सबसे बड़े जाम प्वाइंट से जाम खत्म हो जाएगा लेकिन अब हालात कुछ और इशारा कर रहे हैं। भजनपुरा में जहां यह फ्लाईओवर उतर रहा है उसके तुरंत बाद अतिक्रमण बड़ी बाधा है।

मेट्रो स्टेशन पर बन रहा बाटलनेक, अतिक्रमण से परेशानी

दरअसल, फ्लाईओवर खत्म होते ही सौ मीटर दूरी पर भजनपुरा मेट्रो स्टेशन है, जहां बाटलनेक बनता है। इसके साथ ही यहां ठेली-पटरी वालों के साथ दुकानदारों ने भी सड़क और फुटपाथ के हिस्से पर कब्जा कर रखा है। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और जाम लगता है। निर्माण कार्य के दौरान भी इस मार्ग पर जाम की स्थिति रहती है। स्थानीय लोगों की शिकायत है कि अतिक्रमण की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन इसे हटाने के लिए नियमित और प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आती। अतिक्रमण हटाने, फुटपाथ खाली कराने और वाहनों के व्यवस्थित आवागमन की योजना के बाद ही डबल डेकर फ्लाईओवर का लाभ मिल सकेगा।

'दिल्ली लिकर बुकिंग' ऐप शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शराब की दुकानों पर लंबी कतारों से राहत देने के लिए दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने 'दिल्ली लिकर बुकिंग' ऐप शुरू की है। इस ऐप के जरिए आप अपना पसंदीदा ब्रांड पहले से बुक करके, ऑनलाइन भुगतान करके और क्यूआर कोड दिखाकर डीएसआईआईडीसी स्टोर से सीधे ऑर्डर ले सकते हैं। त्योहारों और वीकेंड पर शराब की दुकानों के बाहर लगने वाली लंबी लाइनों और भीड़ को नियंत्रित करना। दुकान पर ब्रांड ढूंढने और बिलिंग की कतार में खड़े होने की झंझट खत्म करना। घर बैठे अपना ब्रांड, बोतल का साइज और नजदीकी स्टोर चुनने की सुविधा देना। एप डाउनलोड करें: अपने मोबाइल



में 'दिल्ली लिकर बुकिंग' ऐप इंस्टॉल करें। उपलब्ध विकल्पों में से अपना पसंदीदा ब्रांड, बोतल का साइज और मात्रा चुनें। नजदीकी डीएसआईआईडीसी स्टोर चुनें: वह स्टोर चुनें जहां से आप ऑर्डर उठाना चाहते हैं। एप के जरिए शराब की कीमत का डिजिटल पेमेंट पूरा करें। भुगतान सफल होते ही ऐप में एक क्यूआर कोड जेनरेट होगा। चुने हुए स्टोर के काउंटर पर क्यूआर कोड स्कैन कराएं और अपना ऑर्डर प्राप्त करें। दिल्ली लिकर बुकिंग एप के इस्तेमाल में इन बातों का ध्यान रखें... यह सिर्फ एडवांस बुकिंग और पेमेंट की सुविधा है। ऑर्डर लेने के लिए आपको खुद स्टोर जाना होगा।

48 घंटे में पिकअप जरूरी: बुकिंग और भुगतान के बाद 48 घंटे के भीतर संबंधित स्टोर से शराब उठाना अनिवार्य है।

न्यूनतम उम्र 25 वर्ष: शराब खरीदने के लिए ग्राहक की आयु कम से कम 25 साल होनी चाहिए।

प्रदूषण से जंग में 12 हजार करोड़ से भी ज्यादा खर्च, फिर भी जहरीली हवा में सांस ले रहे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के विभिन्न शहरों को स्वच्छ हवा देने के लिए सरकार की ओर से 12 हजार करोड़ से भी ज्यादा रूपये खर्च किए जा चुके हैं। लेकिन, अफसोस की बात है कि अब तक धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। इतना भारी भरकम पैसा खर्च किए जाने के बावजूद भी लोग दमघोंटू हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-2026 में केंद्र सरकार के राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत शामिल 130 शहरों में से 117 शहरों में पीएम 10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय मानक से अधिक रहा। सिर्फ 13 शहर ही इसकी सीमा तक पहुंच पाए थे। वहीं, अगर देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें, तो यहां भी हालात जस के तस बने हुए



हैं। यहां भी स्थिति सुधरने का नाम हीं ले रही है। लोग जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। 2016 से 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में पीएम 10 और पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर किसी भी साल राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं रहा। 2025 में पीएम 10 का स्तर 197.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो राष्ट्रीय मानक 60 से 3.3 गुना अधिक है। कुल मिलाकर, ये आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं कि दिल्ली में स्थिति किसी भी सूरत में सुधरने का नाम नहीं ले रही है। दुर्भाग्य की बात यह है कि दिल्ली को प्रदूषण रहित बनाने की दिशा में अनेक तरह के लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। लेकिन, उस लक्ष्य को प्राप्त करने में हम बहुत दूर हैं।

हेरोइन सप्लाई करने दिल्ली आया छात्र अरेस्ट

द्वारका पुलिस ने पकड़ा; विदेशियों से था तगड़ा कनेक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। हरियाणा से दिल्ली आकर हेरोइन की खेप लेने और उसे वापस ले जाने के आरोप में द्वारका जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है।

आरोपित के पास से 101 ग्राम हेरोइन और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपित ने जनकपुरी में एक विदेशी नागरिक से हेरोइन लेने की बात बताई है। पुलिस इस कथित अंतरराज्यीय ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने की कार्रवाई: द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह के निर्देश पर नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने 24 अक्टूबर को यह कार्रवाई की।

पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग दिल्ली से मादक पदार्थ लेकर दिल्ली-एनसीआर के आसपास के इलाकों में आपूर्ति कर रहे हैं। इसके बाद इंस्पेक्टर सतीश कुमार के नेतृत्व में टीम ने द्वारका सेक्टर-1 स्थित हरसुख अपार्टमेंट के पास जाल बिछाया और रोहित को पकड़ लिया।

विदेशी नागरिक से ली थी हेरोइन की खेप: पुलिस के मुताबिक, गुरुग्राम जिले के पटौदी क्षेत्र के ऊंचा माजरा गांव का रहने



वाला रोहित हरियाणा से दिल्ली आया था। पूछताछ में उसने बताया कि उसने जनकपुरी इलाके में एक विदेशी नागरिक से हेरोइन की खेप ली थी। उसने यह भी दावा किया कि उसे यह खेप जयविंदर के निर्देश पर मिली थी। जयविंदर के विदेशी नागरिक के संपर्क में होने की बात भी सामने आई है। पुलिस इन जानकारियों की पुष्टि करने में जुटी है।

24 अक्टूबर को दर्ज हुई प्राथमिकी : इस मामले में द्वारका साउथ थाने में 24 अक्टूबर को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपित को दो दिन की पुलिस हिरासत में लिया है। जांच में बरामद हेरोइन के स्रोत, उसकी आपूर्ति कहां की जानी थी और नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाया जा रहा है। संबंधित इलाकों की सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, रोहित की उम्र 22 वर्ष है और वह हरियाणा के सिद्धरावली कालेज से बीकाम अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार, उसका पहले कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है।

2020 दिल्ली दंगा मामला: हाई कोर्ट से पांच दोषियों को झटका, 7 साल कैद की सजा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान 22 वर्षीय युवक की हत्या से जुड़े मामले में पांच दोषियों को सात साल कैद की सजा देने



के ट्रायल कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट ने बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने अमन कश्यप, देविंदर कुमार, प्रदीप राय, आशीष उर्फ गोली और अरुण कुमार की ओर से दायर अपील को खारिज कर दिया। इन सभी को ट्रायल कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 148 (घातक हथियार से लैस होकर दंगा करना) और 304 भाग-1 (गैर इरादतन हत्या) के तहत दोषी ठहराया था। कोर्ट ने कहा कि सुबूतों से पता चलता है कि भीड़ में अपीलकर्ताओं की मात्र उपस्थिति से कहीं अधिक भूमिका थी। यह मामला दयालपुर थाने में हुई एक प्राथमिकी से जुड़ा है।

समाज कल्याण विभाग में कर्मचारियों की किल्लत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण एवं एससी-एसटी विभाग में अधिकारियों और कर्मचारियों की भारी कमी के कारण अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण से जुड़ी कई योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी हो रही है।

इसका असर छात्रवृत्ति योजनाओं, मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं में संशोधन और दो छात्रावासों को पूरी तरह संचालित करने की तैयारी पर भी पड़ रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, कर्मचारियों की कमी के चलते जिन फाइलों और प्रस्तावों के निपटारे में सामान्य तौर पर एक महीने का समय लगता था, उनमें अब करीब तीन महीने लग रहे हैं। विभाग ने इस समस्या को लेकर जुलाई में ही सेवा विभाग को पत्र लिखकर रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने की मांग की थी। पत्र में स्पष्ट किया गया था कि कर्मचारियों की कमी से न केवल कल्याणकारी कार्यक्रम प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि नेहरू ब्वायज हास्टल और कमला नेहरू गर्ल्स हास्टल को पूरी तरह शुरू करने की तैयारी भी बाधित हो रही है।

इस साल दोनों छात्रावास शुरू करने का लक्ष्य: अधिकारी के अनुसार, एससी-एसटी-ओबीसी कल्याण मंत्री ने निर्देश दिए थे कि दोनों छात्रावासों को चालू वर्ष के दौरान पूरी तरह संचालित किया जाए।

इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए जरूरी पदों को समय पर भरना महत्वपूर्ण है।



विभाग ने सेवा विभाग से तबादले, तैनाती या अन्य प्रशासनिक व्यवस्था के जरिये प्राथमिकता पर रिक्त पद भरने का अनुरोध किया था। इसके लिए 15 दिन के भीतर कार्रवाई करने का आग्रह भी किया गया था।

25 में से 13 पद खाली

विभाग की ओर से भेजे गए पत्र में छह श्रेणियों के कुल 25 स्वीकृत पदों का ब्योरा दिया गया था। इनमें से 12 पदों पर कर्मचारी तैनात थे, जबकि 13 पद खाली थे। यानी आधे से अधिक पद रिक्त होने से विभाग के कामकाज पर दबाव बढ़ गया है।

उप निदेशक और हरिजन कल्याण बोर्ड के सचिव का एक-एक पद खाली है। तीन स्वीकृत अनुभाग अधिकारी पदों में से दो भरे हैं। वहीं, सहायक अनुभाग अधिकारी के पांच पदों में से तीन पर ही कर्मचारी तैनात हैं। कनिष्ठ सहायकों के 13 स्वीकृत पदों में से सात खाली हैं।

कर्मचारियों की इस कमी का सीधा असर योजनाओं की प्रक्रिया और प्रशासनिक कामकाज पर पड़ रहा है। ऐसे में रिक्त पदों को भरना जरूरी है, ताकि छात्रवृत्ति और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंच सके और दोनों छात्रावासों को शुरू करने का लक्ष्य पूरा हो सके।

दिल्ली एसआईआर अभियान: 1.49 लाख से अधिक शिविरों के बाद 27 हजार से ज्यादा नए मतदाता पंजीकृत

1.49 लाख से अधिक शिविरों के बाद 27 हजार से ज्यादा नए मतदाता पंजीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने और विवरण में सुधार के लिए लगाए गए विशेष शिविरों में 27,510 लोगों ने फॉर्म-6 भरकर आवेदन किया।

निर्वाचन विभाग ने 14,947 मतदान केंद्रों, कालेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य स्थानों पर 1.49 लाख से अधिक शिविर लगाए थे। इनका उद्देश्य प्रारूप मतदाता सूची में नाम शामिल नहीं करा पाए पात्र लोगों को आवेदन करने में मदद देना था।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, विशेष पंजीकरण अभियान के दौरान कुल 38,849 आवेदन मिले। इनमें नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 के 27,510, मतदाता सूची में संशोधन या पता बदलने के लिए फॉर्म-8 के 10,729 और नाम शामिल करने या हटाने पर आपत्ति के लिए फॉर्म-7 के 610 आवेदन



शामिल हैं। शिविरों में मतदान केंद्रों पर सबसे अधिक आवेदन जमा हुए। यहां कुल 36,305 आवेदन मिले, जिनमें फॉर्म-6 के 25,255, फॉर्म-8 के 10,441 और फॉर्म-7 के 609 आवेदन शामिल हैं। वहीं, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों में लगाए गए शिविरों में 1,987 आवेदन मिले। इनमें 1,706 फॉर्म-6 और 281 फॉर्म-8 के आवेदन थे। शैक्षणिक संस्थानों में अभियान का मुख्य उद्देश्य 18 से 25 वर्ष के युवाओं को मतदाता सूची में शामिल करना था।

बेघर और ट्रांसजेंडर लोगों के लिए भी शिविर: बेघर लोगों, ट्रांसजेंडर समुदाय और यौनकर्मियों के लिए लगाए गए विशेष शिविरों में 557 आवेदन मिले। इनमें 549 फॉर्म-6, सात फॉर्म-8 और एक फॉर्म-7 का आवेदन था। इसके अलावा, हाल में ध्वस्त की गई दिल्ली की कुछ बस्तियों से विस्थापित मतदाताओं तक पहुंचने के लिए भी विशेष प्रयास किए गए। इनमें बेला एस्टेट, जेलरवाला बाग, नरेला, बवाना, मंगोलपुरी और वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं। शिविरों में 27 सितंबर को सबसे ज्यादा 9,067 आवेदन मिले। वहीं, 25 अक्टूबर को लगे अंतिम शिविर में 4,388 आवेदन जमा हुए, जिनमें 3,265 फॉर्म-6 शामिल थे। निर्वाचन विभाग के अनुसार, बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर प्रारूप सूची से छूटे पात्र मतदाताओं की पहचान कर रहे हैं और उन्हें आवेदन भरने में सहायता दे रहे हैं।

अंकिता भंडारी हत्याकांड: सीबीआई ने एक पत्रकार का दर्ज किया बयान, वीआईपी की भूमिका की हो रही जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई ने मंगलवार को पत्रकार आशुतोष नेगी का बयान दर्ज किया। 19 वर्षीय रिजार्ट रिसेप्शनिस्ट की हत्या में एक वीआईपी की कथित भूमिका की जांच कर रही सीबीआई ने नेगी को मुख्यालय बुलाया था। वह उन लोगों में से थे, जिन्होंने हत्याकांड की सीबीआइ जांच के लिए सबसे पहले उत्तराखंड हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंकिता के माता-पिता की मांग पर इस मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। यह मांग तब उठी, जब एक अभिनेत्री ने कुछ ऑडियो और वीडियो क्लिप जारी किए, जिनसे इस हत्या में किसी वीआईपी के शामिल होने का संकेत मिलता था। सीबीआई ने फरवरी में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, ताकि अंकिता भंडारी की हत्या में वीआईपी की कथित भूमिका की जांच की जा सके। अंकिता का शव 2022 में ऋषिकेश के पास मिला था। उत्तराखंड के पौड़ी स्थित वनंत्रा रिजार्ट में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करने वाली अंकिता की हत्या रिसार्ट के मालिक पुलकित आर्य और उसके दो कर्मचारियों ने कर दी थी। इन सभी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।



अभिषेक ने वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को सराहा

बोले- 'भाग मिल्खा भाग' के डायलॉग को सही साबित करके दिखाया

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बताया कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से पहले नेट सेशन के दौरान बॉलीवुड फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' का एक मशहूर डायलॉग दोहराया था। इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और भारत को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। सूर्यवंशी ने अभिषेक से कहा कि वह फिल्म के मशहूर डायलॉग - 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' - से प्रेरित होकर बिल्कुल निडर होकर बल्लेबाजी करेंगे। 15 साल के वैभव ने अपनी बात को सच साबित करते हुए सिर्फ 19 गेंदों पर 45 रनों की आक्रामक पारी खेली। इससे अभिषेक को भी खुलकर खेलने का मौका मिला और उन्होंने 38 गेंदों पर शानदार 113 रन बनाए। भारत ने न्यूजीलैंड



के 199 रनों के लक्ष्य को महज 13.2 ओवर में हासिल कर लिया और मंगलवार को हेनरी स्टेडियम में तीसरा टी20 6 विकेट से जीता। मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में अभिषेक ने सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत को याद किया और इस युवा खिलाड़ी की आक्रामक सोच की तारीफ की। अभिषेक ने कहा, 'कल नेट्स में वैभव ने मुझसे कहा था कि वह 'भाग मिल्खा भाग' फिल्म के डायलॉग 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' की तरह ही बल्लेबाजी करेंगे।' बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक ने यह भी बताया कि कैसे ओपनिंग ओवर में सूर्यवंशी के निडर रवैये ने दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज का आत्मविश्वास बढ़ाया, खासकर तब जब वह न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज का सामना कर रहे थे। अभिषेक ने कहा, 'जब टीम 190-200 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही होती है और सामने विपक्ष का मुख्य तेज गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा हो, तब ओपनर को आक्रामक खेल दिखाना पड़ता है। मैं दूसरे छोर पर था और मैंने वैभव को बल्लेबाजी करते देखा। इससे नॉन-स्ट्राइकर बल्लेबाज का जोश बढ़ जाता है। मैं खास तौर पर वैभव की तारीफ करना चाहूंगा। इस मुकाबले में उन्होंने जो प्रदर्शन किया, वह टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। इस जीत का काफी श्रेय उन्हें जाता है। ' ओपनिंग जोड़ी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाई। पावरप्ले में भारत ने बिना कोई विकेट खोए 118 रन बनाए, जो पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में पहले छह ओवरों में किसी भी टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने सिर्फ 2.2 ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिए, जो इस फॉर्मेट में सबसे तेज टीम फिफ्टी की बराबरी है। इसके बाद पांच ओवर में ही टीम 100 रन के पार पहुंच गई। अभिषेक ने टीम की निस्वार्थ सोच की भी तारीफ की।

मैदान पर गुंडागर्दी करना हारिस रऊफ पर पड़ा भारी!

● जीत के बाद सरेआम की थी बदतमीजी

लगा भारी जुर्माना



लटक रही है बैन की तलवार!

आईसीसी ने उनकी इस हरकत को खेल की गरिमा के खिलाफ मानते हुए आचार संहिता का उल्लंघन पाया और उनके खाते में 1 डिमेरिट पॉइंट जोड़ दिया। पिछले दो सालों में रऊफ की यह तीसरी हरकत है, जिससे उनके कुल डिमेरिट पॉइंट अब बढ़कर 5 हो चुके हैं। यानी अब उन पर बैन की तलवार भी लटक रही है।

नई दिल्ली। लाहौर के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ एक विकेट की रोमांचक जीत के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने जमकर जश्न मनाया। एक तरफ जहां टीम जश्न में डूबी थी, वहीं टीम के स्टार तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने अपनी घटिया हरकत से एक बार फिर सुर्खियां बटोरने का काम किया। मैदान पर खेल भावना की धज्जियां उड़ाने और अंपायर से उलझने के जुर्म में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने हारिस रऊफ को कड़ी फटकार लगाई है। इस हरकत के लिए आईसीसी ने रऊफ पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना ठोक दिया है। यह पूरा ड्रामा पाकिस्तानी पारी के 46वें ओवर के खत्म होने पर देखने को मिला। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े हारिस रऊफ पहले तो अंपायर से वाइड गेंद मांगने लगे। फिर इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स से फालतू में बहसबाजी करने लगे। अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद के मना करने के बावजूद रऊफ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उन्होंने हवा में बल्ला उठाया, अंपायर को अनदेखा करके उनसे टकराते हुए निकले और इंग्लिश खिलाड़ी की तरफ बदतमीजी से बढ़ते रहे।

इंग्लैंड की ढिलाई पर भी कटा चालान

रऊफ की हरकत के अलावा इस मैच में स्लो ओवर रेट के लिए इंग्लैंड टीम पर भी गाज गिरी है। तय समय सीमा में 3 ओवर कम फेंकने की वजह से आईसीसी मैच रेफरी जेफ क्रो ने इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रुक और पूरी टीम पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा दिया. दोनों ही पक्षों ने अपनी-अपनी गलतियों और सजा को बिना किसी बहस के स्वीकार कर लिया है. मैच की बात करें तो शादाब खान के नाबाद शतक और हारिस रऊफ के साथ 10वें विकेट की 89 रनों की साझेदारी के दम पर पाकिस्तान ने यह मैच 1 विकेट से तो जीत लिया. इस जीत के साथ पाकिस्तान ने 31 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ होने वाले ट्राई-सीरीज के फाइनल में जगह भी बना ली.

गौतम गंभीर का विजन

आज के खिलाड़ियों को कल के मैच-विनर बनाना



नई दिल्ली। हर क्रिकेट टीम को अंततः एक सवाल का सामना करना पड़ता है। क्या होता है जब उसका सबसे बड़ा खिलाड़ी अनुपलब्ध हो? क्या होता है जब कोई स्टार खिलाड़ी फॉर्म खो देता है, कोई बल्लेबाज सस्ते में आउट हो जाता है, या किसी महत्वपूर्ण मैच में कोई गेंदबाज बेहद खराब प्रदर्शन करता है? वर्षों से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों ने मुट्ठी भर खिलाड़ियों पर टिकी अपनी उम्मीदों को टूटते देखा है। जब कोई सितारा खिलाड़ी नाकाम होता था, तो लाखों लोगों का दिल टूट जाता था। जब कोई अहम विकेट गिरता था, तो दबाव और बढ़ जाता था। और जब भारत हार जाता था, तो पूरा देश जवाब तलाशने लगता था। लेकिन गौतम गंभीर का टी20 क्रिकेट के लिए दृष्टिकोण एक अलग विचार पर आधारित है: भारत को एक ऐसी टीम बनना होगा जो असफलता से न डरे, पूरी तरह से व्यक्तिगत नायकों पर निर्भर न हो, और जब कोई खिलाड़ी आउट हो जाए तो विश्वास करना न छोड़े। टी20 क्रिकेट के प्रति उनके दृष्टिकोण में व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सुनियोजित आक्रामकता, लचीली बल्लेबाजी व्यवस्था और प्रभाव डालने पर जोर दिया गया। तिलक बल्लेबाजी में लचीलापन और मैच की विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता रखते हैं।

व्यक्तिगत जिम्मेदारी से सामूहिक जिम्मेदारी की ओर

लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की कहानी अक्सर इसके सबसे बड़े सितारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। प्रशंसक किसी खास बल्लेबाज से पारी को संभालने की उम्मीद रखते थे या किसी खास गेंदबाज से निर्णायक विकेट लेने की। ऐसे खिलाड़ी आज भी अमूल्य हैं, लेकिन आधुनिक टी20 क्रिकेट में व्यक्तिगत प्रतिभा से कहीं अधिक की आवश्यकता है। इसके लिए एक ऐसी टीम की आवश्यकता होती है जिसमें छठा बल्लेबाज योगदान दे सके, निचले क्रम के बल्लेबाज मैच का रुख बदल सकें, एक ऑलराउंडर रणनीतिक लचीलापन प्रदान कर सके और अनुपस्थित स्टार खिलाड़ी के स्थान पर खेलने वाला खिलाड़ी एक स्पष्ट रूप से परिभाषित भूमिका निभा सके। तिलक वर्मा, नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ियों का विकल्प के रूप में उपलब्ध होना कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

हार्दिक पांड्या का विकल्प खोजना

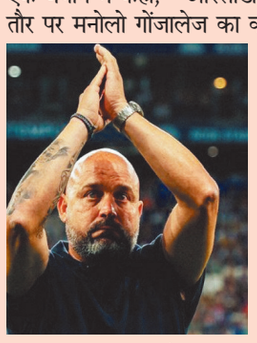
हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी की अनुपलब्धता में किसी भी टीम प्रबंधन के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक सही संयोजन खोजना होता है । हार्दिक टी20 क्रिकेट में एक दुर्लभ खिलाड़ी हैं जो विस्फोटक बल्लेबाजी, फिनिशिंग क्षमता और तेज गेंदबाजी से टीम में योगदान दे सकते हैं। उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को चुनना और उनसे समान परिणाम की उम्मीद करना मात्र नहीं है। इसके लिए सोचने का एक अलग तरीका चाहिए। हार्दिक की तरह ही टीम के लिए सब कुछ करने वाले एक ही खिलाड़ी की तलाश करने के बजाय, भारत इन जिम्मेदारियों को कई खिलाड़ियों में बांट सकता है। एक बल्लेबाज स्थिरता प्रदान कर सकता है, दूसरा मध्य क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सकता है, जबकि एक ऑलराउंडर बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकता है। यहीं पर तिलक वर्मा, नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ी चर्चा में महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

अप्रत्याशित परिस्थितियों से बचना

गंभीर के सामने सबसे बड़ी चुनौती एक ऐसी टीम तैयार करना है जो अपनी पहचान खोए बिना बदलती परिस्थितियों के अनुरूप ढल सके। एक सफल टीम इस बात पर निर्भर नहीं कर सकती कि हर खिलाड़ी उपलब्ध हो, हर बल्लेबाज रन बनाए या हर गेंदबाज का दिन शानदार हो। इसे अप्रत्याशित परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए। हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति से सामरिक दृष्टि से एक कठिन समस्या खड़ी हो सकती है, लेकिन इससे अन्य खिलाड़ियों को अधिक जिम्मेदारी संभालने का अवसर भी मिलता है। तिलक बल्लेबाजी को मजबूती दे सकते हैं, नमन आक्रमण का एक और विकल्प प्रदान कर सकते हैं, और नीतीश एक ऑलराउंडर के रूप में योगदान दे सकते हैं। बाकी टीम के साथ मिलकर, वे प्रबंधन को ऐसे संयोजन तलाशने में मदद कर सकते हैं जो हर समस्या के समाधान के लिए किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर न हों। उद्देश्य यह साबित करना नहीं है कि एक खिलाड़ी हर मायने में प्रतिस्थापित किया जा सकता है। उद्देश्य एक ऐसी टीम का निर्माण करना है जो अपने सबसे मूल्यवान योगदानकर्ताओं के चले जाने पर भी इतनी मजबूत हो कि उनसे उबर सके। क्योंकि किसी क्रिकेट टीम की असली ताकत इस बात से तय नहीं होती कि जब उसके सभी सितारे मौजूद हों तो वह कैसा प्रदर्शन करती है। असली ताकत तब सामने आती है जब उनमें से कोई एक खिलाड़ी अनुपस्थित हो, दबाव बढ़ रहा हो और फिर भी टीम आगे बढ़ने का रास्ता खोज ले। भारत को अगले हार्दिक पांड्या बनने के लिए किसी एक खिलाड़ी की आवश्यकता नहीं है। उसे एक ऐसे संयोजन की आवश्यकता है जिसमें कई खिलाड़ी जिम्मेदारी साझा करें और सामूहिक रूप से टीम की जरूरतों को पूरा करें। इसी तरह टीम की गहराई प्रतिस्पर्धात्मक लाभ बन जाती है। इसी तरह एक टीम असफलताओं से निपटना सीखती है। और इसी तरह जीत की संस्कृति का निर्माण होता है: यह इस विश्वास पर आधारित नहीं होती कि एक ही हीरो हमेशा जीत दिलाएगा, बल्कि इस आत्मविश्वास पर आधारित होती है कि पूरी टीम आगे आने के लिए तैयार है।

सेस्टाओ से मिली हार के बाद एस्पेनयोल ने कोच मैनोलो गोंजालेज को हटाया

मैड्रिड। ला लीगा टीम एस्पेनयोल ने कोपा डेल रे में चौथे दर्जे की टीम सेस्टाओ रिवर से मिली 4-3 से चौंकाने वाली हार के बाद कोच मनोलो गोंजालेज को पद से हटा दिया है। इस हार ने एस्पेनयोल की मुश्किल बढ़ा दी है। क्लब ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा, 'आरसीडी एस्पेनयोल ने क्लब के कोच के तौर पर मनोलो गोंजालेज का कार्यकाल खत्म करने का फैसला किया है। 'अपने बयान में क्लब ने कहा, 'आरसीडी एस्पेनयोल मैनोलो गोंजालेज का शुक्रिया अदा करना चाहता है। उन्होंने टीम की कमान संभालने के बाद से पेशेवर रवैये, प्रतिबद्धता और समर्पण को प्रदर्शित किया।' 47 साल के गोंजालेज ने मार्च 2024 में रिजर्व साइड से प्रमोट होने के बाद एस्पेनयोल की कमान संभाली थी और उस सीजन के आखिर में क्लब को वापस ला लीगा में ले गए थे। हालांकि, पिछले सीजन के मुश्किल दूसरे हाफ के बाद उनकी पोजीशन पर उस समय सवाल उठने लगे, जब एस्पेनयोल 143 दिनों के बीच खेले गए 18 मैचों में कोई जीत हासिल नहीं कर सकी। इस सीजन में अपने शुरुआती पांच लीग मैचों में से दो जीतने के बावजूद, एस्पेनयोल तब से पांच गेम बिना जीत के खेल चुका है, जिससे गोंजालेज पर दबाव बढ़ गया है। मंगलवार को स्पेनिश मीडिया ने उनकी नौकरी को खतरे में बताया था, जो सच साबित हुई। एस्पेनयोल ने कहा कि गोंजालेज पहली टीम की कमान संभालने के बाद तीन से ज्यादा सीजन और 107 कॉम्पिटिटिव मैचों के बाद जा रहे हैं।



ब्रिस्बेन हीट में यास्तिका भाटिया ने इंजर्ड जेस जोनासेन की जगह ली



ब्रिस्बेन। भारत की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ऑस्ट्रेलिया की महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में वापसी करेंगी। ब्रिस्बेन हीट ने उन्हें चोटिल जेस जोनासेन की जगह साइन किया है। यास्तिका, जिन्होंने डब्ल्यूबीबीएल 10 के दौरान मेलबर्न स्टार्स का प्रतिनिधित्व किया था, डब्ल्यूबीबीएल 12 के लिए ब्रिस्बेन की तीसरी विदेशी साइनिंग और इस साल के कॉम्पिटिशन में एकमात्र भारतीय क्रिकेटर बनीं। 25 साल की इस खिलाड़ी के रविवार को ड्रमॉयन ओवल में सिडनी थंडर के खिलाफ अपने दूसरे मैच से पहले टीम से जुड़ने की उम्मीद है और वह बाकी टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहेंगी। वह इस कैंपेन के लिए ब्रिस्बेन की विदेशी टीम में इंग्लैंड की स्पिनर सारा ग्लेन और आयरलैंड की ऑल-राउंडर ओर्ला प्रेंडरगैस्ट के साथ शामिल होंगी।

ब्रिस्बेन की सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी और पूर्व कप्तान जोनासेन कूल्हे की चोट के कारण बाहर हैं, जिससे फ्रेंचाइजी को अतिरिक्त बैटिंग गहराई के लिए भाटिया की ओर रुख करना पड़ा। भारतीय बल्लेबाज ने लीग में छह मैच खेले हैं और तीनों फॉर्मेट में इंटरनेशनल अनुभव लेकर आई हैं। हीट के हेड कोच मार्क सोरेल ने कहा यास्तिका के टीम से जुड़ने पर कहा, 'टूर्नामेंट के इतने करीब इतने अच्छे, अनुभवी इंटरनेशनल खिलाड़ी को साइन कर पाना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। हम बेशक जेस जोनासेन को मिस करेंगे, लेकिन अपनी बैटिंग लाइन-अप में एक और मजबूत स्कोरिंग लेफ्ट-हैंडर को लाना सुकून देने वाला है। यास्तिका को ऑस्ट्रेलिया और एलन बॉर्डर फील्ड में खेलने का अच्छा अनुभव है। हमें विश्वास है कि वह ग्रुप में अच्छी तरह से फिट हो जाएंगी। यास्तिका पिछले साल सितंबर में अपने एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) के फटने के बाद लंबे रिहैबिलिटेशन पीरियड के बाद कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में लौटीं। चोट के कारण वह लगभग 18 महीने तक एक्शन से बाहर रहीं, जिसमें भारत का विजयी वनडे विश्व कप 2025 का अभियान भी शामिल है। जुलाई में उन्होंने शानदार वापसी की, सर्जरी के बाद अपने पहले टेस्ट मैच में सेंचुरी बनाई। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सेंचुरी बनाने वाली पहली महिला बनीं। भारत ने मैच 270 रन से जीता था। वह इस साल की शुरुआत में भारत की टी20 वर्ल्ड कप टीम का भी हिस्सा थीं।

स्टेन वावरिंका ने टेनिस को 'अलविदा' कहा, 3 बार ग्रैंडस्लैम चैंपियन रहे

बेसल। स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। 41 साल के इस दिग्गज ने घरेलू टूर्नामेंट, स्विस इंडोर्स बेसल में जिरी लेहेका से हार के बाद टेनिस को गुड बाय कहा। स्टेन वावरिंका एक हाथ के बैकहैंड के लिए मशहूर रहे। उनके नाम तीन ग्रैंड स्लैम सिंगल खिताब, ओलंपिक गोल्ड और डेविस कप खिताब है। उन्होंने 590 टूर-लेवल जीत हासिल कीं। वावरिंका 2014 में एटीपी रैंकिंग में करियर के सबसे ऊंचे नंबर 3 पर पहुंचे और 16 टूर-लेवल टाइटल हासिल किए। वावरिंका ने अपने करियर के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब उस समय के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ियों को हराकर जीता था। 2014 में वावरिंका ने स्पेन के राफेल नडाल को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इसके बाद 2015 में नोवाक जोकोविच को हराकर उन्होंने फ्रेंच ओपन और 2016 में नोवाक जोकोविच को ही हराकर यूएस ओपन का खिताब जीता था। रोजर फेडरर, नडाल और जोकोविच वाले 'बिग थ्री' दौर का हिस्सा रहे वावरिंका ने अपना करियर 590 टूर-लेवल मैच जीतकर खत्म किया। 2014 में मोंटे-कार्लो में अपना अकेला एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन वावरिंका ने हमवतन और दिग्गज रोजर फेडरर को हराकर जीता था। वावरिंका ओलंपिक में अपने देश के लिए गोल्ड जीत चुके हैं। 2008 में चीन के बीजिंग में आयोजित ओलंपिक में उन्होंने पुरुष डबल्स में रोजर फेडरर के साथ जोड़ी बनाकर गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद दोनों ने 2014 में स्विट्जरलैंड के लिए पहला डेविस कप जीता था। वावरिंका ने एटीपी टूर डॉट कॉम को बताया, 'पिछले 20 सालों में एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे बारे में अलग-अलग सोच रही है।

